नई दिल्ली

रविवार, 7 जनवरी, 2024

पौष मास कृष्ण पक्ष, एकादशी वर्ष : 27, अंक : 273

पृष्ठ 12 मूल्य 2 .00

मौसम

अधि. 18

न्यून. 08

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

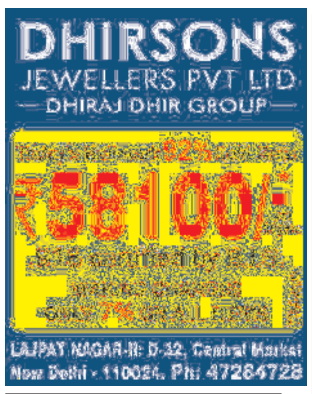

inh 24x7

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

ईडी की चार्जशीट में पूर्व सीएम बघेल का नाम भी

नई दिल्ली। महादेव एप सट्टेबाजी मामले में जेल में बंद कैश कूरियर असीम दास ने दावा किया है कि महादेव एप का पैसा पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के लिए ही कथित तौर पर भेजा गया था। वह अपने पूर्व के बयान पर आज भी कायम है। ईडी ने पिछले दिनों कोर्ट में पेश किए गए पूरक चालान में इसका उल्लेख किया है। इससे पहले 12 दिसंबर को दास ने अदालत में कहा था कि उसे एक साजिश के तहत फंसाया गया है और उसने कभी किसी को नकदी नहीं दी थी। दास ने स्वीकार किया कि तीन नवंबर का बयान किसी ऐसे व्यक्ति के प्रभाव में दिया गया था, जो उनके वकील के साथ आया था। उस व्यक्ति ने उन्हें एक पूर्व टाइप किया हुआ दस्तावेज़ दिया था।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने पतंजलि गुरुकुलम एवं आचार्यकुलम की आधारशिला रखी

भारतीय सनातन संस्कृति को जीवित रखने में गुरुओं का सबसे बड़ा योगदानः राजनाथ

पतंजलि योग पीठ का 29वां स्थापना दिवस और स्वामी दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती के साथ ही गुरुकुल के संस्थापक स्वामी दर्शनानंद की जयंती के अवसर पर हरिद्वार में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने यहां पतंजलि गुरुकुलम की आधारशिला रखी।

पतंजलि योगपीठ के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि पूज्य स्वामी दर्शनानंद जी ने अल्प संसाधनों से यह संस्था प्रारंभ कर एक स्वप्न देखा था जिसे स्वामी रामदेव साकार कर रहे हैं।

ओ.पी. पाल ▶▶ हरिद्वार

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हमारे देश में जो सिख धर्म है, वह शिष्य शब्द से ही निर्मित है। भारत में कई सारे ऐसे धर्म और संप्रदाय हैं, जो गुरुवाणी के आधार पर ही कायम है।

यदि भारतीय संस्कृति जीवित है और यह सनातन बनी हुई है, तो इसकी जीवंतता को बनाए रखने में इस देश के गुरुओं का सबसे बड़ा योगदान है। संस्कृत के संरक्षण और संवर्धन के लिए देश के गुरुकुल आगे आए। उन्होंने कहा कि ▶▶ शेष पेज 5 पर

10 हजार करोड़ रुपए शिक्षा पर खर्च करेंगेः रामदेव

कार्यक्रम में स्वामी रामदेव ने कहा कि हमने गुरुकुल से शिक्षा प्राप्त कर मानव सेवा के लिए विशाल अर्थ साम्राज्य स्थापित किया। अभी 500 करोड़ की लागत से पतंजलि गुरुकुलम तथा आचार्यकुलम तैयार करने की योजना है तथा साथ ही अगले 5 सालों में 5 से 10 हजार करोड़ रुपए शिक्षा के अनुष्ठान में खर्च करने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि जो देश से पाया, उसे इस देश को लौटाना है। पतंजलि योगपीठ के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि पूज्य स्वामी दर्शनानंद जी ने ▶▶ शेष पेज 5 पर

स्वामी रामदेव पुण्य धरोहर से शिक्षा से जोड़ रहे हैंः सीएम डॉ. यादव

इस मौके पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में क्रियान्वित हो रही नई शिक्षा नीति भी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और मानवीय मूल्यों की स्थापना पर केंद्रित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति गुरु और गुरुकुल दोनों की महिमा बताती है। त्रेता युग में भगवान श्रीराम और द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण ने गुरुकुल में अपनी प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त की। हमारा यह सौभाग्य है कि मप्र भगवान श्री कृष्ण की शिक्षा स्थली के रूप में भी जाना जाता है। उन्होंने कहा कि योगगुरु स्वामी रामदेव ने हरिद्वार में पतंजलि गुरुकुलम एवं आचार्यकुलम की स्थापना से इस पुण्य धरा को शिक्षा से जोड़ने का पुनीत कार्य किया है। उन्होंने स्वामी रामदेव को इस प्रकल्प के लिए बधाई और शुभकामनाएं देते हुए उज्जैन या प्रदेश के अन्य किसी उपयुक्त स्थल पर गुरुकुल व आश्रम स्थापित करने के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का मानना था कि 21वीं शताब्दी भारत के उत्कर्ष की शताब्दी होगी और उत्कर्ष के यह लक्षण दिखाई देने लगे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश का यश संपूर्ण विश्व में स्थापित हुआ है। स्वामी रामदेव ने भारतीय संस्कृति की महत्ता को विश्व में स्थापित करते हुए भारतीय दर्शन व चिंतन में विश्वास की पुनर्स्थापना की ▶▶ शेष पेज 5 पर

इसरो ने रचा 'इतिहास'... अब रहस्य नहीं रहेगा कोरोना लेयर और सूरज का तापमान

आदित्य-एल-1 का 'सूर्य नमस्कार'

1 आदित्य-एल1 को 2 सितंबर 2023 को सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित किया गया था

2 'एल1' प्वॉइंट के आसपास के क्षेत्र को 'हेलो प्वॉइंट' कहा जाता है

126 दिन की यात्रा

15 लाख किमी का सफर

05 साल करेगा अध्ययन

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने सूर्य का अध्ययन करने के लिए देश के पहले अंतरिक्ष आधारित मिशन 'आदित्य एल1' यान को शनिवार को पृथ्वी से लगभग 15 लाख किलोमीटर दूर इसकी अंतिम गंतव्य कक्षा में स्थापित कर दिया

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

आदित्य एल1 यान पृथ्वी से लगभग 15 लाख किलोमीटर दूर शनिवार को अपराह्न चार बजे सूर्य-पृथ्वी प्रणाली के 'लैग्रेंज प्वॉइंट 1टी (एल1) के आसपास एक प्रभामंडल कक्षा में पहुंचा। 'एल1 प्वॉइंट ए' पृथ्वी और सूर्य के बीच की कुल दूरी का लगभग एक प्रतिशत है। इसरो अधिकारियों ने कहा कि 'एल1 प्वाइंट ए' के चारों ओर प्रभामंडल कक्षा में उपग्रह से सूर्य को लगातार देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि इससे वास्तविक समय में सौर गतिविधियों और अंतरिक्ष मौसम पर इसके प्रभाव का अवलोकन करने में अधिक लाभ मिलेगा। ▶▶ शेष पेज 5 पर

पीएम मोदी ने दी बधाई

हम मानवता की भलाई के लिए विज्ञान की नई सीमाओं को पार करते रहेंगे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि भारत का पहला सौर अनुसंधान उपग्रह आदित्य-एल1 अपने गंतव्य तक पहुंच गया। यह सबसे जटिल और कठिन अंतरिक्ष मिशनों में से एक को साकार करने में हमारे वैज्ञानिकों के अथक समर्पण का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि मैं इस असाधारण उपलब्धि की सराहना करने में राष्ट्र के साथ हूं। हम मानवता की भलाई के लिए विज्ञान की नई सीमाओं को पार करते रहेंगे। केंद्रीय प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने भी इसरो की कामयाबी पर उसे बधाई दीछ। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा कि भारत के लिए यह साल शानदार रहा। पीएम मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, टीम इसरो द्वारा लिखी गई एक और सफल कहानी।

ऐलोपैथी की सिंथेटिक केमिकल बेस्ड दवाओं के साथ पतंजलि ने तुलनात्मक साइंटिफिक रिसर्च कर के ये प्रूव किया है कि पतंजलि की दिव्य आयुर्वेदिक औषधियां अधिक प्रभावशाली हैं।

सबसे महत्वपूर्ण बात है कि पतंजलि की औषधियां, बी. पी., शुगर, थायरॉइड, अस्थमा, आर्थराइटिस, कोलेस्ट्रॉल व फीवर आदि डिजीज को कन्ट्रोल करने के साथ–साथ इन सभी रोगों के कारणों का निवारण भी करती हैं। रोग को ट्रीट करने के साथ पतंजलि की प्रत्येक दिव्य आयुर्वेदिक औषधि इम्यूनिटी बूस्टर, एंटी इंफ्लेमेटरी व एंटी एजिंग भी होती हैं। लीवर व किडनी फंक्शन तथा पाचन को ठीक करने के साथ–साथ बैक्टिरिया, वायरस व फंगस के खिलाफ लड़ने के लिए शरीर को ऊर्जा प्रदान करती हैं। अतः पतंजलि आयुर्वेद की रिसर्च एवं एविडेंस बेस्ड औषधियां अपनाइए रोगों को जड़ से मिटाकर इंटीग्रेटेड हेल्थ पाइए। हेल्थ के बारे में यह सच सभी देशवासियों को पहुंचाकर उपचार के नाम पर हो रहे अत्याचार से देश को बचाकर पुण्य के भागी बनिए। पतंजलि के रिसर्च पेपर सर्च करने के लिए वेबसाइट विज़िट करें https://patanjali.res.in/research-paper.php

हाई बी. पी. को प्राकृतिक रूप से निर्मूल करने के लिए। स्ट्रेस, तनाव, रक्त संचरण एवं पित्त के लिए अचूक औषधि
मुक्ता वटी व बीपीग्रिट

पेनक्रियाज के सेल्स को रीजुविनेट कर के डायबिटीज के पेशेन्ट्स को नॉन–डायबेटिक बनाने के लिए
मधुनाशिनी वटी व मधुग्रिट

श्वसन तन्त्र को मज़बूत बनाकर रेस्पिरेटरी सिस्टम के समस्त रोगों की निवृत्ति व कफ़, कोल्ड, अस्थमा के लिए
श्वासारि गोल्ड, श्वासारि वटी, श्वासारि अवलेह, श्वासारि प्रवाही एवं ब्रोंकोम

डैमेज़्ड कार्टिलेज को रिपेयर व सभी पेन मार्कर्स को रेगुलेट कर के आर्थराइटिस और समस्त वात रोगों से मुक्ति दिलाने के लिए
ऑर्थोग्रिट एवं पीड़ानिल

रीनल डिसऑर्डर, क्रॉनिक किड्नी डिज़िज़ को रिवर्स कर के किड्नी को पूर्णतः स्वस्थ बनाने के लिए
रीनोग्रिट व ट्रायघन वटी

अनिद्रा, तनाव, डिप्रेशन, माइग्रेन से मुक्ति और स्मरण शक्ति में वृद्धि के लिए
मेमोरीग्रिट, मेधावटी व न्यूरोग्रिट गोल्ड

ज्वर व इम्यूनिटी के लिए अत्यन्त प्रभावशाली है
गिलोय घनवटी व फीवोग्रिट

फैटी लिवर, लिवर सिरोसिस, हेपेटाइटिस व पाचन तन्त्र के समस्त रोगों के लिए सर्वश्रेष्ठ
लिवोग्रिट व लिवामृत

एलोपैथी दवाई के सेवन से ब्लड प्रोफाइल अनियंत्रित हो जाती है। प्राकृतिक रूप से कोलेस्ट्रॉल घटाये लिपिडोम

थायरॉइड के लिए
थायरोग्रिट

एक महीने में 10–15 किलो तक वेट कम करने के लिए गोधन अर्क के साथ मेदोहर वटी तथा लौकी के जूस के साथ वेटगो लें व योग और इंटरमिटेंट फ़ास्टिंग करें।

विश्व का श्रेष्ठतम् व शुद्धतम् पतंजलि हनी व च्यवनप्राश। सर्दियों का यह सुपरफूड खायें, इम्यूनिटी बढ़ायें, रोगों से स्वयं को बचायें।

PATANJALI wellness — Yoga, Ayurveda & Naturopathy

समस्त असाध्य रोगों से स्थायी मुक्ति पाने के लिए एक बार 7 दिन पतंजलि वेलनेस में रेजिडेंशियल योग, आयुर्वेद एवं पंचकर्म आदि की चिकित्सा के लिए अवश्य आयें।

रजिस्ट्रेशन के लिए सम्पर्क करें : 8954666111, 8954666222, 8954666333

पतंजलि गुरूकुलम् में एडमिशन हेतु सम्पर्क करें: 8954555999

हमारी सभी औषधियाँ पतंजलि स्टोर्स, प्रमुख मेडिकल, आयुर्वेदिक और बड़े स्टोर्स पर उपलब्ध हैं। यदि किसी स्टोर पर उपलब्ध न हो, तो दुकानदार से इसकी डिमाण्ड कीजिए। वो हमारे डिस्ट्रीब्यूटर से लेकर आपको अवश्य उपलब्ध कराएंगे।

ऊपर वर्णित दवा का उपयोग मात्र सुझाव है। उपर्युक्त रोगों के प्रबंधन हेतु उपचार में इनका मुख्यतः प्रयोग किया जाता है। स्वविवेक से दवाएं न लें। दवाओं का प्रयोग हमेशा चिकित्सकीय निरीक्षण में करें।

खबर संक्षेप

जनता के कामों को दें प्राथमिकता : आनंद

नई दिल्ली। वो परेशान करते रहे, हम काम करते रहे। यह शब्द दिल्ली के समाज कल्याण मंत्री आनंद ने अपने विधानसभा क्षेत्र पटेल नगर के निवासियों को दो नई आरएमसी सड़कों का समर्पित करते हुए कहे। आनंद ने कहा कि पिछले कई दिनों से पटेल नगर में जनता के कामों को प्राथमिकता देते हुए, उन्हें पूरा करने की दिशा में पहल जारी है। दिल्ली सरकार दिल्ली को देश का न. एक राज्य बनाने के लिए सभी विधानसभा क्षेत्रों और वार्डों में वर्षों से रुके हुए कामों को प्रतिबद्धता के साथ पूरा कर रही है। उन्होंने शनिवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर सड़क उद्घाटन की कुछ तस्वीरे शेयर की। उन्होंने कहा कि पटेल नगर विधानसभा की जनता से किए वादों को पूरा करने की दिशा में एक और काम को अंजाम देते हुए पटेल नगर विधानसभा के थान सिंह नगर गली नंबर दो आरएमसी सड़क का उद्घाटन कर, जनता को समर्पित किया। इससे एक दिन पहले मंत्री आनंद ने अपने विधानसभा क्षेत्र पटेल नगर में पानी व सीवर लाइन की समस्याओं को लेकर दिल्ली जल बोर्ड के सीनियर अधिकारियों के साथ बैठक की। और सीवर सफाई की समस्याओं से निपटने के लिए जरूरी मशीन हायर करने के निर्देश दिए थे।

विशेष लोक अभियोजक ने इस्तीफा वापस लिया

नई दिल्ली। उत्तर पूर्व दिल्ली में 2020 में हुए दंगों के सिलसिले में दिल्ली पुलिस का प्रतिनिधित्व कर रहे विशेष लोक अभियोजक अमित प्रसाद ने अपना इस्तीफा वापस ले लिया है। प्रसाद शनिवार को इस सांप्रदायिक दंगे के पीछे की कथित बड़ी साजिश से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश समीर बाजपेयी की अदालत में पेश हुए। इस दंगे में 53 लोगों की जान चली गयी थी और 700 से अधिक लोग घायल हुए थे। प्रसाद पिछले साढ़े तीन सालों में इस दंगे से संबंधित मामलों में अभियोजन पक्ष का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। उन्होंने 15 दिसंबर, 2023 को दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना को अपना त्यागपत्र भेजा था। हालांकि उन्होंने श्रद्धा वालकर हत्याकांड में विशेष लोक अभियोजक बने रहने का फैसला किया था। प्रसाद ने कहा कि संबंधित अधिकारियों द्वारा बार-बार अनुरोध किये जाने के कारण मैंने अपने निर्णय पर पुनर्विचार किया। मैंने अपना इस्तीफा वापस लेने का फैसला किया है और मैं (दंगों से संबंधित) मामलों में पेश होता रहूंगा।

इंस्टाग्राम पर गैंगस्टर के संपर्क में आया था

काला राणा गैंग का शूटर चढ़ा स्पेशल सेल के हत्थे

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

स्पेशल सेल ने काला राणा लॉरेंस बिश्नोई सिंडिकेट से जुड़े शूटर प्रदीप सिंह (18) को गिरफ्तार किया है। इंस्टाग्राम के माध्यम से यह बड़े बदमाशों के संपर्क में आया और गिरोह में शामिल हुआ था। इसे दिल्ली में आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देने का काम सौंपा गया था। इसके लिये इसे दो पिस्टल और कारतूस मुहैया करवाये गये थे।

स्पेशल सीपी हरगोविंद सिंह धालीवाल के अनुसार शूटर मूलरुप से पौढी गढ़वाल, उत्तराखंड का रहने वाला है। इसे गैंगस्टर वीरेंद्र प्रताप उर्फ काला राणा ने इंस्टाग्राम के माध्यम से भर्ती किया था। फिर सिग्नल एप पर भानु राणा के माध्यम से बिश्नोई से जुड़ा। इस बदमाश के रोहिणी सेक्टर 23 एरिया में आने का इनपूट सेल को मिला था। इसके बाद ट्रेप लगाकर इसे दबोच लिया गया। प्रदीप 2022 में पढ़ाई छोड़कर गुडगांव आया था।

यहां दोस्त के साथ रहने लगा। वह इंस्टाग्राम पर गैंगस्टर वीरेंद्र प्रताप उर्फ काला राणा की रील देखता था और उसकी आपराधिक गतिविधियों से प्रेरित था। अगस्त 2023 में उसने इंस्टाग्राम पर काला राणा को फॉलो करना शुरू किया और उसे संदेश भेजकर कहा कि वह उसके गिरोह में शामिल होना चाहता है। सितंबर 2023 में उसने काला राणा के निर्देश पर सिग्नल ऐप के जरिए भानु राणा से बात की। 30 दिसंबर को भानु ने उसे अगले 7-8 दिनों में अन्य सहयोगियों के साथ दिल्ली में एक अपराध को अंजाम देने का टास्क सौंपा। उसे बकायदा हथियार भी मुहैया करवा दिए गये थे।

हत्या केस में शामिल रहा बदमाश विदेशी हथियार के साथ दबोचा

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

द्वारका जिले की एएटीएस टीम ने बाबा हरिदास नगर थाने के हत्या केस में वांटेड बदमाश को गिरफ्तार किया है। इसके पास से यूएसए निर्मित पिस्टल और कारतूस भी बरामद हुये हैं। पंकज उर्फ शेंटी झड़ौदा गांव रहने वाला है। पुलिस पूछताछ में बदमाश ने बताया कि वह अपने क्षेत्र के कई बदमाशों से प्रेरित था। वह आगे चलकर एक बड़ा गैंगस्टर बनना चाहता था।

डीसीपी एम हर्षवर्धन के अनुसार लगभग चार साल पहले इसने झड़ौदा गांव में एक शख्स की हत्या की थी। उस मामले में यह गिरफ्तार भी हुआ था। लेकिन कानूनी दांवपेंच की वजह से जेल से बाहर आ गया था। इस बदमाश के बारे में इंस्पेक्टर कमलेश कुमार की टीम को सूचना मिली थी। सूचना पर सब इंस्पेक्टर दिनेश, एएसआई जितेंद्र, हेड कांस्टेबल सोनू, मनोज, इंद्र और मनीष की टीम ने बाबा हरिदास सर्विस स्टेशन के पास से इसे सरेंडर करने को कहा। बदमाश पुलिस को देखकर बहादुरगढ़-नजफगढ़ रोड की तरफ भाग निकला। लेकिन अलर्ट पुलिस टीम ने कुछ दूर पीछा कर इसे भागने का मौका नहीं दिया।

हत्या का प्रयास, लूट और आर्म्स एक्ट में वांछित हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

अपराध शाखा ने एक कुख्यात बदमाश को गिरफ्तार किया है। संजय (30) नामक यह बदमाश संगम विहार इलाके का हिस्ट्रीशीटर है। छह मामलों में इसे वांछित बताया जाता है। इसके अलावा विभिन्न थानों के दो मामलों में यह पीओ घोषित किया जा चुका था। इसके खिलाफ चार अन्य मामलों में पीओ घोषित करने की कार्यवाही शुरू की जा चुकी थी। आरोपी कुल 12 मामलों में संलिप्त पाया गया है। इसके खिलाफ हत्या के प्रयास, लूट और आर्म्स एक्ट आदि केस दर्ज थे। स्पेशल सीपी रविंद्र यादव के अनुसार 11 अप्रैल 2017 को देवली, नेबसराय निवासी शख्स ने आरोप लगाया था कि वह संगम विहार आ रहा था। जब वह बीएसएफ केंद्र के पास पहुंचा तो आरोपी संजय ने अपने साथियों के साथ मिलकर उस पर चाकू से हमला कर मोबाइल छीन लिया था। इसके बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए थे। इसके अलावा 29 जून 2022 को एक अन्य शख्स अपने साथी के साथ संगम विहार जा रहा था। संजय ने इलाके में

अपना दबदबा बनाए रखने के लिए साथियों के साथ मिलकर उस पर चाकू से हमला कर दिया था। पीड़ित को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती करवाना पड़ा था। हत्या के प्रयास का यह केस भी संगम विहार थाने में दर्ज किया गया था। हाल ही में अपराध शाखा की टीम को सूचना मिली कि संगम विहार के कई मामलों में वांछित कुख्यात अपराधी संजय, संगम विहार इलाके में छिपा हुआ है। अगर समय पर कार्यवाही की जाए तो उसे गिरफ्तार किया जा सकता है। इसके तुरंत बाद बदमाश को पकड़ने के लिए अतिरिक्त आयुक्त संजय भाटिया के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। जाल बिछाकर आरोपी संजय को सफलतापूर्वक पकड़ लिया गया। पूछताछ के दौरान, आरोपी संजय ने खुलासा किया कि वह ड्रग्स का आदि है और नशे की जरूरतों को पूरा करने के लिए अपराध की दुनिया में शामिल हुआ था। कई जघन्य अपराधों को अंजाम देने के बाद वह जेल में भी बंद रहा, लेकिन जमानत मिलने के बाद वह अदालत में पेश नहीं हुआ और गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अपने ठिकाने बदलता रहा।

सिरफिरे आशिक को युवती ने घर बुलाकर जलाया

वजीराबाद इलाके का मामला: युवक की इलाज के दौरान मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

उत्तरी जिले के वजीराबाद थानाक्षेत्र में एक सिरफिरे आशिक को युवती ने घर बुलाकर जला दिया। इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई। मृतक का नाम नुमान बताया गया है।

शव को पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों के हवाले कर दिया गया है। मामला तीन जनवरी को सामने आया था। दो दिन बाद युवक की मौत हुई। मौत से पहले पुलिस को दिए बयान में युवक ने कॉलोनी की एक युवती पर जिंदा जलाने का आरोप लगाया था। बताया जा रहा है कि वह युवती से एकतरफा प्यार करता था। पूरे मामले में फॉरेंसिक जांच की गई है। पुलिस मामले में सभी पहलूओं को ध्यान रखते हुये जांच कर रही है। उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त मनोज मीणा के

अनुसार तीन जनवरी की शाम 3:55 बजे वजीराबाद में एक युवक की आग से जलने की पीसीआर कॉल मिली थी। सूचना पर पहुंची पुलिस को पता चला कि आग से झुलसे युवक को पहले ही अस्पताल ले जाया जा चुका है। पुलिस अस्पताल पहुंची तो पता चला कि युवक 75 फीसदी तक झुलस चुका है। युवक का नाम वजीराबाद निवासी 23 वर्षीय नुमान पता चला। वह एक ई-कामर्स कंपनी में डिलीवरी ब्वॉय के रूप में कार्यरत था। नुमान का बयान बाकायदा वीडियोग्राफी के जरिये दर्ज किया गया। उसने 22 वर्षीय युवती पर आरोप लगाया कि अपने घर बुलाकर उसके ऊपर कुछ ज्वलनशील पदार्थ डाला, जिसके बाद आग लगा दी। पुलिस ने युवक के बयान के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। इलाज के दौरान शुक्रवार को घायल ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव स्वजन को सौंप दिया। उधर सूत्रों का कहना है कि युवक रिश्ते में लड़की का ममेरा भाई था। युवती के रिश्ते की बात फाइनल हो गई थी, जिससे युवक परेशान चल रहा था। वह युवती से एकतरफा प्यार करता था। इससे पहले भी उसने अपने हाथ की नस काट ली थी। हालांकि पुलिस इस संदर्भ में भी जांच कर रही है कि मृतक युवक ने युवती को फंसाने के लिए झूठा बयान तो नहीं दिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि तीन जनवरी की शाम किसी के चिल्लाने की आवाज आई। बाहर निकलकर देखा तो एक युवक आग से लिपटा चिल्ला रहा था। आसपास के लोगों ने तुरंत युवक के ऊपर कपड़े डालकर आग को बुझाया।

यौन उत्पीड़न का मामला : पूर्व डब्ल्यूएफआई प्रमुख के खिलाफ आरोप तय करने का आग्रह

एजेंसी ⏭नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने शनिवार को यहां की एक अदालत से महिला पहलवानों के कथित यौन उत्पीड़न के मामले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद और भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ आरोप तय करने का आग्रह किया।

पुलिस ने आरोपी की इस दलील का विरोध किया कि चूंकि कुछ कथित घटनाएं विदेशों में हुईं, इसलिए वे दिल्ली की अदालतों के अधिकार क्षेत्र में नहीं आतीं। पुलिस ने इसी के साथ सिंह के खिलाफ आरोप तय करने पर बहस पूरी कर ली। पुलिस ने अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट प्रियंका राजपूत के समक्ष तर्क दिया कि सिंह द्वारा कथित तौर पर विदेशों और दिल्ली सहित भारत के अंदर की गई

■ पुलिस ने आरोपी की इस दलील का विरोध किया कि चूंकि कुछ कथित घटनाएं विदेशों में हुईं, इसलिए वे दिल्ली की अदालतों के अधिकार क्षेत्र में नहीं आतीं

यौन उत्पीड़न की घटनाएं उसी अपराध का हिस्सा हैं। पुलिस ने न्यायाधीश से कहा कि इस मामले की सुनवाई का क्षेत्राधिकार दिल्ली की अदालत को है। अदालत अब इस मामले की अगली सुनवाई 20 जनवरी को करेगी। दिल्ली पुलिस ने छह बार के सांसद सिंह के खिलाफ मामले में 15 जून, 2023 को भारतीय दंड संहिता की धारा 354 (महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से उस पर हमला या आपराधिक बल प्रयोग), 354-ए (यौन उत्पीड़न), धारा 354-डी (पीछा करना) और धारा 506 (आपराधिक धमकी)के तहत आरोप पत्र दायर किया था।

फरवरी में आएगा बजट, सीएम केजरीवाल ने मंत्रियों के साथ की बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

इस बार दिल्ली का बजट फरवरी माह के मध्य या अंत तक आ जाएगा। दिल्ली सरकार ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए बजट की तैयारियां शुरू कर दी है। बजट की तैयारियों को लेकर शनिवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंत्रियों के साथ पहली बैठक की। इस बैठक में दिल्ली की राजस्व मंत्री आतिशी, शहरी विकास मंत्री सौरभ भारद्वाज समेत अन्य मंत्री मौजूद रहे। बैठक में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली की जनता की प्राथमिकताओं को लेकर मंत्रियों से विचार-विमर्श किया।

आगामी बजट में शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी, सड़क और इंफ्रास्ट्रक्चर समेत अन्य प्रमुख मुद्दों पर विशेष फोकस किए जाने की उम्मीद है। वहीं सीएम अरविंद केजरीवाल ने सभी मंत्रियों को बजट की तैयारियां तेज करते हुए अपनी प्राथमिकताएं तय करने का निर्देश दिया है। अगले सप्ताह मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में सभी मंत्रियों और अफसरों की बैठक होगी, जिसमें प्राथमिकताओं को अंतिम रूप दिया जाएगा। इसके बाद बजट पर दिल्ली के सभी हितधारकों से भी सुझाव लिए जाएंगे और उनके सुझावों को शामिल भी किया जाएगा। यह बजट दिल्ली की जनता को कई बड़ी सौगात भी देने वाला होगा। जिससे दिल्लीवालों के जीवन में और खुशहाली आएगी इस दौरान सीएम ने हर बार की तरह दिल्ली में रह रहे सभी तबके के लोगों का ध्यान रखते हुए आगामी वित्तीय वर्ष में शिक्षा-स्वास्थ्य पर विशेष फोकस करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

पहली बार बजट पेश करेंगी आतिशी

आगामी वित्तीय वर्ष का बजट वित्त मंत्री आतिशी पेश करेंगी। केजरीवाल सरकार का यह 10वां बजट होगा। इससे पहले 2023-24 का बजट 'साफ-सुंदर और आधुनिक' दिल्ली थीम पर आधारित था। जिसे तत्कालीन वित्त मंत्री कैलाश गहलोत ने पेश किया था। 2023-24 का बजट 78,800 करोड़ रुपए का था। जबकि 2015 में दिल्ली का बजट महज 30,940 करोड़ रुपए का ही था। यह बजट दिल्ली में रहने वाले हर तबके को ध्यान में रख कर बनाया गया था।

आबकारी नीति : अदालत दी ने शराब कारोबारी समीर को अंतरिम जमानत

एजेंसी ⏭नई दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने आबकारी नीति में कथित अनियमितताओं से संबंधित धनशोधन मामले में शराब कारोबारी समीर महेंद्रू को दो सप्ताह की अंतरिम जमानत दे दी है।

विशेष न्यायाधीश एम. के. नागपाल ने शराब वितरक 'इंडोस्पिरिट' के प्रबंध निदेशक महेंद्रू को उस अर्जी पर राहत दी, जिसमें उन्होंने अपनी पत्नी के स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों के कारण जमानत दिये जाने का अनुरोध किया था। न्यायाधीश ने कहा कि मामले में पहले दी गई अंतरिम जमानत के दौरान, आरोपी ने मामले में किसी भी गवाह को प्रभावित करने या सबूतों के साथ छेड़छाड़ करने की कोशिश नहीं की। न्यायाधीश ने पांच जनवरी को पारित एक आदेश में कहा कि उनके देश से बाहर जाने का कोई खतरा नहीं है और रिकॉर्ड पर ऐसा कुछ भी नहीं है जिससे यह पता चले कि उन्होंने कभी किसी गवाह को प्रभावित करने या इस मामले के किसी भी सबूत के साथ छेड़छाड़ करने या उसे नष्ट करने की कोशिश की थी।

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

ई–खुली निविदा सूचना

मंडल अभियंता सम्पदा उत्तर रेलवे नई दिल्ली द्वारा निम्न कार्यों के लिए खुली निविदा दिनांक 30.01.2024 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। जो उसी दिन तत्काल खोली जाएगी।

क्रम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	धरोहर राशि	समापन अवधि
ए	सहायक मंडल अभियंता/सम्पदा–II के अंतर्गत वरिष्ठ खंड अभियंता/पंजाबी बाग के कार्य क्षेत्र मे 6 बीएन आरपीएसएफ दयाबस्ती में आरपीएफ/आरपीएसएफ कार्यालयों और पोस्ट/थानों के मौजूदा जर्जर बैरक का प्रतिस्थापन और कार्यालय भवनों, आरपीएफ लाइनों आदि के कमरों में सुधार हेतु।	रुपये 23455397.72	रुपये 267300.00	08 महीने
बी	सहायक मंडल अभियंता/सम्पदा–I के अंतर्गत वरिष्ठ खंड अभियंता/पहाड़गंज के कार्य क्षेत्र में रेलवे कॉलोनी पीके रोड, बसंत लेन और नर्सेज हॉस्टल आदि में जर्जर जल आपूर्ति पाइप लाइनों के बदले नई पाइप लाइनों और सर्विस टैंक का प्रावधान, पीवीसी सर्विस टैंक, ओवरहेड टैंक में सुधार, अंडर ग्राउंड टैंक और फिल्ट्रेशन प्लांट, क्लोरीनेशन प्लांट आदि कार्य हेतु।	रुपये 23481938.78	रुपये 267400.00	08 महीने
सी	सहायक मंडल अभियंता/सम्पदा–I के अंतर्गत वरिष्ठ खंड अभियंता/पहाड़गंज के कार्य क्षेत्र में बंसत लेन रेलवे कॉलोनी में स्टाफ क्वार्टर और सर्विस बिल्डिंग में बाहरी सतह की मरम्मत, बाहरी पेंट, रसोसेम और अन्य विविध मरम्मत कार्य हेतु।	रुपये 14953958.75	रुपये 224800.00	08 महीने
डी	सहायक मंडल अभियंता/सम्पदा–I के अंतर्गत वरिष्ठ खंड अभियंता/तीस हजारी के कार्य क्षेत्र मे नई पाइप लाइनों का प्रावधान और जल आपूर्ति सीवरेज प्रणाली, शौचालय, रसोई और क्षतिग्रस्त जल आपूर्ति व्यवस्था के बदले में एसएमपी पैनल पानी की टंकी, पीवीसी भंडारण पानी की टंकी का प्रावधान और मोतिया बाग, सदर बाजार, मोर सराय और श्रीराम रोड रेलवे कॉलोनी में पुरानी पाइप लाइनें कार्य हेतु।	रुपये 23486391.87	रुपये 267400.00	08 महीने
इ	सहायक मंडल अभियंता/सम्पदा–I के अंतर्गत वरिष्ठ खंड अभियंता/ट्रांजिट कैंप ट्रांजिट कैंप के कार्य क्षेत्र मे अग्निशमन प्रणाली में सुधार, पता योग्य अलार्म प्रणाली, पीए सिस्टम, रिकार्ड रूम एवं डीएओ भवन में अग्निशमन प्रणाली का प्रावधान, डीएफएस से एनओसी प्राप्त करने के लिए दिल्ली अग्निशमन सेवा के निर्देशानुसार, डीएओ भवन और रेल निवास मे दो साल के लिए अग्निशमन प्रणाली का वार्षिक रखरखाव अनुबंध कार्य हेतु।	रुपये 15999957.90	रुपये 230000	02 वर्ष

1. निविदा दिनांक 30.01.2024 को 15:00 बजे तक जमा की जा सकती है एवं तत्काल खोली जाएगी।

पत्र संख्या:– 128–डब्लयू/269/निविदा सूचना/23–24/डब्लयू–ई/टेंडर नं 42–(ए,बी,सी,डी,इ) दिनांक : 05.01.2024 60/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

साइबर टीम की कार्रवाई: छह मोबाइल, दो लैपटॉप और एक हार्ड डिस्क बरामद

सस्ता टूर एंड ट्रैवल पैकेज देने की आड़ में चूना लगाने वाले तीन धरे

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

उत्तर पश्चिम जिले की साइबर टीम ने सस्ता टूर एंड ट्रैवल पैकेज देने का लालच देकर ठगी करने वाले गैंग के तीन सदस्यों के पकड़ा है। इनमें दो युवतियां भी शामिल है।

पुलिस ने इन्हें खोड़ा कॉलोनी, गाजियाबाद से पकड़ा। पकड़े गये अभियुक्तों के नाम धीरज सिंह निवासी मयूर विहार, फेस-3, पूजा निवासी गीतांजलि विहार, खोड़ा कॉलोनी और निशा निवासी घरोली डेयरी कॉलोनी, मयूर विहार,

फेज-3 बताये गये हैं। इनके पास से छह मोबाइल फोन, दो लैपटॉप और एक हार्ड डिस्क बरामद हुई है। पुलिस के अनुसार पूजा नामक महिला ने शिकायत में आरोप लगाया था कि उन्हें अंडमान और निकोबार द्वीप टूर पैकेज के संबंध में एक फोन आया था। उन्हें सबसे अच्छा टूर पैकेज सस्ते दामों पर देने का वादा किया गया। शिकायतकर्ता ने टूर पैकेज के लिए 68,500 रुपये कथित व्यक्ति के खाते में ट्रांसफर कर दिये। उन्हें फर्जी बुकिंग पुष्टिकरण ईमेल और होटलों के चालान भेजे गये। कुछ समय बाद कथित व्यक्ति ने उनका फोन रिसीव करना बंद कर दिया और नंबर ब्लॉक कर दिया। इस संबंध में 9 दिसंबर 2023 को आईपीसी की धारा 420/34 के तहत पुलिस स्टेशन साइबर, उत्तर-पश्चिम में मामला दर्ज किया गया। जांच के दौरान तकनीकी निगरानी के आधार पर जांच की गई। संदिग्ध धीरज सिंह को खोड़ा कॉलोनी, गाजियाबाद यूपी में पकड़ा गया। पूछताछ के दौरान, उसने कबूल किया कि वह अपने सहयोगियों के साथ ऑनलाइन सबसे सस्ते टूर पैकेज की तलाश करने वाले लोगों को धोखा देता था। इसने इंद्रा विहार, गाजियाबाद में अपना ऑफिस खोला था। वहां पर दो महिला टेली-कॉलर्स की मदद से वह सस्ती दरों पर टूर एंड ट्रैवल पैकेज के लिए लोगों को फोन करता था। वह हेलो ट्रैवल पोर्टल से लोगों का डेटा हासिल करता था। इसकी निशानदेही पर पूजा और निशा को भी पकड़ लिया गया। अन्य मामलों में भी इनकी संभावित संलिप्तता का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

नई दिल्ली। आगामी गणतंत्र दिवस परेड के लिए रिहर्सल के दौरान सशस्त्र सीमा बल की महिला जवान।

दिल्ली में कड़ाके की सर्दी

कोहरे की वजह से सड़क से लेकर हवाई मार्ग हुआ बाधित

हरिभूमि न्यूज. नई दिल्ली

दिल्ली में कड़ाके की सर्दी से राहत मिलती नजर नहीं आ रही है। हालांकि कई दिनो बाद दिल्ली में सूरज निकला, बावजूद इसके मौसम विभाग ने शनिवार को भी कोल्ड डे घोषित किया है। दूसरी तरफ घने कोहरे की वजह से सड़क से लेकर रेल व हवाई मार्ग बाधित हो रहा है। कोहरे के कारण कई ट्रेन व दो दर्जन से अधिक फ्लाइट्स बाधित हुई, जबकि सड़कों पर वाहनों को रेंगना पड़ा। प्रादेशिक मौसम विभाग केंद्र दिल्ली (आईएमडी) के अनुसार शनिवार को अधिकतम तापमान 15.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो इस मौसम के सामान्य तापमान से 4 डिग्री कम है। जबकि न्यूनतम तापमान 8.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, यह सामान्य से दो डिग्री अधिक रहा। लेकिन लोगों को कड़ाके की सर्दी से राहत नहीं मिली। जानकारी अनुसार दिल्ली में करीब 30 फ्लाइट्स भी देरी से रवाना हुई, जबकि 14 ट्रेनों के आवागमन भी देरी दर्ज की गई। वहीं सड़कों पर वाहनों की गति मंद रही। पालम में सबसे ज्यादा कम दृश्यता देखी गई, यहां सुबह साढ़े पांच बजे दृश्यता 1000 मीटर थी। वहीं सफदरजंग में सुबह आठ बजे दृश्यता का स्तर 500 मीटर रहा। दूसरी तरफ अब भी दिल्ली की हवा में सुधार नहीं हुआ है। शनिवार को राजधानी की हवा की गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में दर्ज की गई। पर्यावरण विभाग के अनुसार आनंद विहार में पीएम 2.5 का स्तर बहुत खराब श्रेणी 346 रहा। वहीं पीएम 10 का स्तर भी खराब श्रेणी में रहा।

नई दिल्ली। गाजीपुर फूल बाजार में ग्राहक के इंतजार में विक्रेता। फोटो : एजेंसी

खबर संक्षेप

निगम ने सभी 12 जोन में मनाया सहभागिता दिवस

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम ने सहभागिता योजना के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए शनिवार को सभी 12 जोन में सहभागिता दिवस मनाया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य आरडब्ल्यूए व ग्रुप हाउसिंग सोसाइटियों को सहभागिता योजना में पंजीकृत करने के लिए प्रोत्साहित करना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। इस जागरूकता आयोजन में आरडब्ल्यूए के 450 प्रतिनिधियों को सहभागिता मित्र और 35 को सहभागिता राजदूत के रूप में नामित किया गया। विभिन्न स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में क्षेत्रीय पार्षद, क्षेत्रीय अधिकारी और 600 आरडब्ल्यूए, जीएचएस के लगभग 3000 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। निगम के संपत्ति कर विभाग द्वारा जनवरी 2024 महीने को सहभागिता माह के रूप में भी मनाया जा रहा है। कार्यक्रमों के दौरान यह भी बताया गया कि योजना के तहत प्रोत्साहन, एकमुश्त समय पर भुगतान पर मिलने वाली 10 प्रतिशत छूट के अतिरिक्त होगी। योजना के तहत, संबंधित कॉलोनी के ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी (जीएचएस) और रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) की सिफारिशों पर एमसीडी द्वारा विकास कार्यों के माध्यम से 10 प्रतिशत प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी।

लवली ने भसीन को किया भागीदारी सेल का चेयरमैन नियुक्त

नई दिल्ली। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली ने अशोक भसीन को भागीदारी सेल का चेयरमैन नियुक्त किया। इस बारे में लवली ने बताया कि भागीदारी सेल, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) के साथ समन्वय स्थापित करके लोगों की समस्याओं का निपटारा करके दिल्ली वालों के लिए काम करेगी। भसीन को भागीदारी सेल की जिम्मेदारी दी गई है, उन्हें इस दिशा में कार्य करने का बहुत बढ़िया अनुभव है। उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस की दिल्ली में सरकार थी तब भागीदारी सेल का गठन इसी मकसद को पूरा करने के लिए किया गया था कि रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के साथ मिलकर लोगों की जरूरतों और समस्याओं का हल निकाला जाए। लेकिन आज जब कांग्रेस सत्ता में नही है हम दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के स्तर पर भागीदारी सेल का गठन करके लोगों की समस्याओं को चिन्हित करके उनका निपटारा करने का प्रयास करेंगे।

सार्वजनिक सेवाओं के क्षेत्र में नए आयाम किए स्थापित : आतिशी

दिल्ली में प्रति व्यक्ति की आय 14 प्रतिशत बढ़कर 4.44 लाख रुपये हुई : दिल्ली सरकार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने शनिवार को कहा कि दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय चालू वित्त वर्ष में लगभग 14 प्रतिशत बढ़कर 4 लाख 44 हजार 768 रुपए रुपये प्रति वर्ष हो गई है जो राष्ट्रीय औसत से 158 प्रतिशत अधिक है। केजरीवाल सरकार ने सांख्यिकी हैंडबुक-2023 जारी करते हुए यह जानकारी दी। गौरतलब है कि वर्ष 2022-23 में प्रति व्यक्ति आय 3 लाख 89 हजार 529 रुपए थी। जो चालू वर्ष में बढ़कर 4 लाख 44 हजार 768 रुपए हो गई है। अर्थात प्रति व्यक्ति की आय में 55 हजार 239 रुपए का इजाफा हुआ है। दिल्ली की योजना विभाग की मंत्री आतिशी ने पुस्तिका के विमोचन पर कहा कि वर्ष 2023 में हमारे सामने तमाम बाधाएं आई लेकिन उसके बावजूद एक चीज जो कायम रही वो थी दिल्ली के लोगों के हित में, दिल्ली की तरक्की की दिशा में काम करने की केजरीवाल सरकार प्रतिबद्धता। इसी का परिणाम है कि हमने सार्वजनिक सेवाओं के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित किए।

रोज 41 लाख से अधिक यात्रियों ने बसों में किया सफर

केजरीवाल सरकार ने दिल्ली में सार्वजनिक परिवहन सेवाओं को भी शानदार बनाने की दिशा में काम किया। इसका परिणाम रहा कि वर्ष 2023 में प्रतिदिन 41 लाख से अधिक यात्रियों ने डीटीसी और डीआईएमटीएस की बसों में सफ़र किया। आज दिल्ली की सड़कों पर 7200 से अधिक डीटीसी और डीआईएमटीएस बसें चल रही है जो पूरी तरह सीएनजी या इलेक्ट्रिक है। दिल्ली देश की ईवी क्रांति का नेतृत्व भी कर रही है। साल 2023 में दिल्ली में इलेक्ट्रिक बसों का बेड़ा बढ़कर 1300 हो गया है जो देश के किसी भी अन्य राज्य से अधिक है।

जल बोर्ड में इस साल एक लाख नए उपभोक्ता बढ़े

स्टैटिस्टिकल हैंडबुक-2023 में बताया गया कि दिल्ली में इस साल दिल्ली जल बोर्ड से पानी के लिए लेने वाले कनेक्शनों की संख्या में भी इजाफा हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार पानी के क्षेत्र में भी इस साल 1 लाख से अधिक नए उपभोक्ता बढ़े हैं।

3.41 करोड़ बिजली बिल जीरो आए

स्टैटिस्टिकल हैंडबुक-2023 में बताया गया कि सालभर के पूरे बिलिंग साइकल में 3.41 करोड़ बिजली बिल जीरो आए है। जबकि दिल्ली में बिजली के क्षेत्र में लगातार मांग बढ़ी है। साल 2023 में बिजली उपभोक्ताओं की संख्या लगभग 2.8 लाख बढ़ी है। साल 2023 में कुल उपभोक्ताओं की संख्या 65.72 लाख से बढ़कर 68.51 लाख हुई है। बावजूद इसके केजरीवाल सरकार ने बिजली की निर्बाध आपूर्ति करते हुए बढ़ी मांग को पूरा करने का काम किया है। साल 2023 में दिल्ली में बिजली की खपत 859 मिलियन यूनिट(85.9 करोड़) बढ़ी है।

दिल्ली में श्रमिकों का न्यूनतम वेतन भी पूरे देश में सबसे अधिक

स्टैटिस्टिकल हैंडबुक-2023 में बताया गया कि दिल्ली में श्रमिकों का न्यूनतम वेतन भी पूरे देश में सबसे अधिक है। केजरीवाल सरकार ने अकुशल श्रमिकों के लिए 17 हजार 494 रुपए, अर्धकुशल श्रमिको के लिए 19 हजार 279रुपए व कुशल श्रमिकों के लिए 21 हजार 215 रुपये का न्यूनतम वेतन तय कर रखा है और नियमित रूप से हर 6 महीने में सरकार श्रमिकों का न्यूनतम वेतन बढ़ाती है।

साल 2023 में बुजुर्ग पेंशन लेने वालों की संख्या 4.07 लाख रही

नई दिल्ली। स्टैटिस्टिकल हैंडबुक-2023 में बताया गया कि दिल्ली सरकार बुजुर्गों-बेटियों और विशेष आवश्यकताओं वाले लोगों का ख्याल रखने में भी अव्वल रही है। साल 2023 में बुजुर्ग पेंशन लेने वालों की संख्या 4.07 लाख रही। वही 1.70 लाख बच्चियों को लाड़ली योजना का फायदा मिला। सरकार ने 1,13,039 विशेष आवश्यकताओं वाले लोगों को आर्थिक सहायता प्रदान की है। वहीं इस साल 11,570 लोगों को मुख्यमंत्री कोविड-19 परिवार आर्थिक सहायता योजना का लाभ मिला है।

दिल्ली सरकार का हेल्थ मॉडल बन गया भ्रष्टाचार का पर्याय : सचदेवा

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के हेल्थ मॉडल पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने शनिवार को सवाल उठाते हुए कहा कि दिल्ली सरकार का हेल्थ मॉडल अब भ्रष्टाचार का पर्याय बन गया है। दिल्ली सरकार के अस्पतालों में उपयोग की जा रही पट्टी, रूई, इंफ्यूसन सेट, मेडिकल ग्लैव्स जैसी आवश्यक मेडिकल सामग्री तक घटिया निकलने और जांच में उनके सैंपल फेल होने से अब अरविंद केजरीवाल के हेल्थ मॉडल की पोल पूरी तरह खुल गई है। सचदेवा ने कहा कि मुख्यमंत्री केजरीवाल एवं मंत्री सौरभ भारद्वाज में थोड़ी भी नैतिकता बची हो तो नकली दवाओं, पैथोलॉजिकल टेस्ट घोटाले के बाद अब सामने आये घटिया मेडिकल सामग्री घोटाले की जिम्मेदारी लें और इस्तीफा दें। सचदेवा ने कहा है कि जो सरकार 9 साल से विश्व स्तरीय हेल्थ मॉडल का दावा करती रही आज एक माह में उसके हेल्थ मॉडल के अंतर्गत हर काम में भ्रष्टाचार के समाचार ने दिल्ली की जनता को विचलित कर दिया है। सचदेवा ने कहा है की हेल्थ मॉडल के एक के बाद एक घोटाले उजागर होने के बाद से दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज लगातार मुख्यमंत्री केजरीवाल, पूर्व स्वास्थ्य मंत्री मनीष सिसोदिया एवं खुद का बचाव कर रहे हैं और अधिकारियों पर दोषारोपण कर रहे हैं पर दिल्ली की जनता सौरभ भारद्वाज से पूछना चाहती है की जब आपके स्वास्थ्य विभाग के हर काम में भ्रष्टाचार सामने आ रहा है तो यह कैसे मुमकिन है की मुख्य मंत्री एवं मंत्रियों को इसी भनक भी नही थी।

केजरीवाल ने डीसीडब्ल्यू प्रमुख स्वाति मालीवाल का इस्तीफा किया स्वीकार

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आगामी राज्यसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी (आप) की उम्मीदवार स्वाति मालीवाल का डीसीडब्ल्यू प्रमुख के पद से इस्तीफा स्वीकार कर लिया है और उपराज्यपाल को भेज दिया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मालीवाल सोमवार को यहां राज्यसभा चुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगी। आप ने शुक्रवार को दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) की प्रमुख मालीवाल को राज्यसभा चुनाव के लिए अपना उम्मीदवार घोषित किया और साथ ही पार्टी ने मौजूदा सांसदों संजय सिंह तथा नारायण दास गुप्ता को इस बार फिर उम्मीदवार बनाया है। अधिकारियों के अनुसार, मुख्यमंत्री ने डीसीडब्ल्यू प्रमुख के पद से मालीवाल का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। उन्होंने इस्तीफे को मंजूरी के लिए उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना को भेज दिया है।

एलजी के निर्देश पर जिला अधिकारी आज करेंगे गांवों में रात्रि प्रवास, सुनेंगे लोगों की समस्याएं

नई दिल्ली। उपराज्यपाल (एलजी) विनय कुमार सक्सेना के आदेश के बाद रविवार को दिल्ली के विभिन्न गांवों में सभी जिला अधिकारी (डीएम) रात्रि प्रवास करेंगे और उनकी समस्याएं सुनकर यथा संभव जल्द से जल्द उनका निदान करेंगे। एलजी ने सभी सभी जिला अधिकारियों को निर्देश दिए है कि दिल्ली देहात के लोगों की विभिन्न समस्याएं है, उनका निदान करने के लिए रात्रि प्रवास भी किया जाए। एलजी ने दो जनवरी 2024 को संवाद कार्यक्रम के तहत करीब 180 गांवों का प्रतिनिधित्व करने वाले 500 से अधिक ग्रामीणों के साथ बातचीत की थी। इस दौरान ग्रामीणों ने एलजी को अपनी विभिन्न समस्याओं को रखा था, जिसके बाद सक्सेना ने जिला अधिकारियों को यह निर्देश दिए है। इस संवाद के दौरान ही एलजी ने ग्रामीणों से कहा था कि 800 करोड़ से अधिक रुपए की लागत से गांवों में विकास कार्य किए जाएंगे। जानकारी अनुसार आदेश के तहत सभी जिला अधिकारी सात से आठ जनवरी तक विभिन्न चयनित गांवों का सुबह से ही दौरा करेंगे और रात्रि के समय प्रवास भी करेंगे। अधिकारियों ने बताया कि डीएम सुबह 11 बजे से शुरू होने वाले पहले तीन घंटों में गांवों के निवासियों के साथ सीधा संवाद करेंगे। दोपहर तीन बजे से शाम छह बजे तक डीडीए, राजस्व, दिल्ली जल बोर्ड और एमसीडी सहित अन्य संबंधित विभाग के अधिकारियों के साथ क्षेत्रों का निरीक्षण करेंगे और चल रहे विकास कार्य का जायजा लेंगे। जबकि शाम छह बजे से सात बजे तक निवासियों के साथ चर्चा करेंगे। साथ ही उनकी शिकायतें और प्रतिक्रिया साझा करेंगे। अगले दिन फिर सुबह सात बजे से 11 बजे तक ग्रामीणों से फिर से संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

डीडीए बांसेरा बैम्बू पार्क में करेगा 12-13 को दो दिवसीय पतंग उत्सव का आयोजन

नई दिल्ली। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) आगामी 13-14 जनवरी 2024 को अंतरराष्ट्रीय पतंग उत्सव के उपलक्ष्य में यमुना नदी के तट पर सराय काले खां स्थित बांसेरा बैम्बू पार्क में दो दिवसीय पतंग उत्सव का आयोजन करेगा। डीडीए द्वारा दी गई जानकारी अनुसार इस उत्सव में कई प्रमुख आकर्षण होंगे। जिनमें एक थीम पवेलियन भी शामिल होगा, जिसे पतंग के इतिहास को प्रदर्शित करने के लिए स्थापित किया जाएगा, जिसमें पतंग गैलरी के रूप में युद्ध के समय में पतंग के उपयोग, लड़ाकू पतंग, भारत में पतंग के महत्व आदि को दर्शाया जाएगा। लोगों के लिए पतंग खरीदने और उड़ाने और दिल्ली के आसमान को विभिन्न रंगों से सजाने के लिए एक क्लासिकल पतंग बाजार भी शुरू किया जाएगा। पेशेवर पतंगबाज इस उत्सव में नवीन पतंगों का प्रदर्शन करेंगे। इसके अतिरिक्त, भारत की सांस्कृतिक विविधता को प्रदर्शित करने वाले लोक कलाकारों के सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ-साथ जनता के लिए पारंपरिक भोजन और हस्तशिल्प स्टॉल भी लगाए जाएंगे। बच्चों के लिए किड्स जोन के रूप में विशेष गतिविधियों की भी योजना बनाई गई है। लोहड़ी, मकर संक्रांति, बिहू और पोंगल के शुभ अवसर पर त्योहार का आनंद लेने के लिए लोगों द्वारा अपने परिवार और बच्चों के साथ उत्सव में आना एक उत्कृष्ट मनोरंजनात्मक अवसर होगा।

विपक्षियों को चुप कराने के लिए भाजपा का राजनीतिक हथियार बन चुकी है ईडी : आतिशी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

ईडी केंद्रीय जांच एजेंसी नहीं बल्कि विपक्षियों को चुप करने के लिए भाजपा का राजनीतिक हथियार बन चुकी है। भाजपा शासन में ईडी का स्तर इस इतना गिरा चुका है कि अब ईडी भाजपा नेता का विरोध करने वाले दो बुजुर्ग गरीब किसानों को समन भेज रही है। इन गरीब किसानों के बैंक खाते में मात्र 450 रुपये हैं। यह बातें शनिवार को आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता और कैबिनेट मंत्री आतिशी ने प्रेसवार्ता में कही। आतिशी ने कहा कि ईडी ने तमिलनाडु के दो बुजुर्ग किसानों जिनका नाम कन्हैयन (72 साल), कृष्णन (66 साल) जिनके बैंक खाते में मात्र 450 रुपए है, पर पीएमएलए के तहत केस दर्ज किया। ईडी ने इन दो गरीब किसानों को समन भेजा जिसमें लिखा था कि, इन दोनों किसानों ने अपने खेत में 2017 में बिजली की तार लगाई जिसकी वजह से दो भैंसों की मौत हो गई। इस कारण ईडी ने इन दो किसानों को समन किया है। आज केंद्र सरकार की ईडी का स्तर इस कदर तक गिर चुका है।

भाजपा नेता ने बदला लेने के लिए गरीब किसानों को भिजवाया समन

आतिशी ने कहा कि इन किसानों को समन करने का असली कारण इनका भाजपा नेताओं का विरोध करना था। आज यदि देश में किसी की भाजपा से दुश्मनी है, भाजपा के नेता से दुश्मनी है तो आप पर ईडी का केस किया जाएगा। इन किसानों के साथ भी यही हुआ। इनका अपने इलाके के भाजपा नेता जी. गुणशेखर से कई सालों से विवाद चल रहा था, इन किसानों ने उस भाजपा नेता पर केस किया, जी. गुणशेखर को जेल जाना पड़ा। इसका बदला लेने के लिए मात्र 450 रुपए की संपत्ति रखने वाले इन गरीब किसानों पर पीएमएलए के तहत ईडी द्वारा केस किया गया और तमिलनाडु से दिल्ली समन किया गया।

50 दिन की यात्रा में अब तक 10 करोड़ लोग उठा चुके हैं योजनाओं का लाभ

विकसित भारत संकल्प यात्रा के प्रति लोगों में उत्साह: बिधूड़ी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा में नेता विपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने शनिवार को कहा है कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कल्याणकारी योजनाएं लोगों के द्वार तक पहुंच रही हैं। यह मामूली बात नहीं है कि 50 दिन की इस यात्रा में अब तक 10 करोड़ लोग इन योजनाओं का लाभ उठा चुके हैं। इन योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए भाजपा कार्यकर्ता तन-मन से जुटे हुए हैं। दिल्ली में यात्रा के प्रति लोगों का भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। बिधूड़ी ने शनिवार को कोंडली विधानसभा के वसुंधरा एंकलेव क्षेत्र में विकसित भारत संकल्प यात्रा की गाड़ी की अगवानी की और लोगों को इन योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। भारत के विकास की इस गाड़ी में मेडिकल चैकअप कैंप के साथ-साथ डेंटल और टीबी की जांच के लिए अलग से सुविधा दी गई है। इसके अलावा प्रधानमंत्री उज्ज्वला, स्वच्छ भारत मिशन, विश्वकर्मा योजना, पोषण अभियान, पीएम-स्वनिधि योजनाओं की जानकारी के साथ-साथ लोगों को इन योजनाओं का लाभ भी पहुंचाया जा रहा है। इसके साथ पीएम-स्वनिधि, आधार अपडेट, पीएम-उज्ज्वला जैसी योजनाओं का ऑन स्पॉट फायदा भी दिया जा रहा है। बिधूड़ी ने कहा कि विश्व में कहीं भी इस तरह की योजना किसी सरकार ने नहीं चलाई जहां इतनी बड़ी संख्या में योजनाएं जनता के द्वार तक पहुंची हों और उन्हें उनका तुरंत लाभ भी मिल रहा हो। यह भाजपा सरकार की जनसेवा का एक नया कीर्तिमान है। इस मौके पर भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष विष्णु मित्तल और जिले के महामंत्री नीरज शर्मा भी उपस्थित थे।

एनडीएमसी ने आयोजित किया सुविधा शिविर, जनता से मिली 54 शिकायतें

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने अपने क्षेत्र के निवासियों और सेवा उपयोगकर्ताओं को सूचना, सुविधा और शिकायत निवारण प्रदान करने के लिए एनडीसीसी कन्वेंशन सेंटर, जयसिंह रोड, नई दिल्ली में एक सुविधा शिविर का आयोजन किया। इस सुविधा शिविर में अधिकारियों ने जनता से 54 शिकायतें प्राप्त की। निवासियों की अधिकांश शिकायतें कार्मिक, सिविल इंजीनियरिंग, बागवानी, सार्वजनिक स्वास्थ्य, प्रवर्तन, वाणिज्यिक, कर और संपदा विभागों से संबंधित हैं। इसके अलावा सैकड़ों स्थानीय निवासियों और सेवा उपयोगकर्ताओं ने नागरिक सेवाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए सुविधा शिविर का दौरा किया। एनडीएमसी द्वारा शिकायतों के शीघ्र समाधान के लिए विभिन्न विभागों से संबंधित अधिकारियों ने जनता से उनकी जन शिकायतों पर आमने-सामने चर्चा की और उनका समाधान किया गया। नीति स्तर के निर्णयों की आवश्यकता वाली शिकायतों को उनके निवारण की संभावित समय-सीमा के साथ समझाया गया। एनडीएमसी के 30 विभागों के सौ से अधिक अधिकारी/कर्मचारी शिकायतों के मौके पर निवारण के लिए शिविर में मौके पर मौजूद रहे। विभिन्न विभागों के हेल्प डेस्क की निगरानी उनके विभागाध्यक्ष करते रहे। इन सुविधा शिविरों के आयोजन के अलावा पालिका परिषद क्षेत्र के निवासियों और सेवा उपयोगकर्ताओं के लिए संपर्क रहित शिकायत निवारण तंत्र के रूप में एक जन सुविधा पोर्टल भी लॉन्च किया हुआ है। इस जन सुविधा पोर्टल का लिंक एनडीएमसी की वेबसाइट पर उपलब्ध है। जन सुविधा पोर्टल का उपयोग शिकायत दर्ज करने, उनकी शिकायत की स्थिति पर नज़र रखने और शिकायत निवारण तंत्र पर प्रतिक्रिया देने के लिए किया जा सकता है।

नमो भारत रैपिडएक्स ट्रेन अब किराए पर भी मिलेगी। फिल्म शूटिंग, डॉक्यूमेंट्री और टीवी विज्ञापनों आदि के लिए अल्पकालिक अवधि पर किराए पर ट्रेन की बुकिंग मात्र दो से तीन लाख रुपए में की जा सकेगी।

आरआरटीएस स्टेशनों व नमो भारत ट्रेनों में फिल्म,डॉक्यूमेंट्री शूटिंग के लिए बनीं नीति

किराए पर मिलेगी 'नमो भारत'

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

नमो भारत रैपिडएक्स ट्रेन अब किराए पर भी मिलेगी। फिल्म शूटिंग, डॉक्यूमेंट्री और टीवी विज्ञापनों आदि के लिए अल्पकालिक अवधि के लिए किराए पर ट्रेन की बुकिंग मात्र दो से तीन लाख रुपए में की जा सकेगी। एनसीआरटीसी ने इसके लिए नीति तैयार कर ली है।

नीति के तहत आरआरटीएस स्टेशन व नमो-भारत ट्रेनें अब फिल्म शूटिंग, डॉक्यूमेंट्री और टीवी विज्ञापनों आदि के लिए अल्पकालिक अवधि पर किराए पर उपलब्ध हैं।

एनसीआरटीसी के प्रवक्ता पुनीत वत्स ने बताया कि ओटीटी प्लेटफार्मों और डिजिटल परिदृश्य के प्रसार के साथ, फीचर फिल्मों, डॉक्यूमेंट्री और वेब सीरीज़ के फिल्मांकन की पृष्ठभूमि के रूप में सार्वजनिक परिवहन प्रणालियों, विशेष रूप से मेट्रो रेल प्रणालियों के उपयोग में वृद्धि हुई है। फिल्म निर्माताओं के लिए एनसीआरटीसी का यह निर्णय एक आकर्षक अवसर प्रदान करता है।

प्राकृतिक रोशनी से भरपूर स्टेशन

आरआरटीएस स्टेशनों का बाहरी आवरण मोर पंख के जीवंत रंगों से प्रेरणा लेते हुए आकर्षक नीले व बेज रंग से तैयार किया गया है। ये स्टेशन प्राकृतिक रोशनी से भरपूर, हवादार स्थान प्रदान करते हैं। यहां स्टेशनों की सुंदरता को और बढ़ाते हुए बेज रंग के वाले पैनल सुचारू वायु प्रवाह बनाए रखने साथ ही मनमोहक आकर्षण भी पैदा करते हैं। विश्वस्तरीय सुविधाओं से साथ ही अपनी अनोखी लुक नमो भारत ट्रेनें विश्वस्तरीय सुविधाओं से साथ ही अपनी अनोखी लुक के लिए भी पहचानी जा रही हैं, जिनका एयरो-डायनामिक प्रोफाइल इनकी लुक को शानदार और मनमोहक बनाता है। एयरो-डायनामिक प्रोफाइल की मदद से ये ट्रेनें उच्च गति पर हवा के खिंचाव को आसानी से कम करने में सक्षम हैं। इन ट्रेनों में विस्तृत गैंगवे और टिंटेड पैनोरमिक खिड़कियों समेत अन्य विशस्तरीय सुविधाएं हैं, जो इनमें निर्बाध यात्रा अनुभव प्रदान करती हैं।

खबर संक्षेप

हमदर्द ने वितरित किए जरुरतमंदों को कंबल

गाजियाबाद। हमदर्द नेशनल फाउन्डेशन के चेरयमैन अब्दुल मजीद ने बेसहारा, कमजोर एवं जरुरतमंद लोगों को कंबल वितरित किए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एडीएम सिटी गंभीर सिंह व आर्युवेदिक एवं यूनानी सेवा अशोक कुमार राना उपस्थित रहे।

पार्क में ट्रांसफार्मर रखने पर प्रदर्शन की चेतावनी

गाज़ियाबाद। विद्युत निगम वसुंधरा सेक्टर-16 के एक पार्क को ट्रांसफॉर्मरों के घर में तब्दील करने पर तुला है। पार्क में पहले से तीन ट्रांसफॉर्मर हैं और दो रखने की तैयारी है। इसके लिए चबूतरे बनाने का काम शुरू हो गया है। लोगों ने शनिवार को इसका विरोध कर अधिशासी अभियंता अमित सक्सेना को पत्र दिया। काम न रोकने पर लोगों ने प्रदर्शन की चेतावनी दी।

17वां कॉरपोरेट क्रिकेट चैलेंज कप का शुभारंभ

फरीदाबाद। मानव रचना शैक्षणिक संस्थान में ओपी भल्ला मेमोरियल कप 17वें कॉरपोरेट क्रिकेट चैलेंज का शुभारंभ हुआ। इस साल दिल्ली एनसीआर से 24 प्रमुख कॉरपोरेट टीमें क्रिकेट के मैदान में अपनी प्रतिभा दिखाएंगी। इस टूर्नामेंट के उद्घाटन समारोह में एमआरईआई के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत भल्ला, उपाध्यक्ष डॉ. अमित भल्ला सहित कॉरपोरेट जगत के अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

लखानी धर्मशाला में कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन

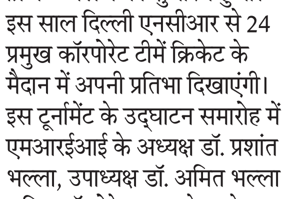

फरीदाबाद। 9 जन को फरीदाबाद में आयोजित होने वाले कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन की तैयारियां जोरों पर है। सम्मेलन में पूर्व सीएम चौ. भूपेंद्र सिंह हुड्डा, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष चौ. उदयभान तथा राज्यसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा आदि भाग लेंगे और कार्यकर्ताओं में नया उत्साह भरेंगे। तैयारियों को लेकर विधायक नीरज शर्मा, प्रवक्ता तरुण तेवतिया ने जायजा लिया।

स्कूटी पर शराब तस्करी करते किया काबू

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच एनआईटी प्रभारी नरेश कुमार की टीम ने शराब तस्करी मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी का नाम गगन उर्फ गग्गा है । क्राइम ब्रांच की टीम ने आरोपी को स्कूटी पर शराब तस्करी करते काबू कर लिया। आरोपी के कब्जे से दो पेटी अवैध देशी शराब बरामद की गई। आरोपी से जब इसके बारे में पूछताछ की गई तो वह आनाकानी करने लगा।

स्कूल में बनने वाली नई इमारत का शिलान्यास

बल्लभगढ़ ढाई करोड़ के विकास कार्यों की दी सौगात

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने व्यापारियों को शहर में सुरक्षा व विकास का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि वे स्वयं भी व्यापारी होने के नाते व्यापार में आने वाले उतार चढ़ावों को जानते हैं। उन्होंने समिति के प्रधान महेंद्र बोहरा सहित पूरी टीम को समिति की सालाना बैठक के लिए भी बधाई दी।

परिवहन मंत्री ने कहा बल्लभगढ़ की जनता मेरे लिए भगवान का रूप है। यहां विकास में कोई कमी नहीं छोड़ूंगा। व्यापारी सम्मलेन में प्रधान महेंद्र बोहरा, महासचिव विशन चंद्र बंसल, राजेंद्र जैन, महेश मित्तल, मोहन गर्ग, ओमप्रकाश गर्ग, कैलाश प्रधान धोजिया, राजेंद्र बंसल, शिव मंगला सहित गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

व्यापारियों को बरसाती पानी से मिलेगा छुटकारा

मूलचंद शर्मा ने कहा कि बल्लभगढ़ की अनाज मंडी में भरने वाले बरसाती पानी से अब लोगों को परेशानी नहीं होगी। बल्लभगढ़ की अनाज मंडी में डिस्पोजल और गांव रनहेड़ा खेड़ा के राजकीय प्राथमिक स्कूल में बनने वाली नई इमारत का भी स्थानीय निवासियों के हाथो नारियल तुड़वाकर शिलान्यास कर रहे थे। यह दोनों काम करीब ढाई करोड़ की लागत से बनकर तैयार होंगे। बल्लभगढ़ के लोगों को अब मंडी में भरने वाले बरसाती पानी से छुटकारा मिल जाएगा तो वहीं दूसरी तरफ ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को सरकारी स्कूल में नई बिल्डिंग मिलेगी। स्कूल के शिलान्यास के मौके पर रनहेडा खेड़ा गांव निवासियों के साथ निर्वतमान पार्षद मुकेश डागर, राकेश गुर्जर, अब्दुल सत्तार, हेडमास्टर सहित गणमान्य लोग मोजूद रहे।

विकसित भारत संकल्प यात्रा का गर्मजोशी से स्वागत किया

आयुष्मान कार्ड के कारण से आ रही आमजन में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

विकसित भारत संकल्प यात्रा का उद्देश्य देश के प्रत्येक नागरिक को सशक्त बनाना और 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को पूरा करना है। भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की संयुक्त सचिव वंदना जैन ने आज दशहरा ग्राउंड बल्लभगढ़ में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा में बतौर मुख्यातिथि शिरकत की।

विकसित भारत की ओर यात्रा एक व्यक्तिगत प्रयास नहीं है बल्कि सभी वर्गों के लोगों को शामिल करने का एक सामूहिक प्रयास है। विकसित भारत संकल्प यात्रा का उद्देश्य देश के प्रत्येक नागरिक को सशक्त बनाना और 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को पूरा करना है। भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की संयुक्त सचिव वंदना जैन ने आज दशहरा ग्राउंड बल्लभगढ़ में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा में बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। संयुक्त सचिव ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा का उद्देश्य देश में केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाने और सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता फैलाना था। इतना ही नहीं, विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत ऑन-स्पॉट सेवाओं के क्रम में ग्राम पंचायतों और शहरी क्षेत्र में स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

खास बातें

- शिविर में हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज की जांच
- भारत को जल्द टीबी मुक्त बनाने पर दिया जा रहा है जोर
- भजन व गीतों के जरिए सरकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार

आयुष्मान कार्ड बनवाएं और सभी योजनाओं का लाभ उठाएं

इन हेल्थ कैंपों में बहुत सी गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं, जैसे की आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत विकसित भारत संकल्प यात्रा के लिए आयुष्मान एप का उपयोग करके आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं। आयुषमान कार्ड सरकार की महत्वपूर्ण योजना है और ज्यादा से ज्यादा लोग आयुष्मान कार्ड बनवाए और योजना का लाभ उठाए। देश को जल्द से जल्द टीबी मुक्त बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए टीबी की जांच भी की जा रही है और साथ ही हाई ब्लड प्रेशर और डायबिटीज की जांच और स्क्रीनिंग की जा रही है। पॉजिटिव लक्षण पाए जाने पर मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए उच्च स्वास्थ्य केंद्रों में रेफर किया जा रहा है।

विकसित भारत की दिलाई गई शपथ

संयुक्त सचिव वंदना जैन ने इस मौके पर सभी को भारत देश को 2047 तक आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने के सपने को साकार करने की शपथ दिलवाई। वहीं सूचना जनसंपर्क एवं भाषा विभाग की भजन पार्टी द्वारा सरकारी योजनाओं -परियोजनाओं की जानकारी गीतों के जरिए बेहतर प्रस्तुतियां दी गई। इस अवसर पर भाजपा नेता टिपर चंद, एसडीएम बल्लभगढ़ त्रिलोक चंद, सीएमओ डॉ. विनय गुप्ता सहित अधिकारी , कर्मचारी तथा क्षेत्र के गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

गांव लडोली में पुलिस-पब्लिक बैठक

नशा मुक्ति को प्रोत्साहित करने कराया वॉलीबॉल गेम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

पुलिस आयुक्त राकेश कुमार आर्य के निर्देशानुसार सदर बल्लभगढ़ थाना प्रभारी इंस्पेक्टर बसंत की टीम ने लडोली गांव में वॉलीबॉल का मैच करवा नशामुक्ति, साइबर महिला व बाल अपराध, सड़क सुरक्षा व यातायात नियमों के प्रति जागरुक व नशा तस्करों जानकारी देने को कहा है।

डीसीपी बल्लबगढ़ राजेश दुग्गल और एसीपी तिगांव राजेश लोहान के आदेश अनुसार थाना प्रभारी सदर बल्लभगढ़ निरीक्षक बसंत व उनकी टीम द्वारा गांव लडोली में पुलिस पब्लिक मीटिंग का आयोजन किया, जिसमें गांव के मौजिज व्यक्तियों के साथ बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

साइबर क्राइम ट्रैफिक नियम की दी जानकारी

गांव के युवाओं के साथ पुलिस टीम ने एक वॉलीबॉल मैच का भी आयोजन किया। उसके बाद थाना प्रभारी ने गांव के मौजूद सभी लोगों को साइबर क्राइम से सुरक्षा, ट्रैफिक नियमों की पालना करने, महिलाओं की सुरक्षा के संबंध में कानून और डायल 112 के बारे में जागरूक किया। साथ ही पुलिस ने बताया कि किस प्रकार युवा खेल के माध्यम से अपने शरीर को तंदुरुस्त रख सकते हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि नौजवान युवक शौकिया तौर पर नशा करना शुरू करते हैं परंतु धीरे-धीरे उन्हें इसकी लत पड़ जाती है।

धुंध के समय यात्रियों से डीसीपी ने कहा-

वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाकर सड़क सुरक्षा के प्रति जिम्मेदार बनें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

डीसीपी ट्रैफिक अमित यशवर्धन ने ट्रांसपोर्ट नगर में वाहनों के रिफ्लेक्टर टेप लगाकर उन्हें सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया है।पुलिस उपायुक्त यातायात फरीदाबाद द्वारा ट्रांसपोर्ट नगर सेक्टर-58 में फरीदाबाद ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के सभी सदस्यों को उन्हीं के बीच में जाकर संबोधित किया। उन्हें सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने के साथ-साथ पुलिस उपायुक्त ने वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगाकर धुंध के समय सड़क दुर्घटना से बचाव के लिए प्रेरित किया है। यातायात पुलिस द्वारा वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगाने का एक विशेष अभियान चलाया गया है। यातायात पुलिस ने सभी छोटे-बड़े वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाकर धुंध के समय सावधानी पूर्वक यात्रा करने के लिए लोगों को जागरूक किया। धुंध के समय यात्रा करते समय ज्यादा दूरी तक दिखाई नहीं देता जिसकी वजह से दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है। इसी को ध्यान में रखते हुए फरीदाबाद की ट्रैफिक पुलिस द्वारा वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगाने का अभियान चलाया जा रहा है।

भगवान राम के बाल रूप की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा

देशभर में अक्षत के माध्यम से राम मंदिर के उद्घाटन का दिया जा रहा न्यौता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

रेलवे सलाहकार समिति के सदस्य एवं कैनविन फाउंडेशन के संस्थापक डीपी गोयल ने कहा कि इस साल देश 22 जनवरी को दीवाली मनाएगा। देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राम मंदिर का निर्माण कराकर देश की एकता, अखंडता और धार्मिकता को मजबूती दी है।

अयोध्या में बने राम मंदिर में भगवान राम के बाल रूप की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में पहुंचने वाले लोगों को भोजन, प्रसाद खिलाने के लिए एक मुट्ठी अन्न भगवान राम के नाम मुहिम (राम अन्न कलश) में शामिल होकर डा. डीपी गोयल ने लोगों को इस कार्य के लिए प्रेरित किया। इस मुहिम के तहत अयोध्या में लाखों श्रद्धालुओं के भंडारे की भोजन सामग्री की व्यवस्था के लिए सूखा राशन एकत्रित कर अयोध्या भिजवाया जाएगा। इस मुहिम के गोयल मुख्य संयोजक बनाए गए हैं। । आने वाली 22 जनवरी को राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा के अवसर पर पूरे भारतवर्ष में दीपावली उत्सव मनाया जाएगा। कैनविन फाउंडेशन एक सहयोगी संस्था के रूप में इस कार्य में सहयोग से राशन सामग्री एकत्रित कर इसे अयोध्या तक पहुंचाने में अपना पूर्ण सहयोग देगी।

आईएएस को जानकारी देकर सशक्त बनाने के लिए सेमिनार

प्रशासनिक पदों पर प्रभावी ढंग से सेवा देने की दृष्टि प्रदान की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

हरियाणा के आईएएस अधिकारियों को आवश्यक विविध पहलुओं की व्यापक जानकारी के लिए गुरूग्राम स्थित हरियाणा लोक प्रशासन संस्थान में एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन हुआ। इस सेमिनार में भारत सरकार/पीएसयू बनाम राज्य सरकार में काम करना, बहुराष्ट्रीय संस्थानों/निजी क्षेत्र व विदेशी अध्ययन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों व वरिष्ठ अधिकारियों ने अपने अनुभव व विषय से संबंधित आवश्यक जानकारी दी।

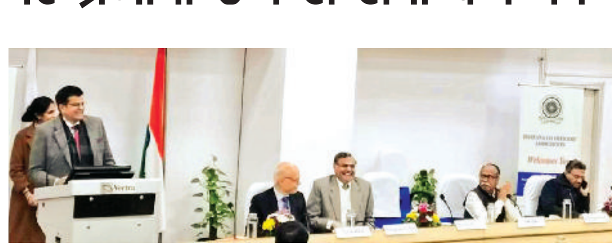

हरियाणा के मुख्य सचिव संजीव कौशल ने सेमिनार का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि इस सेमिनार का उद्देश्य आईएएस अधिकारियों के लिए करियर उन्नति के बहुमुखी आयामों में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करना और गहन चर्चा को बढ़ावा देना है। सेमिनार में विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित वक्ताओं और विशेषज्ञों के साथ भागीदारी करने से प्रतिभागियों को करियर से जुड़ी चुनौतियों और अवसरों पर व्यापक दृष्टिकोण प्राप्त होगा। उन्होंने अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण के महत्व पर बल देते हुए कहा कि यह अधिकारियों को उनकी सेवा के दौरान निभाई जाने वाली विविध भूमिकाओं के लिए तैयार करता है।

ज्ञान, कौशल और मूल्यों से अवगत कराने का है यह प्रशिक्षण

मुख्य सचिव ने कहा कि प्रशासनिक पदों पर प्रभावी ढंग से सेवा करने और राज्य और राष्ट्र के विकास में योगदान देने के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल और मूल्यों से अवगत कराने में प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विशेष योगदान रहता है। हरियाणा के मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव वी. उमाशंकर, वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव, अनुराग रस्तोगी, पावर यूटिलिटीज के अध्यक्ष पीके दास, पूर्व राजस्व सचिव तरुण बजाज ने राज्य सरकार के साथ केंद्र सरकार में क्षमताओं में काम करने के दौरान अपने अनुभव साझा किए।

दक्षता में सुधार लाने की जानकारी

वहीं पूर्व आईएएस एवं बिजली निगमों के अध्यक्ष पीके दास, हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष पूर्व आईएएस पी राघवेंद्र राव, पूर्व आईएएस एम रामशेखर और राम कुमार रामकृष्णन ने भी सेमिनार को संबोधित किया। सभी वक्ताओं ने सेमिनार में पहुंचे आईएएस अधिकारियों को बताया कि वे अपनी दक्षता में कैसे सुधार ला सकते हैं। उन्होंने केंद्र सरकार, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और राज्य सरकार के भीतर भूमिकाओं और जिम्मेदारियों की जटिलताओं पर भी चर्चा की। वक्ताओं ने आईएएस अधिकारियों के लिए प्रत्येक क्षेत्र द्वारा प्रस्तुत अद्वितीय चुनौतियों और अवसरों के बारे में भी बात की।

सुभाष बत्तरा ने कांग्रेस से पंजाबियों के लिए 2 विस सीटों की मांग की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

कांग्रेस की पंजाबी समाज की भूमिका को लेकर पूर्व मंत्री सुभाष बत्तरा की अध्यक्षता में एक मीटिंग किया, जिसमें वरिष्ठ कांग्रेसी ज्ञानचन्द आहूजा व पूर्व जिला अध्यक्ष गुलशन बग्गा उपस्थित थे। सुभाष बत्तरा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी से फरीदाबाद की पंजाबी बहुल्य दो सीटों के लिए पंजाबी समाज को देने की मांग करेंगे, क्योंकि फरीदाबाद पंजाबी समाज द्वारा बसाया गया शहर है और पंजाबी समाज का यहां कम से कम दो सीटों पर हक बनता है। इसका फायदा कांग्रेस पार्टी को न सिर्फ फरीदाबाद की 6 विधानसभा सीटों पर मिलेगा, बल्कि हरियाणा में भी कांग्रेस को इसका लाभ मिलेगा। जिस तरह से फरीदाबाद के सभी कांग्रेसी पंजाबी नेता एकजुट होकर पंजाबी समाज की मांग पार्टी से कर रहे हैं साथ ही पंजाबी समाज के हकों की आवाज़ बुलंद कर रहे हैं इससे कांग्रेस पार्टी द्वारा जरूर पंजाबी समाज के हक देने होगें।

बड़खल सीट की मांग की

पंजाबी सेवक हरीश चन्द्र आजाद ने कहा कि देश आजादी से लेकर अब तक फरीदाबाद में कांग्रेस का जिला अध्यक्ष पंजाबी समाज से रहा है और बडखल की सीट पर सिर्फ पंजाबी उम्मीदवार ही जीतता रहा है उससे पंजाबी समाज ने अपनी मंशा बिल्कुल साफ कर रखी है कि पंजाबी समाज की अनदेखी कर फरीदाबाद में किसी भी राजनैतिक पार्टी द्वारा सत्ता तक पहुंचना संभव नही है। भाजपा ने पंजाबी जिला अध्यक्ष बना दिया है तथा भाजपा एक सीट पंजाबी उम्मीदवार को भी देती है । फरीदाबाद की पंजाबी वोटर ज्यादातर कांग्रेसी विचारधारा का रहा है इसलिए कांग्रेस पार्टी भी पंजाबी समाज का मान करते हुए फरीदाबाद का जिला अध्यक्ष पंजाबी व दो सीटें पंजाबी समाज को दें।

वरिष्ठ कांग्रेसी नेता ज्ञानचन्द आहूजा ने कांग्रेस पार्टी से मांग करते हुए कहा कि फरीदाबाद में पार्टी को पंजाबी जिला अध्यक्ष बनाना चाहिये जिससे फरीदाबाद विधानसभा की सभी 6 सीटों पर पंजाबी वोटर का झुकाव कांग्रेस की ओर आयेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का अपना खिसका हुआ पंजाबी वोटर वापिस लाने के लिए पंजाबी समाज की मांगों को मानना ही पड़ेगा।

काशी से निकली रामज्योति लेने, बरेली से भेजे रामलला वस्त्र, मुंबई-दिल्ली से आ रही रामलला के दर्शन करने

मुस्लिम महिलाओं में बढ़ी श्रीराम के प्रति श्रद्धा

एजेंसी ▸▸ वाराणसी

अयोध्या में 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होनी है। इससे पहले मुस्लिम महिलाओं में श्रीराम के प्रति श्रद्धा बढ़ती दिखाई दे रही है। महादेव की नगरी काशी से मुस्लिम महिलाओं का एक समूह राम नाम की अखंड ज्योति लेकर अयोध्या के लिए निकल पड़ा है। बरेली की मुस्लिम महिलाओं ने रामलला के लिए वस्त्र तैयार किए हैं। मुंबई और दिल्ली से भी मुस्लिम महिला श्रीरामलला के दर्शन के लिए पदयात्रा कर रही हैं। महिलाओं ने यह यात्रा भगवा वस्त्र पहनकर शुरू की। बताया जा रहा है कि ये मुस्लिम महिलाएं अयोध्या पहुंचकर राम ज्योति को प्रज्वलित करेंगी और फिर इसे लेकर काशी लौटेंगी। 22 जनवरी को इसी ज्योति से मुस्लिमों के घर भी दीए जलाए जाएंगे।

मुसलमानों से उत्सव मनाने की अपील करेंगी

नाजनीन अंसारी और नजमा परवीन ने प्रण लिया था कि वह अयोध्या से रामज्योति लाकर घरों को रोशन करेंगी। नाजनीन अंसारी मुस्लिम महिला फाउंडेशन की अध्यक्ष हैं। उनका कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान के बाद ही उन्होंने ऐसा करने का संकल्प लिया था। इस ज्योति के माध्यम से वह काशी के मुसलमानों से भी 22 जनवरी को उत्सव मनाने की अपील करेंगी।

रामलला को समर्पित करेंगी हाथों से बनाए वस्त्र

बरेली की तीन तलाक पीड़ित महिलाएं मेरा हक फाउंडेशन की अध्यक्ष फरहत नकवी की अगुवाई में अयोध्या जाकर रामलला के दर्शन करेंगी। वे अपने हाथों से तैयार किए हुए वस्त्र रामलला को समर्पित करेंगी। नकवी ने बताया कि बरेली की जरी कारीगरी मशहूर है। लिहाजा रामलला के लिए जरी की पोशाक तैयार करा रही हैं। जरी का काम करने वाली 40 महिलाओं के साथ वह खुद भी इस काम में जुट गई हैं। वस्त्र तैयार होने के बाद वह महिलाओं के साथ अयोध्या जाएंगी और वहां रामलला को वस्त्र पहनाएंगी। फरहत ने बताया कि राम मंदिर के निर्माण में सहयोग के लिए वह धनराशि भी एकत्र कर रही हैं, जिसे गुप्त दान के रूप से ट्रस्ट को सौंपेंगी।

रामनवमी और दिवाली मनाती हैं

नाजनीन अंसारी का मानना है कि सभी भारतीय श्री राम के ही वंशज हैं और किसी भी भारतीय का डीएनए अलग नहीं है। वह मुस्लिम इलाकों में दीये जलाने की अपील करेंगी। इससे पहले भी वह राम नवमी और दिवाली के मौके पर उत्सव मनाती रही हैं। नाजनीन और नजमा की इस यात्रा को काशी के डोमराज ओम चौधरी और पातालपुरी मठ के महंत बालक दास ने रवाना किया।

पवित्र मिट्टी और जल भी लेंगी

वे अयोध्या की पवित्र मिट्टी और सरयू के जल को भी काशी लेकर पहुंचेंगी। 21 जनवरी को राम ज्योति का वितरण शुरू हो जाएगी। बता दें कि नाजनीन ने बीएचयू से ही पढ़ाई की है और उन्होंने श्रीरामचरित मानस और हनुमान चालीसा का उर्दू में अनुवाद भी किया है। महंत बालकदास उनके गुरु हैं। वह राम पथ नामक संगठन से जुड़ी हैं।

दिल्ली से पदयात्रा कर अयोध्या जा रही शबनम

संभल। दिल्ली से पैदल यात्रा कर अयोध्या जा रही शबनम खान ने कहा कि भारत में मंदिरों को तोड़कर मुगल आक्रांताओं ने मस्जिद बनाई थी। मस्जिद गिराकर मंदिर बना देना राजनीति है तो मुझे यह मंजूर है। मैं अकेली मुस्लिम लड़की ही पदयात्रा पर चली हूं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में रामराज की ओर बढ़ रहे हैं। पहले मुसलमानों को केवल वोट के लिए इस्तेमाल किया है। पहली बार हिंदू जागे हैं।

दर्शन करने मुंबई से पैदल निकली

मुंबई से एक मुस्लिम युवती राम लला के दर्शन करने पैदल ही निकल पड़ी है। शबनम का कहना है कि वह 1425 किलोमीटर की दूरी तय करके अयोध्या पहुंचेंगी। वह एक दिन में 25 से 30 किलोमीटर का सफर कर रही हैं। 21 दिसंबर को ही वह यात्रा शुरू कर चुकी हैं। शबनम का कहना है कि राम भक्ति के लिए हिंदू होना जरूरी नहीं है।

खबर संक्षेप

आत्मदाह करने वाले किसान की मौत

मेरठ। मेरठ में एसडीएम के सामने आत्मदाह करने वाले किसान जगबीर की निजी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई है। इस घटना से पुलिस प्रशासन के खिलाफ नाराज मृतक किसान का बेटा मोबाइल टावर पर चढ़ गया है। मोबाइल टावर पर चढ़े बेटे को समझा बुझाकर नीचे उतारा गया। बता दें किसान का जमीन को लेकर वन विभाग से विवाद था और कुछ दिनों से वो सरकारी ऑफिस के चक्कर काट रहा था।

ज्वेलरी शॉप से 15 लाख के जेवरात चोरी

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में एक ज्वेलरी शॉप से चोर 12 लाख रुपए के गहने चुराकर फरार हो गए। पुलिस से बचने के लिए आरोपी जाते समय दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे और डीवीआर भी अपने साथ ले गए। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। चोरी की वारदात मुसहरी थाना क्षेत्र के मनिका चौक पर स्थित मनोकामना ज्वेलर्स में हुई। ज्वेलरी कारोबारी दीपक कुमार शुक्रवार देर शाम शॉप बंद कर घर चले गए थे। शनिवार सुबह स्थानीय लोगों ने कॉल कर उन्हें सूचना दी।

सीएम योगी ने गोरखपुर के संझाई में 'विकसित भारत संकल्प यात्राश' कार्यक्रम को संबोधित किया

पीएम मोदी ने देश की तस्वीर और तकदीर बदली उनके नेतृत्व में दुनिया में भारत का सम्मान बढ़ा

एजेंसी ▸▸ गोरखपुर

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की तस्वीर और तकदीर दोनों बदली है। उनके नेतृत्व में दुनिया में भारत का सम्मान बढ़ा है। देश की सीमाएं सुरक्षित हुई हैं। सीएम योगी ने 6.47 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण करने के साथ विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद भी किया। योगी ने कहा कि पहले गोरखपुर के लोग कल्पना नहीं कर सकते थे कि यहां फर्टिलाइजर, फोरलेन सड़क, एम्स आदि भी होगा। पर इस डबल इंजन की सरकार ने इन सपनों को साकार किया है। योगी ने सभी लोगों को आगामी खिचड़ी मेले और प्रभु श्रीराम के प्राण प्रतिष्ठा समारोह की शुभकामनाएं भी दीं।

खास बातें

- मोदी ने देश के 140 करोड़ लोगों को परिवार समझा
- 6 .47 करोड़ की परियोजनाओं का किया शिलान्यास
- यूपी में 15 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिल रहा

सीएम योगी ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने देश की तस्वीर और तकदीर दोनों बदली है। उनके नेतृत्व में दुनिया में भारत का सम्मान बढ़ा है। देश की सीमाएं सुरक्षित हुई हैं।

मोदी ने लोगों की भलाई के लिए कार्य किए

सीएम योगी ने कहा कि जब केंद्र व राज्य में भाजपा की सरकार नहीं थी तो लोगों को शौचालय, आवास, राशन, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली के लिए भटकना पड़ता था। पर, जब वर्ष 2014 में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में सरकार बनी तब उन्होंने देश के 140 करोड़ लोगों को परिवार की तरह समझकर प्रतिबद्धता व ईमानदारी के साथ उनकी भलाई के लिए कार्य किया।

सभी को मिल रहा योजनाओं का लाभ

सीएम योगी ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप बिना भेदभाव सभी गरीबों को योजनाओं का लाभ मिल रहा है। आज देश मे 80 करोड़ तथा यूपी में 15 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिल रहा है। आज देश में 50 करोड़ व यूपी में 10 करोड़ लोगों को आयुष्मान योजना के तहत प्रति वर्ष पांच लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा कवर मिल रहा है। आज देश में 4 करोड़ व प्रदेश में 55 लाख गरीब परिवारों को आवास का लाभ मिला है।

सैनिक स्कूल के निर्माण कार्य का लिया जायजा

गोरखपुर के सैनिक स्कूल में इस साल से पढ़ाई शुरू हो जाएगी। सत्र प्रारंभ होने से पहले निर्माण कार्य पूर्णतः पूर्ण हो, इसे लेकर सीएम योगी ने निर्माण के अंतिम चरण में पहुंच चुके सैनिक स्कूल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण की स्थलीय प्रगति जानने के साथ इसके मॉडल को भी देखा और जरूरी निर्देश दिए।

यूपी में 1.75 करोड़ गरीबों को मुफ्त में रसोई गैस कनेक्शन

सीएम ने कहा कि पहले गरीबों के पास शौचालय नहीं था तथा खुले में शौच से नारी गरिमा को हानि होती थी। आज देश में 12 करोड़ व यूपी में 3 करोड़ गरीबों के शौचालय बनवाएं गये। पहले गरीब के घर में भोजन के लिए न ईंधन, न गैस सिलेंडर, न केरोसिन, न कोयला की व्यवस्था थी। आज देश में 10 करोड़ व यूपी में 1.75 करोड़ गरीबों को मुफ्त में रसोई गैस कनेक्शन दिए गये हैं। प्रदेश सरकार ने होली व दीपावली में मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर देने का कार्य भी शुरू किया है।

सबको लाभ देने के लिए आई है मोदी की गारंटी वैन

सीएम ने कहा कि जिनको पात्रता के बावजूद योजनाओं का लाभ नहीं मिला है उन्हें हर हाल में इससे लाभान्वित किया जाएगा। इन योजनाओं में सौ प्रतिशत संतृप्त की प्राप्ति के दिशा में कार्य करेंगे तो जनता का आशीर्वाद सदा प्राप्त होगा। पीएम मोदी की गारंटी वैन इस संकल्प को आगे बढ़ाने हेतु आई है।

रामलला की पांच साल की श्यामल मूर्ति होगी स्थापित

एजेंसी ▸▸ अयोध्या

राम मंदिर के गर्भगृह में स्थापित होने वाली रामलला की मूर्ति श्यामल होगी। स्थापना के लिए तीन मूर्तिकारों ने अलग-अलग मूर्तियां बनाई हैं। उनमें से एक मूर्ति को स्वीकार कर लिया गया है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि राम भगवान विष्णु के अवतार थे इसलिए इस बाल्यकाल स्वरुप मूर्ति का रंग श्याम वर्ण रखा गया है। मूर्ति पांच साल के बालस्वरूप की बनाई गई है। जिसमें चेहरे पर बाल स्वरुप, देवत्व और एक राजा के पुत्र के भाव साफ़ झलक रहे हैं। पैर की अंगुली से लेकर ललाट तक रामलला की मूर्ति की ऊंचाई 51 इंच होगी। इसके ऊपर मुकुट व आभामंडल होगा। 18 जनवरी को अचल मूर्ति को अपने आसन पर विराजित कर दिया जाएगा। यह अचल मूर्ति डेढ़ टन की और श्यामल पत्थर की है।

'गर्भगृह में केवल रामलला की ही मूर्ति स्थापित की जाएगी'

इसके साथ ही चंपत राय ने बताया कि गर्भगृह में केवल रामलला की ही मूर्ति स्थापित की जाएगी। मां जानकी, लक्ष्मण और हनुमान जी के साथ की मूर्ति प्रथम तल वाले मंदिर में रखी जाएगी। मां जानकी के साथ गर्भगृह में मूर्ति ना रखने का कारण बताते हुए उन्होंने कहा कि गर्भगृह में बाल्यकाल के समय की मूर्ति है, इसलिए उसमें मां जानकी की मूर्ति नहीं है। चंपत राय ने बताया कि मंदिर के पूर्ण निर्माण में अभी 6 से 8 महीने का समय और लगेगा।

रामलला को भेंट के लिए सीताजी के मायके से आई सामग्री

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर देश के अलग-अलग राज्यों से उनके लिए कुछ न कुछ भेजा जा रहा है ऐसे में प्रभु श्रीराम की ससुराल से कुछ न आए ऐसा कैसे हो सकता है। प्राण प्रतिष्ठा के लिए सीताजी के मायके जनकपुर नेपाल से भेंट भेजी गई है। सर्दी में कार्यक्रम होने की वजह से गर्म कपड़े के तौर पर रामलला को कोट और ब्लेजर भी भेजा गया है। सीताजी के मायके से रामलला के लिए कपड़े, चांदी की थाल, सुहाग की निशानी और आभूषण सहित कई अन्य चीजें भेजी की गई हैं।

भव्य होगी अयोध्या की सरयू आरती

अयोध्या में 8 जनवरी को 24 मार्च तक रामकथा का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही कई सांस्कृतिक कार्यक्रम भी लगातार आयोजित किए जाएंगे। प्रमुख सचिव संस्कृति मुकेश मेश्राम ने बताया कि वाराणसी की गंगा आरती की तरह सरयू आरती को और भव्य बनाया जाएगा। इसके लिए लोगों को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

पेज एक का शेष

भारतीय सनातन संस्कृति को...

संस्कृत वैज्ञानिक भाषा है। दुनिया के कई विद्वानों ने प्रकृति और सृष्टि को समझने के लिए संस्कृत का ही अध्ययन किया। उन्होंने कहा कि संस्कृत का अहम स्थान है। योग दर्शन भी महर्षि पतंजलि ने संस्कृत में ही लिखा था। उन्होंने संस्कृत पढ़ने लिखने और बोलने वालों की कम होती संख्या को लेकर चिंता जताई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शनिवार को हरिद्वार में पतंजलि गुरुकुलम एवं आचार्यकुलम के शिलान्यास समारोह को संबोधित कर थे। उन्होंने कहा कि योग गुरु बाबा रामदेव वेद और योग को सरलता से जनमानस तक पहुंचा रहे हैं इसके लिए वह बधाई के पात्र हैं।

पतंजलि गुरुकुलम में 1500 छात्रों के लिए आवासीय सुविधाएं: पतंजलि योग पीठ का 29वां स्थापना दिवस और स्वामी दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती तथा गुरुकुल के संस्थापक स्वामी दर्शनानंद की जयंती के अवसर पर यह कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। 118 साल पहले स्वामी दर्शनानंद द्वारा तीन बीघे जमीन, तीन ब्रह्मचारी और तीन चवन्नियों के साथ शुरू किए गए गुरुकुल का नाम स्वामी दर्शनानंद गुरुकुल महाविद्यालय ज्वालापुर होगा। 10 करोड़ की लागत से बनने वाले पतंजलि गुरुकुलम के नए सात मंजिला परिसर में करीब 1500 छात्रों के लिए आवासीय सुविधाएं भी होंगी।

10 हजार करोड़...

अल्प संसाधनों से यह संस्था प्रारंभ कर एक स्वप्न देखा था जिसे स्वामी रामदेव साकार कर रहे हैं। कार्यक्रम में सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भगवान राम फिर से अयोध्या में विराजमान हो रहे हैं। आज चाहे काशी विश्वनाथ के भव्य कॉरिडोर का निर्माण हो या बद्रीनाथ का मास्टर प्लान और केदारनाथ का पुनर्निर्माण हो। हर जगह काम हो रहा है।

स्वामी रामदेव पुण्य ...

है। स्वामी दयानंद ने 200 साल पहले जो अलख जगाया और स्वामी दर्शनानंद महाराज ने गुरुकुलों के माध्यम से जिन मूल्यों और विचारों का प्रसार किया, उन सबको नई शिक्षा नीति में सम्मिलित किया गया है। शिलान्यास समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, केंद्रीय मंत्री अर्जुन मेघवाल, राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी भी उपस्थित थे।

आदित्य-एल-1 का...

'लैग्रेंज प्वॉइंट ए' वह क्षेत्र है जहां पृथ्वी और सूर्य के बीच गुरुत्वाकर्षण निष्क्रिय हो जाता है। प्रभामंडल कक्षा, एल 1 , एल 2 या एल 3 लैग्रेंज प्वाइंट ए में से एक के पास एक आवधिक, त्रि-आयामी कक्षा है। इसरो के ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी-सी57) ने दो सितंबर को श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (एसडीएससी) के दूसरे प्रक्षेपण केंद्र से आदित्य-एल1 को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया था।

सूर्य तक कौन-कौन पहुंच चुका ?: भारत ने पहली बार सूर्य मिशन लॉन्च किया है। भारत से पहले 22 मिशन सूर्य पर भेजे जा चुके हैं। सूर्य का अध्ययन करने के लिए अमेरिका, जर्मनी, यूरोपियन स्पेस एजेंसी शामिल है। बता दें कि सूर्य का अध्ययन करने के लिए सबसे अधिक सूर्य मिशन नासा ने भेजे हैं। नासा ने अकेले 14 सूर्य मिशन भेजे हैं। यूरोपियन स्पेस एजेंसी ने भी नासा के साथ मिलकर 1994 में सूर्य मिशन भेजा था। नासा ने 2001 में जेनेसिस मिशन लॉन्च किया था। इस मिशन का मकसद सूरज के चारों तरफ चक्कर लगाते हुए सौर हवाओं का सैंपल लेना था।

मोदी ने देश की राजनीति की संस्कृति को बदला: नड्डा

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ चंडीगढ़

लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर शनिवार को भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने स्वागत में रखे रोड शो के दौरान कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की राजनीति की संस्कृति को बदलने का काम किया है। उन्होंने कहा कि पहले वोट बैंक के लिए जाति-पाति, अगड़ा-पिछड़ा, पहाड़ी-मैदानी और धर्म को धर्म से लड़ाने तथा देश को विभाजित करने वाली राजनीति चलती थी, लेकिन नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री बनने के बाद सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास का एक नया राजनीतिक संदेश दिया, जिससे भारत को आगे बढ़ने का मंत्र मिला। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने प्रदेश के मुख्यमंत्री की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि तीसरी बार मोदी सरकार और तीसरी बार मनोहर सरकार एक विचार से जुड़ी बात है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में मनोहर सरकार बेहतरीन कार्य कर रही है। मनोहर लाल के नेतृत्व में हरियाणा जैसे कैरोसीन मुक्ति हुआ, वैसे गरीबी से भी मुक्त हो रहा है। नड्डा के पंचकूला पहुंचने पर मुख्यमंत्री मनोहर लाल, प्रदेश प्रभारी बिप्लब देब और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष नायब सिंह सैनी ने उनका स्वागत किया। कार्यकर्ताओं की जबरदस्त भीड़ और उनके जयकार के नारों के बीच नड्डा फूलों से सजी खुली गाड़ी में सवार हुए। मुख्यमंत्री मनोहर लाल, प्रदेश प्रभारी बिप्लब देब, प्रदेश अध्यक्ष नायब सैनी भी गाड़ी में रहे, जबरदस्त फूलों की बरसात के बीच रोड शो शुरू हुआ। रोड शो के दौरान अपना संबोधन रखते हुए जेपी नड्डा ने कहा कि हमें खुशी होती है कि प्रधानमंत्री मोदी दुनिया के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता हैं। हमें गर्व और गौरव इस बात का होता है कि मोदी जी भारतीय जनता पार्टी के नेता हैं। लोगों के उत्साह और उल्लास को देखते हुए नड्डा ने कहा कि आप लोगों ने बता दिया है कि तीसरी बार मोदी सरकार और तीसरी बार मनोहर सरकार केवल एक नारा नहीं , बल्कि एक विचार से जुड़ी बातें हैं। प्रधानमंत्री मोदी भाजपा के नेता, कार्यकर्ता और संगठक हैं, जिन्होंने अपना जीवन इस विचारधारा के लिए समर्पित कर दिया। नड्डा ने कहा कि दुनिया में सबसे अधिक लोकप्रिय नेता नरेंद्र मोदी जैसी शख्सियत हमें उत्साह से भर देती है। नड्डा ने कहा कि मोदी का दुनिया में डंका बजा है। मोदी ने भारत को 10 सालों में इतना मजबूत कर दिया है कि यह स्वर्ण अक्षरों में लिखे जाने वाला है।

- पंचकूला में किया रोड शो, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने दिया तीसरी बार मोदी-मनोहर सरकार का नारा

झारखंड सीएम के प्रेस एडवाइजर को ईडी ने किया तलब

1000 करोड़ से अधिक का मनी लॉन्ड्रिंग मामला

एजेंसी ▸▸ रांची

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने झारखंड में कथित अवैध खनन से जुड़ी धनशोधन की जांच के सिलसिले में पूछताछ के लिए राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रेस सलाहकार अभिषेक प्रसाद और साहिबगंज के उपायुक्त राम निवास यादव को तलब किया है। अधिकारियों ने बताया कि अभिषेक प्रसाद उर्फ पिंटू को 16 जनवरी को संघीय एजेंसी के रांची कार्यालय में, यादव को 11 जनवरी को और एक अन्य व्यक्ति बिनोद सिंह को 15 जनवरी को पेश होने के लिए कहा गया है। सूत्रों ने कहा कि उनके बयान धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दर्ज किए जाएंगे।

ईडी ने तीन जनवरी को इन लोगों और साहिबगंज के पुलिस उपाधीक्षक राजेंद्र दुबे और कुछ अन्य के परिसरों पर छापेमारी की थी। एजेंसी ने बताया कि यह कार्रवाई साहिबगंज में अवैध पत्थर खनन के मामले से संबंधित थी, जिसमें "अपराध से अर्जित 1,000 करोड़ रुपये से अधिक की आय शामिल थी। साहिबगंज क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध खनन गतिविधियां की जा रही थीं और इन गतिविधियों की सीमा का पता लगाने के लिए, झारखंड सरकार के प्रशासनिक, वन, खनन और प्रदूषण नियंत्रण विभागों के साथ ईडी के अधिकारियों ने 20 संयुक्त निरीक्षण किए थे।" ईडी ने जुलाई 2022 में पंकज मिश्रा को गिरफ्तार किया था और वह फिलहाल न्यायिक हिरासत में जेल में बंद है। बयान में कहा कि "आपत्तिजनक" दस्तावेज और डिजिटल डेटा जब्त करने के अलावा, उसने उपायुक्त (डीसी) राम निवास यादव के कार्यालय से 7.25 लाख रुपए सहित 36.99 लाख रुपए की नकदी भी बरामद की थी।

सीबीआई ने भी जांच की

ईडी ने कहा कि धनशोधन का मामला बिष्णु यादव, पवित्रा यादव और सोरेन के राजनीतिक सलाहकारों में से एक पंकज मिश्रा और अन्य के खिलाफ झारखंड पुलिस द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी पर आधारित है। इसने कहा कि बाद में झारखंड उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसार मामले को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने अपने हाथ में ले लिया था। जांच में पता चला कि अवैध खनन के इस मामले का 'सरगना' पंकज मिश्रा था।

एक-दूसरे से सहज संपर्क के लिए ईजाद किया गया मोबाइल फोन, अब हमारी जीवनशैली का जरूरी हिस्सा बन चुका है। इसमें मौजूद तकनीकों ने बहुत सहूलियतें दी हैं तो यह हमारे बारे में दूसरों को बहुत-सी जानकारियां भी दे सकता है। हमारे व्यवहार, मानसिकता और सामाजिक छवि के बारे में भी हमारा मोबाइल फोन बहुत कुछ बताता है।

हमारे बारे में बहुत कुछ बताता है मोबाइल फोन

कवर स्टोरी
किरण भास्कर

इस समय दुनिया में कुल जितनी आबादी है, उससे करीब डेढ़ गुना ज्यादा मोबाइल फोन मौजूद हैं। एक अनुमान के मुताबिक धरती के हर कोने में, हर समय करीब चार अरब से ज्यादा मोबाइल फोन सक्रिय रहते हैं। मोबाइल फोन अब महज एक-दूसरे के साथ संपर्क का जरिया भर नहीं है बल्कि यह हर साल तीन ट्रिलियन से ज्यादा के ऑनलाइन और मोबाइल कारोबार का बुनियादी जरिया भी बन चुका है। दुनिया में हर दिन इसी मोबाइल फोन की बदौलत जहां करोड़ों दिल प्यार की डोर में बंधते हैं, वहीं लाखों लाख दिल हर दिन इसी मोबाइल के जरिए टूट भी जाते हैं। आज शासन-प्रशासन की ज्यादातर गतिविधियां भी मोबाइल फोन से ही संपन्न होती हैं। लब्बोलुआब यह कि आज मोबाइल फोन सिर्फ सूचना पाने या देने का जरिया ना होकर, यह हमारी आधुनिक जीवनशैली का जरूरी हिस्सा बन चुका है।

रिलेशन अप्रोच करता है साबित

जब तक मोबाइल फोन नहीं थे, दुनिया में सिर्फ लैंडलाइन फोन ही थे, तब तक किसी से फोन पर बात करने या ना करने की हमारे पास भरपूर छूट हुआ करती थी। मान लीजिए किसी ऐसे व्यक्ति का फोन हमारे लैंडलाइन पर आया, जिससे हम बात नहीं करना चाहते, तो किसी और से कहला दिया जाता था कि आपको जिनसे बात करनी है, फिलहाल वो यहां मौजूद नहीं हैं। लेकिन अब इस तरह की छूट लेना संभव नहीं रहा, क्योंकि भले आपका मोबाइल फोन उठाकर कोई अन्य सदस्य कॉल करने वाले से यह कह दे कि आपको जिनसे बात करनी है, वो यहां मौजूद नहीं हैं, सिर्फ उनका मोबाइल फोन यहां छूट गया है। लेकिन अब आपकी ऐसी बातों पर कोई आसानी से यकीन नहीं करेगा। भले यह सौ फीसदी सच हो, क्योंकि मोबाइल फोन का मतलब होता है, ऐसा फोन जो सिर्फ आपके पास रहता है और जिसे आप ही उठाने या ना उठाने का निर्णय करते हैं। इसलिए आज के दौर में किसी का फोन अगर कोई नहीं उठाता, तो इसका साफ संदेश होता है कि आपसे वह बात नहीं करना चाहता। पहले कई तरह के दूसरे बहानों की गुंजाइश थी, लेकिन अब नहीं रह गई है। इसलिए आज की तारीख में किसी का फोन उठाना या ना उठाना, आपके उस व्यक्ति के साथ रिश्ते अच्छे होने या ना होने का आधार माना जाता है।

कॉलर की पहचान हुई आसान

आज की तारीख में मोबाइल फोन इसलिए एक सेंसिटिव, एटिकेट और रिलेशन का मानक बन गया है, क्योंकि आज तकनीक ने हमसे वो तमाम बहाने छीन लिए हैं, जिनकी बदौलत पहले हम यह भ्रम पाल सकते थे या किसी और से पलवा सकते थे कि वास्तव में हमें आपकी सही-सही पहचान का पता नहीं चलता था। लेकिन आज ऐसा नहीं है। करीब-करीब हर व्यक्ति के फोन में यह सुविधा है कि जब कोई फोन आ रहा हो

तो साफ पता चल सके कि फोन कौन व्यक्ति कर रहा है। जिन्हें अभी यह सुविधा उपलब्ध नहीं है या जो इसका उपयोग नहीं करते, उन्हें भी कम से कम इतना तो पता चल ही जाता है कि फोन कौन कर रहा है? अगर उसका फोन नंबर आपके मोबाइल में मौजूद है या उससे नियमित बात होती है तो।

लोकेशन भी बताता है फोन

अब तो कई ऐसी नई तकनीकें भी आ चुकी हैं, जिनके कारण लोगों का यह बहाना भी छिन गया है, जिसमें वे होते कहीं और थे, जबकि बताते कहीं और थे। इससे उन्हें बात ना करने की छूट मिल जाती थी। आज बहुत मामूली भुगतान पर ऐसे तकनीकी एप मौजूद हैं, जो आपको बताते हैं कि फोन करने वाला व्यक्ति कहां से फोन कर रहा है? यानी कॉलर की प्रेजेंट लोकेशन क्या है? इसलिए आप दिल्ली में बैठे हुए किसी व्यक्ति से यह नहीं कह सकते कि मैं मुंबई में हूं। बेहतर यही है कि मोबाइल से बात करते समय अपनी लोकेशन के बारे में सच ना छुपाएं।

यहां जिक्र की गई क्वालिटीज के अलावा भी फोन की तकनीक ने हमारी जिंदगी के बहुत सारी परतों को सबके सामने खोलकर रख दिया है। कुल मिलाकर कहने की बात यह है कि आज रोजमर्रा की जिंदगी में फोन हमारी जीवनशैली और रोजगार से लेकर भावनाओं के कारोबार तक का जरिया बन चुका है, इसलिए फोन का बहुत सटीक और जितना हो सके ईमानदार उपयोग करें, वरना आपकी सालों की बनी-बनाई इमेज को मोबाइल फोन पलक झपकने की देरी में डैमेज कर सकता है। *

फॉलो करें मोबाइल एटिकेट्स

मोबाइल फोन के पर्सनल यूज में सावधानियों के साथ शिष्टता का बर्ताव करते हुए कुछ प्रैक्टिकल टिप्स को भी याद रखना चाहिए।

- जब भी किसी क्लोज फ्रेंड या रिलेटिव से पब्लिक प्लेस या वर्कप्लेस पर बात करें तो उसके फोन को स्पीकर पर ना डालें। इससे फोन करने वाले को इंसल्ट महसूस होती है। उसे लगता है उसकी बातें दूसरे ऐसे लोग भी सुन रहे हैं, जिनको नहीं सुनना चाहिए, फिर चाहे भले ऐसा ना हो रहा हो।
- फोन से बात करते हुए कभी भी अपनी आवाज बहुत तेज ना करें। कोशिश करें कि किसी सार्वजनिक जगह पर फोन से तभी बात करें, जब आपके आस-पास 4-5 फीट तक कोई ना खड़ा हो।

- वो दिन बीत गए जब लोग धड़ल्ले से दूसरों का लैंडलाइन फोन इस्तेमाल किया करते थे। मोबाइल के दौर में दूसरे के फोन के इस्तेमाल की कोशिश ना करें। यदि मजबूरी में ऐसा करना हो तो बिना परमिशन ऐसा ना करें।
- अगर आप किसी मीटिंग या पब्लिक प्लेस पर हैं और बात नहीं कर सकते तो कॉल करने वाले को मैसेज से सूचना जरूर दे दें कि बाद में आप कॉल करेंगे। *

डिजिटल संवाद का पसंदीदा सिंबल इमोजी

व्हाट्सअप, मैसेंजर, एसएमएस, ई-मेल, फेसबुक या ट्विटर, सोशल मीडिया या डिजिटल कम्युनिकेशन का कोई भी ऐसा प्लेटफॉर्म नहीं है, जहां इन दिनों इमोजी का जमकर इस्तेमाल ना हो रहा हो। सच यही है कि आज की डिजिटल होती लाइफस्टाइल में इमोजी पूरी तरह फिट हो गई है।

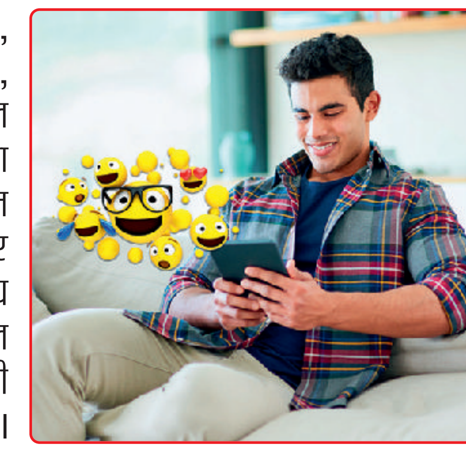

टेक्नोलाइफ / लोकमित्र गौतम

आज के दौर में पूरी दुनिया में लोग एक-दूसरे को जो डिजिटल मैसेज भेजते हैं, उनमें शायद ही किसी भी भाषा का कोई शब्द इतना ज्यादा इस्तेमाल होता हो, जितनी ज्यादा इमोजी का इस्तेमाल होता है। जी हां, वही छोटी-छोटी आकृतियां जिन्हें स्माइली भी कहा जाता है। दुनिया भर में हर दिन लोग आपस में डिजिटल संवाद करते हुए 6 बिलियन से ज्यादा बार इमोजियों का इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसा होना स्वाभाविक है, क्योंकि इमोजीज, डिजिटल संवाद को नए अर्थ ही नहीं, नए आयाम भी देती है। दरअसल, जब हम मन में उमड़-घुमड़ रहे असीमित भावों को शब्दों में व्यक्त कर पाने में असमर्थता महसूस करते हैं, तो ये छोटी-छोटी डिजिटल सिंबल्स हमारे बहुत काम आती हैं।

कहां से आई इमोजी: इमोजी, जापानी भाषा का शब्द है, जिसका मतलब होता है, चित्राक्षर। इ का मतलब होता है- चित्र और मोजी का मतलब अक्षर या वर्ण। इसे एक छोटी डिजिटल इमेज या आइकन भी कहा जा सकता है। इसका विकास साल 1997 में एक जापानी कलाकार शिगेताका कूरिता ने किया था। शिगेताका पेशे से इंजीनियर नहीं, अर्थशास्त्र से स्नातक थे और टेलीकॉम कंपनी डोकोमो में काम करते थे। उन्होंने ही पहली बार 176 इमोजी बनाए थे, जो दुनिया में इमोजीज का पहला सेट माना जाता है। इसमें 11X12 ग्रिड पर फिक्सेलेटिड रंगीन कार्प, सिलाई जैसे डिजाइन प्रस्तुत किए गए थे। इसके लिए सड़क संकेतों और चीनी अक्षरों से बनने वाले संकेतों का भी सहारा लिया गया था। इसका उद्देश्य उस जमाने में सेलफोन पर एक सीमित टेक्स्ट को असीमित आयाम देना था, क्योंकि उन दिनों 250 अक्षरों (कैरेक्टर्स) में ही अपना संदेश लिखने की बाध्यता होती थी। इस सीमा में रह कर अपने सीमित संदेश को कैसे असीमित आकार दें, इमोजी के संकेताक्षरों की खोज इसी उद्देश्य के लिए हुई थी।

यंगस्टर्स ने बढ़ाई पॉपुलैरिटी: वैसे कम्युनिकेशन में इमोजी का अस्तित्व पिछली सदी में ही अपनी जगह बना चुका था, लेकिन इसकी लोकप्रियता में उफान मौजूदा सदी के साल 2011 में तब आया, जब इसने धीरे-धीरे युवाओं को आपसी संवाद की भाषा में अपने इस्तेमाल के लिए आकर्षित किया। चार साल बाद सन् 2015 में 'ऑक्सफोर्ड इंग्लिश डिक्शनरी' ने इमोजी शब्द को अपने यहां जगह दी, जिस कारण इसे एक विश्वव्यापी परिभाषा मिली। ऑक्सफोर्ड इंग्लिश डिक्शनरी में इमोजी के लिए लिखा गया, 'फेस विद टीयर्स ऑफ जॉय।' इमोजी के बारे में अगर कहा जाए कि यह डिजिटल जनरेशन की सबसे पसंदीदा भाषा है, और पूरी दुनिया में इसकी एक जैसी वर्तनी और एक जैसी अभिव्यक्ति है, तो इसमें जरा भी अतिश्योक्ति नहीं होगी। यही वजह है कि बिना किसी प्रचार या प्रयास के भी आज हर दिन पूरी दुनिया में 6 बिलियन से ज्यादा इमोजीज का लोग आपसी संवाद में इस्तेमाल करते हैं। यह दुनिया की पहली ऐसी डिजिटल भाषा है, जो इस्तेमाल तो इमेज के रूप में होती है, लेकिन दिमाग में उसके भाव शब्दों के रूप में अर्थ पाते हैं। जून 2018 तक यूनिकोड 1,823 इमोजी को पहचानता था, जिनकी संख्या आज की तारीख में (यूनिकोड वर्जन 15.0 में) बढ़कर 3,664 हो चुकी है। यह चित्रमय भाषा दुनिया को, विशेषकर युवाओं को इस कदर आकर्षित कर रही है कि पिछले तीन सालों में इसका 775 प्रतिशत इस्तेमाल बढ़ा है। एक अनुमान के मुताबिक दुनिया भर में 92 प्रतिशत से ज्यादा मिलेनियल्स यानी, जिनका जन्म 21वीं में हुआ है, इसका प्रयोग करते हैं।

हर एज के लोग करते हैं यूज: 'एप बाय' नामक एक एप ने अपने सर्वे के जरिए यह निष्कर्ष निकाला है कि इंटरनेट का इस्तेमाल करने वाले 78 फीसदी से ज्यादा लोग अपने टेक्स्ट मैसेजों में इमोजी का इस्तेमाल करते हैं। सबसे ज्यादा अपने लिखित संदेशों में इमोजी का इस्तेमाल करने वाले उपभोक्ताओं की उम्र 44 साल से कम होती है। जबकि 45 साल और उसके अधिक उम्र के लोग इनके इस्तेमाल को लेकर थोड़े उदासीन होते हैं, फिर भी 24 फीसदी इस उम्र के लोग भी इनका इस्तेमाल खूब करते हैं। *

गजल / डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

झूठ के बाजार में

झूठ के बाजार में शाइस्तगी चलती नहीं
चापलूसी होती है पर मुफलिसी चलती नहीं
पेट की खातिर जलाना पड़ता खुद को रात-दिन
इश्क करने से किसी की जिंदगी चलती नहीं
वक्त आ जाए बुरा तो आगे बढ़कर जीस्त में
जूझना पड़ता है हरदम बुजदिली चलती नहीं
लोग मिलते हैं जहां में खुद-परस्ती के लिए
आजकल राहे वफा में दोस्ती चलती नहीं
दूर जाना पड़ता है सबको अकेले एक दिन
आसमां चलता नहीं ये सरजमीं चलती नहीं
शौक से जलता है परवाना शमा के सामने
बेखुदी के हाल में आवारगी चलती नहीं
रंज वो ही पालते हैं, जिनके मन में खोट है
हो खुलूसे दिल अगर तो दुश्मनी चलती नहीं

भाव श्रद्धा का न हो तो बंदगी किस काम की
आस्था के नाम पर दीवानगी चलती नहीं
सहना पड़ता है चमन का दर्द गुल के वास्ते
सिर्फ लफ्फाजी से 'नवरंग' शायरी चलती नहीं

पुस्तक चर्चा / सरस्वती रमेश

स्त्री जीवन की कहानियां

बेटी को भले ही पराया धन माना जाता है लेकिन ब्याह के बाद भी एक बेटी अपने बाबुल को कभी पराया नहीं समझती। ताउम्र वह अपने मायके की खुशहाली के जतन में लगी रहती है। किसी कारणवश ब्याही बेटी को अगर मायके लौटना पड़े तो वह अपने ही घर मे बोझ बन जाती है। जलालत और रोज-रोज का क्लेश उसके जीवन का अंग बन जाता है। कुछ ऐसी ही बेटियों की संवेदनाओं और संघर्षों को बयां करती कहानियों का संग्रह है 'बाबुल और अन्य कहानियां।'

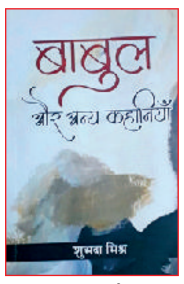

इस संग्रह में कुल दस कहानियां हैं। अधिकतर कहानियों में नायिकाएं बेटियां हैं। ये ऐसी बेटियां हैं, जो ससुराल से मायके में लौटते ही अपनों की आंखों की किरकिरी बन जाती हैं, फिर भी अपनी जिम्मेदारियों से पीछे नहीं हटती हैं। 'तारनहार', 'बाबुल', 'सजा' ऐसी ही बेटियों की कहानियां हैं। 'सजा' कहानी में नायिका को मिले कष्टों के साथ रिश्तों की बेमानी होने की पीड़ा को भी महसूस कर सकते हैं।

'छलावा' चालीस पार की एक स्त्री के प्रेम में पड़ने की कहानी है। लेखिका ने बड़ी बारीकी से नायिका के एहसासों को उकेरा है। 'कीमत' एक भुतहे घर की कीमत लगने की रोमांचक कहानी है। कहानियों की भाषा सहज-सरल है। यही वजह है कि पाठक इनसे सहज ही जुड़ जाता है। असल में ये ऐसी कहानियां हैं, जिनके कथानक हम अपने घर, परिवार, पड़ोस या रिश्तेदारी में देख सकते हैं। *

पुस्तक: बाबुल और अन्य कहानियां (कहानी संग्रह), **लेखिका:** शुभदा मिश्र, **मूल्य:** 200 रुपए, **प्रकाशक:** वैभव प्रकाशन, रायपुर

लघुकथाएं

अनमोल अमानत

तन्मय बदहवास-सा भागता हुआ रद्दी का सामान लेने वाले मंगतलाल की दुकान पर आया। वह हांफ रहा था। सांसों को संभालते हुए तन्मय बोला, 'मेरे घर से अभी अभी रद्दी लेकर तुम्हीं आए थे ना चाचा। उसमें एक साड़ी थी, बहुत पुरानी। पत्नी ने गलती से रद्दी के सामान के साथ तुम्हें बेच दी है चाचा। उससे बहुत बड़ी भूल हो गई। मैं घर में होता तो बिना जांचे तुम्हें रद्दी का सामान नहीं बेचता। असल में मैं बाजार चला गया था कुछ सामान लाने।'

तन्मय की आवाज में अपनी अमानत को लेकर गहरी चिंता थी।

मंगतलाल किसी की आई हुई रद्दी तौल रहा था। रद्दी तराजू पर चढ़ाते हुए बोला, 'बहुत कीमती साड़ी थी क्या बेटा? उसमें सोना-चांदी तो नहीं जड़ा था?'

'नहीं सोना-चांदी तो नहीं जड़ा था। तांत की सफेद साड़ी थी। साइड में ब्लू रंग का बॉर्डर था।' तन्मय ने बताया। मंगतलाल कुछ नहीं बोला।

तन्मय ने आतुरता से पूछा, 'हमारे घर से जो रद्दी लाए थे, कहां रखी है आपने चाचा?'

मंगतलाल ने इशारे से बताया, 'वो देखो कोने में रखी हुई है, सफेद वाले बोरे में।' तन्मय तेजी से बोरे के पास गया, उसे खोलकर रद्दी खंगालने लगा। बोरे में नीचे सफेद साड़ी झांक रही थी। तन्मय की खुशी का ठिकाना ना रहा। वह खुशी से बोला, 'मंगत चाचा, मिल गई साड़ी!' मंगतलाल ने साड़ी को हाथ में लेकर देखा। सफेद रंग की साड़ी जगह-जगह से फटी हुई थी। मन ही मन उसने सोचा इसके तो कोई पांच रुपए भी ना देता। मंगतलाल मजाक में बोला, 'बेटा, पांच सौ रुपए लगेंगे इस साड़ी के।'

तन्मय ने झट से बटुए से पांच सौ रुपए का नोट निकाल कर मंगतलाल के हाथ पर रख दिया और बोला, 'चाचा, आपने बहुत कम पैसे इस साड़ी के मांगे हैं। अगर आपने पांच हजार रुपए भी मांगे होते तो मैं खुशी-खुशी दे देता। यह मेरी मां की आखिरी निशानी है।' तन्मय साड़ी लेकर आगे बढ़ने को हुआ तो मंगतलाल ने टोका, 'सुनो बेटा, मैंने अभी बहू को रद्दी के पैसे दिए नहीं हैं। सोचा था दोपहर जाकर दे आऊंगा। यह पांच सौ रुपए का नोट वापस रख लो। बड़ी अजीब बात है, कोई इतनी मामूली चीज के पांच सौ रुपए देने को तैयार है!'

'आपके लिए यह मामूली होगी मंगत चाचा। मेरे लिए तो यह अनमोल अमानत है। मेरी मां की आखिरी निशानी है यह साड़ी।' यह कहते हुए तन्मय की आंखें छलक आई थीं। *

-महेश कुमार केशरी

पहचान

यह जनवरी की एक मखमली दोपहर थी। माहौल में शोखियां उरूज पर थीं। प्रदेश की कला अकादमी आज चित्रकार उमा को एक विशेष पुरस्कार से सम्मानित कर रही थी। उमा की सहेलियां तो उससे भी पहले सभा स्थल पर आ गई थीं। आती भी कैसे नहीं, उनकी सहेली उमा के साथ उन्हें भी तो उस समारोह की शोभा बनना था।

जब उमा की वह कलाकृति लगाई गई, जिसके लिए पुरस्कार मिलना था तो उसको देखकर सखियां हतप्रभ रह गईं। सखियों ने एक ही बार में पहचान लिया था कि कलाकृति में जो उदास-हताश बच्चे दिख रहे हैं, वह उमा की पुरानी काम वाली बाई के हैं। उमा ने अपनी कृति में गरीब बच्चों की पीड़ा को उकेरा था, जिसे देखकर किसी का भी हृदय द्रवित हो सकता था।

तभी समूचा हाल ताली की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। उमा को मंच पर बुलाकर सम्मानित किया गया। उसके लिए बधाई और शुभकामनाओं की बरसात होने लगी। लौटते समय एक सहेली ने उमा से कहा, 'लेकिन उमा ये बच्चे तो अब बहुत ही अच्छे एथलीट हैं, स्कॉलरशिप भी पा रहे हैं। इस तरह उनकी अनुमति के बगैर उनका चित्र बनाकर तुमने गलत तो नहीं किया?'

'अरे, जाने दो यार, मेरे टुकड़ों पर पलते थे वे बच्चे। आज वो कौन-सा खुद को पहचान लेंगे।' कहकर उमा ने अपनी अवार्ड ट्रॉफी को गौरव-भाव से चूम लिया। *

-हरीश चंद्र पांडे

स्नेह

अमन बहुत दिनों से नोटिस कर रहा था कि उसके घर के पास काम करने वाला एक बुजुर्ग उसे घूरता रहता था। जब भी अमन वहां से गुजरता, वह बुजुर्ग उसे ध्यान से देखता रहता। कभी-कभी तो वह अमन को देखकर मुस्कुरा भी देता। अमन को लगता कि कहीं यह बुजुर्ग कोई चोर-उचक्का तो नहीं है, जो उस पर नजर बनाए हुए है। अवसर पाकर उसको लूट लेगा। लेकिन उसकी उम्र को देखकर नहीं लगता था कि वह ऐसा कुछ करेगा। फिर भी अमन को अजीब-सा डर सताए रहता था।

एक दिन अमन ऑफिस के लिए निकल रहा था। वह बुजुर्ग उसे

फिर दिखाई दे गया। आज भी वह अमन को एकटक देखे जा रहा था। उसने अमन को देखकर हल्की मुस्कान भी छोड़ी। अमन से रहा नहीं गया। वह उस बुजुर्ग के पास गया और कड़े शब्दों में पूछा, 'क्या आप मुझे जानते हैं? मुझे आप यूं घूरते क्यों हैं? आप दिमागी रूप से ठीक हैं ना?'

अमन की बातों को सुनकर बुजुर्ग थोड़ा हड़बड़ा गया। उसे जवाब देते नहीं बन पा रहा था। लेकिन वह बड़ी हिम्मत करके आहिस्ता से बोला, 'बेटा, मैं तो तुम्हें देखकर अपने बेटे को याद कर लेता हूं। वह अब तुम्हारी तरह जवान हो गया होगा। वह बारह साल पहले मुंबई कमाई करने गया था, तब से घर नहीं लौटा। पता नहीं कहां गायब हो गया? मैं यहां अपने गांव से बहुत दूर आकर मजदूरी कर अपना और अपनी पत्नी का किसी तरह पेट पाल रहा हूं। सात साल से घर नहीं गया। तुम्हें देखता हूं तो उसकी याद आ जाती है। तुम्हें देखकर मन को बहला लेता हूं कि वह भी तुम्हारी ही तरह दिखता होगा।' बुजुर्ग की बातें सुनकर अमन की आंखें भीग गईं। उसे अपनी सोच पर पछतावा हुआ। बुजुर्ग की आत्मीयता ने उसे अंदर तक स्नेह से भर दिया। *

-ललित शौर्य

लेखक ध्यान दें...
लेखक रविवार भारती में प्रकाशनार्थ अपनी रचनाएं / लेख कृपया ई-मेल आईडी haribhoomifeaturedep@gmail.com पर भेजें।

रीवा में जन आभार यात्रा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के स्वागत के लिए मार्ग को गुब्बारों से सजाया

फूलों की बारिश से मोहन सरकार का 'अभिनंदन'

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार को रीवा में जन आभार यात्रा में शामिल हुए। उनके साथ उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला, सांसद जनार्दन मिश्रा, भाजपा के वरिष्ठ नेता और जनप्रतिनिधिगण मौजूद रहे। इस दौरान सीएम के स्वागत के लिए सड़कों पर अपार जनसमूह उमड़ा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का शुक्रवार को रीवा के जन आभार यात्रा में भव्य एवं ऐतिहासिक स्वागत हुआ। विवेकानंद पार्क कॉलेज चौराहा से जन आभार यात्रा आरंभ हुई। मुख्यमंत्री का ढोल- ढमाकों तथा पुष्प वर्षा के साथ स्वागत किया।

फूलों से सजे वाहन में मुख्यमंत्री जन आभार यात्रा में लोगों के बीच पहुंचे। वाहन में उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, सांसद जनार्दन मिश्र, डॉ. अजय सिंह मुख्यमंत्री के साथ थे।

खास बातें

- यात्रा में उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, सांसद जनार्दन मिश्र, डॉ. अजय सिंह भी हुए शामिल
- सीएम के प्रथम रीवा आगमन पर स्वागत में भीड़ उमड़ी

बौद्ध और रविदास समाज ने की पुष्पवर्षा

छात्र संगठन और खिलाड़ियों ने सीएम का किया स्वागत

मुख्यमंत्री का कॉलेज चौराहे पर छात्र संगठन तथा खिलाड़ियों ने आत्मीय स्वागत किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री को तलवार भेंट की गई। विवेकानंद पार्क से लेकर सांई मंदिर तक आभार यात्रा मार्ग को गुब्बारों और फूलों से सजाया गया था। मुख्यमंत्री के प्रथम रीवा आगमन पर उनके स्वागत में जन सैलाब उमड़ा। मुख्यमंत्री का काफिला पहुंचने पर आमजनता ने पुष्प वर्षा कर मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया।

जन आभार यात्रा में खूब बजे ढोल-नगाड़े

जन आभार यात्रा में जनसेवा मित्रों तथा पटेल समाज की ओर से मुख्यमंत्री का कॉलेज चौराहे में सम्मान किया गया। सरपंच संघ के प्रतिनिधियों तथा कोल समाज के प्रतिनिधियों ने जान टावर के सामने मुख्यमंत्री का ढोल नगाड़ों तथा पुष्पहार से स्वागत किया। लोग सीएम को देखने के लिए उत्सुक थे।

श्रीराम मंदिर की प्रतिकृति का स्मृति चिन्ह किया भेंट

जन आभार यात्रा के मार्ग के घरों से भी जनता ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव पर पुष्पवर्षा करके उनका अभिनंदन किया। जन आभार यात्रा में प्रधानमंत्री आवास योजना तथा संबल योजना के हितग्राहियों ने भी मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मानस भवन के सामने मुख्यमंत्री का रथ पहुंचने पर भूतपूर्व सैनिकों ने मुख्यमंत्री का आत्मीय स्वागत किया। जन आभार यात्रा में विभिन्न सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं ने प्रतिनिधियों ने जगह-जगह मुख्यमंत्री डॉ. यादव का पुष्पवर्षा एवं केक कटवाकर तथा श्रीराम मंदिर की प्रतिकृति का स्मृति चिन्ह, महामृत्युंजय भगवान का तैलचित्र एवं मुख्यमंत्री के स्केच चित्र भेंट कर भव्य स्वागत किया। जन आभार यात्रा में हर्षित मन से मुख्यमंत्री ने आमजनता का अभिवादन किया तथा उनके प्रति आभार व्यक्त किया। रिमझिम बारिश के बीच जन आभार यात्रा में मुख्यमंत्री बौद्ध समाज, कबीर संघ तथा रविदास समाज ने पुष्पवर्षा करके स्वागत किया।

उज्जैन के महाकाल महालोक परिसर में होगा भव्य आयोजन

1 करोड़ 75 लाख रुपए की लागत से बने देश के पहले प्रसादम का लोकार्पण आज

17 दुकानें बनाकर परिसर में स्वच्छ स्ट्रीट फूड हब बनाया, पार्किंग व अन्य सुविधाएं भी होंगी उपलब्ध

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

विश्व प्रसिद्ध तीर्थ उज्जैन के श्री महाकाल महालोक के नीलकंठ वन परिसर में देश के पहले प्रसादम का शुभारंभ 7 जनवरी को हो रहा है। मप्र के लिए यह बड़ी उपलब्धि है। यह प्रसादम 1 करोड़ 75 लाख रुपए की लागत से फ़ूड एंड सेफ्टी स्टैण्डर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया के 'क्लीन स्ट्रीट फूड हब' कार्यक्रम के तहत उज्जैन स्मार्ट सिटी लिमिटेड की ओर से श्री महाकाल महालोक के नीलकंठ वन परिसर और अवंतिका हाट के बीच विकसित किया गया है। इसमें 17 दुकानों का निर्माण कर एक स्वच्छ स्ट्रीट फूड हब बनाया गया है। श्रद्धालुओं के लिए पार्किंग एवं अन्य सार्वजनिक सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया इसका शुभारंभ करेंगे। वे 218 करोड़ 76 लाख रुपए लागत की स्वास्थ्य अधोसंरचनाओं का भूमिपूजन एवं लोकार्पण करेंगे। महाकाल लोक परिसर में श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य को ध्यान मे रखते हुए महाकाल लोक परिसर, नीलकंठ द्वार पर औसतन प्रतिदिन एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य को ध्यान मे रखते हुए मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक का संचालन किया जाएगा, जिसमें आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएं भी उपलब्ध रहेंगी। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, राज्य मंत्री लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण नरेन्द्र शिवाजी पटेल इस अवसर पर उपस्थित रहेंगे।

218 करोड़ की 187 स्वास्थ्य केंद्रों का सीएम डॉ. यादव, केंद्रीय मंत्री मंडाविया करेंगे भूमिपूजन व लोकार्पण

1 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के प्रतिदिन आने से खुलेगा मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक

नीलकंठ वन परिसर अवंतिका हाट के बीच बनाया

विदिशा, बैतूल व उज्जैन में इंटीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैब की मिलेगी सौगात

प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन के अंतर्गत लागत 3 करोड़ 49 लाख रुपए की लागत से तीन इंटीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैब (विदिशा, बैतूल एवं उज्जैन) का लोकार्पण किया जाएगा। नागरिकों को जिला अस्पताल में 132 प्रकार की जांच सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध हो सकेंगी। इसी मिशन के अंतर्गत 6 बीआरएचयू भी लोकार्पित की जाएगी। 13 जिलों मे (छतरपुर, झाबुआ, सिवनी, गुना, भोपाल, खंडवा, बड़वानी, दमोह, बालाघाट, टीकमगढ़, शिवपुरी एवं सिंगरौली) नवीन इंटग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लेबोरेटरी का भूमिपूजन किया जाएगा।

54 संजीवनी क्लीनिक, 66 आयुष्मान आरोग्य मंदिर

स्वास्थ्य की दृष्टि से 54 मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक का लोकार्पण किया जाएगा। इनमें प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं के साथ-साथ 67 प्रकार की जांच सुविधाएं और 208 प्रकार की दवाइयां निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी। 2 ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट (सीएचसी हातोद एवं सीएचसी सांवेर, इंदौर) का लोकार्पण होगा।

36 स्वास्थ्य संरचनाओं का किया जाएगा भूमिपूजन

श्री महाकाल महालोक परिसर में होने वाले आयोजन में 118 करोड़ लागत की 36 स्वास्थ्य संरचनाओं का भूमिपूजन और 100 करोड़ 69 लाख लागत की 151 स्वास्थ्य संरचनाओं का लोकार्पण किया जाएगा। इसके लिए 189 करोड़ 89 लाख रुपए केंद्र और 28 करोड़ 87 लाख रुपए राज्य सरकार की ओर से उपलब्ध कराए गए हैं।

उज्जैन में 20 बिस्तरीय अतिरिक्त वार्ड का लोकार्पण

इमरजेंसी कोविड रेस्पोंस पैकेज-II के तहत 1 करोड़ 68 लाख रुपए लागत से सिविल अस्पताल बड़नगर, उज्जैन मे 20 बिस्तरीय अतिरिक्त वार्ड लोकार्पित किया जाएगा। राज्य मद से 28 करोड़ 87 लाख की लागत से तीन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और आठ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का लोकार्पण किया जा रहा है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत राशि 148 करोड़ 45 लाख लागत से 97 कार्यों का भूमिपूजन, लोकार्पण किया जाएगा। इसमें तीन जिला अस्पतालों, तीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, 66 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों एवं रीजनल ट्रेनिंग सेंटर में 40 सीटर हॉस्टल लोकार्पित किए जाएंगे। मिशन के तहत 8 जिला अस्पताल, एक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, 1 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, 2 उप स्वास्थ्य केंद्र, 4 मैटर्नल एवं चाइल्ड हेल्थ विंग, एवं 5 स्टाफ कॉर्टर कार्यों का भूमिपूजन भी किया जाएगा।

मनहित (मानसिक स्वास्थ्य स्क्रीनिंग एप) लॉन्च होगा

आमजन को मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित मानसिक स्वास्थ्य स्क्रीनिंग एप मनहित लॉन्च किया जाएगा। एप को मुख्यतः तीन खंडों में विभाजित किया गया है। मानसिक स्वास्थ्य स्व-मूल्यांकन, जागरूकता सामग्री, वीडियो और मानसिक स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ संपर्क। मनहित का उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य साक्षरता की समझ विकसित करना, अल्पकालिक और दीर्घकालिक मानसिक स्वास्थ्य लक्षणों का स्व-मूल्यांकन और मानसिक स्वास्थ्य लक्षणों और मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता के बारे में जागरूकता विकसित करना है।

खबर संक्षेप

रायपुर:206 एमएलडी के एसटीपी से मिला वाटर प्लस शहर का दर्जा

रायपुर। भारत सरकार की ओर से स्वच्छता सर्वेक्षण की विभिन्न श्रेणियों में रायपुर को वाटर प्लस रखने के पीछे चारों एसटीपी (सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट) ने बड़ी भूमिका निभाई है। पिछले वर्ष इनका काम अधूरा था, जिसकी वजह से आवेदन देने के बाद भी रायपुर को वाटर प्लस की श्रेणी में शामिल नहीं किया गया था। वहीं इस वर्ष से भाठागांव, निमोरा, कारा और चंदनीडीह एसटीपी से 206 एमएलडी शहर के गंदे पानी को साफ किया जा रहा है। इसी पानी को विभिन्न उद्योगों को देने की व्यवस्था बनाई जा रही है। इसकी वजह से रायपुर को वाटर प्लस श्रेणी में शामिल किया गया है।

छत्तीसगढ़ की 11 सीटों के लिए भाजपा ने तैयार किया रोडमैप

रायपुर। छत्तीसगढ़ भाजपा ने लोकसभा चुनाव 2024 के लिए रोडमैप तैयार किया है। दिल्ली-छत्तीसगढ़ के नेताओं के समन्वय से पार्टी जनता अभिनंदन समारोह आयोजित करेगी। इसके लिए हर संभाग में कार्यक्रम चलाने का निर्णय लिया गया है। इसमें विधानसभा चुनाव के दौरान मतदाताओं का भाजपा के प्रति जो भरोसा दिखा है उसे बरकरार रखने के लिए मोदी की गारंटी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की योजनाओं से भी जनता को अवगत कराया जाएगा। जैनम भवन में भाजपा के शीर्ष नेताओं ने करीब छह घंटे तक लोकसभा चुनाव के लिए मंथन किया। इसके अलावा अयोध्या में भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को भाजपा जन-जन पहुंचाएगी। लोकसभा चुनाव कैसे जीतेंगे, इसके लिए सुझाव मांगे गए।

समीर विश्नोई समेत 7 आरोपी कोर्ट में पेश

रायपुर। बहुचर्चित कोयला घोटाला मामले की सुनवाई

शनिवार को रायपुर के स्पेशल कोर्ट में चली। इस मामले में जेल में बंद आरोपी कारोबारी सूर्यकांत तिवारी, निलंबित आईएएस समीर विश्नोई, सुनील अग्रवाल, शिवशंकर नाग, लक्ष्मीकांत तिवारी और दीपक टांक समेत राजेश चौधरी ईडी के विशेष जज अजय सिंह राजपूत की कोर्ट में पेश हुए। वहीं राज्य प्रशासनिक सेवा की निलंबित अधिकारी सौम्या चौरसिया ने मेडिकल लगाकर कोर्ट आने में असमर्थता जताई है। इधर, भिलाई के कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव की अग्रिम जमानत पर बचाव पक्ष अपना पक्ष रखा है। ईडी की रडार पर आए भिलाई के कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव समेत नौ आरोपियों की अग्रिम जमानत पर विशेष न्यायाधीश अजय सिंह राजपूत की बेंच में बहस हुई।

11 को छत्तीसगढ़ आएंगे प्रभारी सचिन पायलट

रायपुर। प्रदेश में विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद अब कांग्रेस लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुट गई है। इसके लिए कांग्रेस की युवा मोर्चा ने भी अभी

से कमर कस ली है। युवा मोर्चा ने इसके लिए पूरी रूपरेखा तय कर ली है। इधर, नए प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट के 11 जनवरी को दौरे पर आने की संभावना जताई जा रही है।

नवाचार और उद्यमिता को मिले बढ़ावा: मंत्री काश्यप

भोपाल। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री चैतन्य कुमार काश्यप ने आज शुक्रवार को मंत्रालय स्थित अपने प्रतिकक्ष में विभागीय अधिकारियों के साथ मप्र स्टार्ट-अप पॉलिसी की व्यापक समीक्षा की। काश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी यानि संकल्प 2023 के तहत प्रदेश में स्टार्ट-अप को लेकर बेहतर क्रियान्वयन हो, प्रदेश का स्टार्ट-अप न्यूजलेटर भी बेहतर और प्रभावी हो। उन्होंने नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए नए स्टार्टअप पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने अटल नवाचार मिशन के भावानुरूप प्रदेश के संदर्भ में स्टार्ट-अप नीति का विश्लेषण करने के निर्देश भी दिए।

आईएएस के तबादलों के बाद वन विभाग में फेरबदल की तैयारी

रायपुर। आईएएस अफसरों के तबादले के बाद अब वन विभाग में तबादले की तैयारी चल रही है। नए वन मंत्री केदार कश्यप ने कामकाज संभालने के बाद अरण्य भवन में अफसरों के साथ समीक्षा बैठक में संकेत दे दिए हैं कि रेंजर से लेकर डीएफओ तक को इधर से उधर किया जाएगा। उन्होंने चार साल से एक ही जगह जमे अफसरों की सूची मांगी है। खासकर चुनाव में जंगल क्षेत्र की विधानसभा सीटों में भाजपा के खिलाफ काम करने वाले वन अफसर राडार पर हैं। सूत्रों ने बताया कि वन विभाग में तबादले की चर्चा शुरू होते ही कई अधिकारी-कर्मचारी भाजपा के मैदानी और संगठन के बड़े नेताओं से संपर्क करने लगे हैं। ये भाजपा सरकार में भी फिट होने की जुगाड़ में लगे हैं।

ईडी की चार्जशीट में पूर्व सीएम का नाम

ईडी अपने राजनीतिक आकाओं के इशारे पर काम कर रही हैः भूपेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

महादेव सट्टा एप केस मामले में ईडी की चार्जशीट को लेकर छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की प्रतिक्रिया सामने आई है। मामले में उन्होंने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अपने सप्लीमेंट्री चार्जशीट में जिस तरह से उनका नाम लिखा है, वह पूरी तरह से राजनीतिक षड्यंत्र का हिस्सा है।

उन्होंने कहा है कि ईडी अपने राजनीतिक आकाओं के इशारे पर काम कर रही है। वह कूटरचना कर लोगों को गिरफ्तार कर रही है। उनसे दबावपूर्वक मेरे और मेरे सहयोगियों के खिलाफ बयान दिलवा रही है। उन्होंने कहा है कि इन बयानों में जो पैसों के लेन-देन के आरोप लगाए गए हैं, उनका कोई आधार नहीं है। यह किसके दबाव में हो रहा है, उसे सब जानते हैं। पूर्व मुख्यमंत्री बघेल ने कहा है कि जिस कुरियर असीम दास के पास से रुपए बरामद हुए थे, उसने जेल से अपने हस्तलिखित बयान में कहा है कि उन्हें भी धोखे में रखकर फंसाया गया है। उन्होंने कभी किसी राजनेता व उनसे जुड़े लोगों को पैसा नहीं पहुंचाया। अब ईडी दावा कर रही है कि उसने यह बयान भी वापस ले लिया है। यह किसके दबाव में हो रहा है, उसे सब जानते हैं।

सीएम साय और डिप्टी सीएम का हुआ जगदलपुर में स्वागत

जगदलपुर में उमड़ी भीड़, कार्यक्रम में खलल न हो इसलिए प्रशासन ने की सुरक्षा व्यवस्था

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जगदलपुर

जगदलपुर के मां दंतेश्वरी एयरपोर्ट में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के बस्तर अंचल में प्रथम आगमन पर जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने स्वागत किया। मुख्यमंत्री साय के साथ उप-मुख्यमंत्री अरुण साव एवं रामप्रताप सिंह भी जगदलपुर पहुंचे। मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार सीएम विष्णुदेव साय जगदलपुर पहुंचे।

यहां वे संभागस्तरीय कार्यकर्ता सम्मान समारोह में शामिल हुए। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री साय का प्रथम बस्तर प्रवास है। जिसको देखते हुए भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका जमकर स्वागत किया। मुख्यमंत्री के आगमन पर एयरपोर्ट से लेकर सभास्थल तक जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने जोश भरे नारों और पुष्प गुच्छ के साथ अपने नये मुख्यमंत्री का स्वागत किया। इस दौरान बाइक रैली भी निकाली गई जो मुख्यमंत्री के गाड़ी सामने चलती रही। इस दौरान एयरपोर्ट पर कई वरिष्ठ नेताओं ने स्वागत किया।

कांग्रेस नेताओं को किया नजरबंद

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय अपने पहले जगदलपुर प्रवास पर हैं। सीएम की सुरक्षा की व्यवस्था पुलिस और प्रशासन ने की हुई है, उनके कार्यक्रम में किसी प्रकार की खलल उत्पन्न न हो इसलिए पुलिस ने कांग्रेस के कई कार्यकर्ताओं और नेताओं को नजरबंद कर दिया है। इन सभी को एडिशनल एसपी ऑफिस में नजरबंद किया गया है। नजरबंद किए गए नेताओं में जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष सुशील मौर्य, जतिन जायसवाल आदि हैं।

संविदा आधार पर पदस्थ कर्मी मांग रहे घूस

प्रदेश सरकार रिश्वतखोरों पर सख्ती करने के मूड में, बीडीए, नगर निगम समेत अन्य विभागों पर नजर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रिश्वतखोरों पर सख्ती करने के मूड में हैं। अब ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। ऐसे कर्मचारी जो संविदा आधार पर पदस्थ हैं और उनके खिलाफ रिश्वत मांगने की शिकायतें हुई है। सबसे पहले उन कर्मचारियों को सेवा से बर्खास्त किया जाएगा। इसकी जानकारी एकत्रित कर ली गई है।

शुरूआत राजधानी भोपाल से करने की तैयारी है। चूंकि भोपाल के नगर निगम, बीडीए से लेकर अन्य विभागों में पदस्थ कर्मचारी नाक के नीचे ही रिश्वत मांगते हैं और उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं होती। अब ऐसे कर्मियों पर शिकंजा कसा जाएगा। सूत्रों ने बताया कि ऐसे मामलों में जो शासकीय सेवक रिश्वत लेते पकड़े गए हैं और आज तक उन पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो पाई है या फिर रिश्वत की मांग करते हैं, पर बगैर ठोस प्रूफ के उन पर कार्रवाई नहीं हो पाती। इसकी सूची तैयार की गई है। इन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। बताते हैं कि अभी जिस तरह से हर काम के लिए पैसे लेने का चलन बढ़ गया है, ऐसे कर्मचारियों के खिलाफ भी सख्ती होगी। इसकी शुरूआत भी सबसे पहले राजधानी भोपाल से करने की जानकारी है।

संभागीय समीक्षा बैठक से योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग

बरगी बांध से बदलेगी सतना जिले की तस्वीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने संभागीय समीक्षा बैठकें शुरू करके विकास योजनाओं की नियमित समीक्षा और निगरानी का अवसर दिया है। संभागीय समीक्षा बैठकों में योजनाओं के क्रियान्वयन से प्रभावी मानीटरिंग होगी। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल शुक्रवार को रीवा में संभागीय समीक्षा बैठक में संबोधित कर रहे थे।

सितम्बर माह तक बरगी बांध का पानी सतना पहुंचाया जाएगा

बैठक में बताया गया कि बरगी टनल परियोजना की कठिनाई को दूर कर इस वर्ष सितम्बर माह तक बरगी बांध का पानी सतना पहुंचाया जाएगा। बरगी बांध के पानी से सतना जिले की तस्वीर बदल जाएगी। बैठक में उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि रीवा संभाग में अपार खनिज संसाधन हैं। सिंगरौली में ऊर्जा उत्पादन का केन्द्र है। सतना में सीमेंट उत्पादन का केन्द्र है। इन्हें जोड़ने वाले ललितपुर-सिंगरौली रेलवे लाइन का काम तेजी से पूरा कराने के लिए सीधी और सिंगरौली के कलेक्टर भूअर्जन की कार्रवाई तत्परता से करें। आगामी 6 माह में सीधी-सिंगरौली हाईवे की टू लेन सड़क तथा गोपद पुल का निर्माण पूरा हो जाएगा। संभागीय समीक्षा बैठक में सांसद, मंत्री, विधायकगण तथा सभी वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

फरवरी महीने में रीवा एयरपोर्ट का लोकार्पण

डिप्टी सीएम शुक्ल ने कहा कि रीवा एयरपोर्ट का फरवरी माह के अंत तक लोकार्पण हो जाएगा। सड़क रेलवे और हवाई सुविधा मिलते ही इस पूरे क्षेत्र का तेजी से विकास होगा। रीवा के सुपर स्पेशियलिटी हास्पिटल में कैंसर रोगियों के उपचार के लिए आधुनिक मशीन तथा 12 करोड़ की लागत से एमआरआई मशीन लगाई जा रही है। जनप्रतिनिधियों ने विकास के संबंध में जो सुझाव दिए हैं उन पर समुचित निर्णय लिया जाएगा। नोडल अधिकारी अतिरिक्त मुख्य सचिव ने जनप्रतिनिधियों के सुझावों व मुद्दों की विस्तृत जानकारी ली।

सीधी में ट्रांसफार्मर डिपो बनाने का मुद्दा गूंजा

बैठक में खराब ट्रांसफार्मर बदलने, सीधी में ट्रांसफार्मर डिपो बनाने, प्रधानमंत्री आवास योजना में छूटे हुए हितग्राहियों का नाम जोड़ने, जलजीवन मिशन के कार्यों की धीमी प्रगति, मनरेगा की तीन माह से लंबित मजदूरी के भुगतान, मऊगंज तथा मैहर जिले में समग्र पोर्टल एवं आधार पोर्टल को एकीकृत करने, गोवर्धन योजना, बगदरा अभ्यारण्य को डिनोटिफाई करने, चित्रकूट क्षेत्र में सिंचाई सुविधा, मंदाकिनी नदी की सफाई, रामपथ गमन मार्ग के निर्माण सहित विभिन्न मुद्दे उठाए। बैठक में रीवा जिले के पर्यटन विकास कैलेंडर का विमोचन किया।

कार्यभार ग्रहण कर बताया उद्देश्य

अच्छा कार्य करने वाले होंगे सम्मानित

गड़बड़ी करने वाले के साथ अब सख्ती से निपटा जाएगा

राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा ने कहा कि गड़बड़ी करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ सरकार सख्ती से निपटेगी। मंत्री वर्मा शुक्रवार को मंत्रालय में विभागीय कार्य शुरू करने बाद अधिकारियों की परिचयात्मक बैठक को संबोधित कर रहे थे। मंत्री वर्मा ने कार्यभार ग्रहण करने के पहले कक्ष में पूजा-अर्चन की।

कार्यभार ग्रहण करने के बाद राजस्व मंत्री वर्मा ने ली बैठक

मंत्री वर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में हम विकास पथ पर आगे बढ़ रहे हैं। मंत्रालय में कार्यभार ग्रहण करने के अवसर पर प्रमुख सचिव राजस्व निकुंज श्रीवास्तव उपस्थित थे। राजस्व अधिकारियों की परिचयात्मक बैठक में उप सचिव राजस्व सुश्री नेहा मारव्या, उप राहत आयुक्त सुश्री सुमन लता माहोर, संयुक्त राजस्व आयुक्त राजीव नंदन श्रीवास्तव उप राजस्व आयुक्त श्रीमती अलका सिंह बामनकर, श्रीमती नीतू सिंह गुप्ता, श्रीमती ऋषि मौर्य, लेखा श्रोती, ओएसडी राजस्व सुश्री सुनीता लाल, उप संचालक एमपीएलआरएम श्रीमती नमिता खरें उपस्थित थी।

इस समय समूचा देश राममय है। 22 जनवरी को रामलला की प्राणप्रतिष्ठा होने जा रही है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद से राम मंदिर निर्माणाधीन है। इसका एक भाग इस माह की 22 जनवरी तक तैयार हो जाएगा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा रामलला की प्राणप्रतिष्ठा की जाएगी। इस समारोह को भव्य बनाया जा रहा है। सभी दलों, अनेक संतों समेत देश विदेश के हजारों गणमाण्य लोगों को भव्य समारोह के लिए आमंत्रित किया गया है। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले राम मंदिर में प्राणप्रतिष्ठा पर राजनीति भी शुरू हो गई है। विपक्ष की ओर से सरकार पर तीखे आरोप लगाए जा रहे हैं कि भाजपा राम का राजनीतिक फायदा लेने के लिए यह सब कर रही है। भाजपा के निर्माण के कुछेक वर्ष के बाद से अयोध्या में राम मंदिर निर्माण पार्टी के कोर एजेंडे में रहा है। आज अगर राम मंदिर बन रहा है, तो निश्चित ही इसे भाजपा के संकल्प व अभियान का प्रतिफल माना जाएगा। राम व मंदिर पर राजनीति का आंकलन करता आजकल का यह अंक...

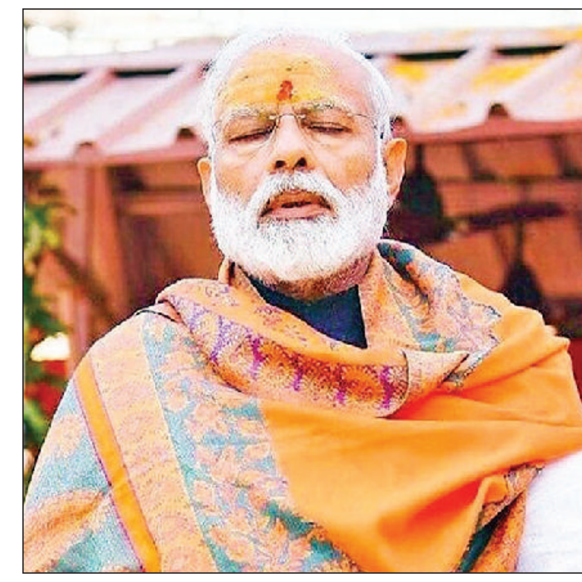

‘राममय’ का सांस्कृतिक-राजनीतिक दौर

विश्लेषण
सुशील राजेश
वरिष्ठ पत्रकार

श्रीराम के बिना भारत की कल्पना ही नहीं की जा सकती। नववर्ष 2024 की शुरुआत हुई है, तो भारत ‘राममय’ हो उठा है। यह हिन्दुओं का ही नहीं, राष्ट्र के उत्सव का दौर है। मुसलमान भी राम पर फूलों की बरसात कर रहे हैं। अयोध्या विवाद में जो इकबाल अंसारी बाबरी मस्जिद के पक्षकार थे, वह भी ‘राममय’ हो चुके हैं। वह प्राण-प्रतिष्ठा अनुष्ठान के दौरान मौजूद रहेंगे। यह देश के सांस्कृतिक, आध्यात्मिक गौरव का दौर है। ‘राममय’ होने की राजनीति का भी प्रबल विरोध किया जा रहा है। विपक्ष के अलग अलग नेता अपने बयानों से विरोध्र के बहाने राम की छवि को धूमिल करने के कुत्सित प्रयास करते नजर आ रहे हैं। विपक्षी भी अयोध्या जाएं व प्रभु राम की भक्ति की तरंगों का लाभ ग्रहण करें।

मुझे 11 जून, 1989 की तारीख बार-बार याद आती है। उस दिन हिमाचल प्रदेश की ‘चाय-घाटी’ पालमपुर में भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक थी। लालकृष्ण आडवाणी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे। पार्टी के सभी शीर्षस्थ नेता बैठक में मौजूद थे। तब भाजपा एक नवजात-सी पार्टी थी। मैंने एक जूनियर पत्रकार के तौर पर कार्यकारिणी को कवर किया था। जब मीडिया को ब्रीफ किया गया कि एक प्रस्ताव पारित किया गया है कि अयोध्या में प्रभु राम का भव्य और दिव्य मंदिर बनाया जाएगा। गांव-गांव ‘राम’ के नाम की शिलाएं पूजी जाएंगी और अंततः उन्हें अयोध्या भेजा जाएगा। आडवाणी सोमनाथ मंदिर से अयोध्या तक की रथ-यात्रा करेंगे और देश भर में राम मंदिर को लेकर एक सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और सामाजिक आंदोलन छेड़ा जाएगा। तब मैं भाजपा के प्रस्ताव की राजनीति और उसकी व्यापकता को समझ नहीं पाया था। पालमपुर में भाजपा ने एक ऐतिहासिक रैली भी की और पालमपुर से शिमला तक मार्च भी निकाला गया। कुछ अंतराल के बाद हिमाचल में विधानसभा चुनाव हुए, तो भाजपा को बहुमत मिला और शांता कुमार दूसरी बार मुख्यमंत्री बने। उसी वर्ष आम चुनाव में भाजपा के 86 सांसद जीत कर लोकसभा में आए, जबकि उससे पहले सदन में भाजपा के मात्र 2 ही सांसद थे। यहां से भाजपा का पुनरोत्थान और विस्तार शुरू हुआ। आज अयोध्या में ‘राम मंदिर’ ने आकार ले लिया है और त्रेता युग का दौर जीवंत हो उठा है। 22 जनवरी को प्रभु राम की प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा का अनुष्ठान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक ‘यजमान’ के तौर पर करेंगे।

सांस्कृतिक पुनरोत्थान का प्रतीक

दरअसल श्रीराम के बिना भारत और लोकतंत्र की कल्पना ही नहीं की जा सकती। नववर्ष 2024 की शुरुआत हुई है, तो भारत ‘राममय’ हो उठा है। यह हिन्दुओं का ही नहीं, राष्ट्र के उत्सव का दौर है। मुसलमान भी राम पर फूलों की बरसात कर रहे हैं। अयोध्या विवाद में जो इकबाल अंसारी बाबरी मस्जिद के पक्षकार थे, वह भी ‘राममय’ हो चुके हैं। वह प्राण-प्रतिष्ठा अनुष्ठान के दौरान मौजूद रहेंगे। यह देश के सांस्कृतिक, आध्यात्मिक गौरव का दौर है। ऋग्वेद, सामवेद और यजुर्वेद के मंत्रोच्चार और यज्ञों का दौर है। उन कारसेवकों की आत्मा की शांति के लिए भी पूजन किए गए हैं, जिन्हें ‘राममय’ मान कर मार दिया गया था। हालांकि अब मैं इस अध्याय को विस्मृत करने के पक्ष में हूं, क्योंकि श्रीराम ‘क्षमावादी’ थे। अयोध्या त्रेता युग में देवनगरी थी, श्रीराम की जन्मस्थली थी, आज भी उसका स्थान बैकुंठ से कम नहीं है। प्रभु राम के जयघोष हैं, मंत्रोच्चार, शंखनाद, डमरू वादन है, फूलों की बरसात में लोग नृत्यमग्न हैं, क्योंकि राम अयोध्या में अपने महलनुमा मंदिर में प्रतिष्ठित होने जा रहे हैं। अयोध्या को कभी ‘अभिशप्त नगरी’ भी मान लिया गया था। वह कुछ दुराग्रही नेताओं की दुर्बुद्धि और आसुरी कर्म था। वे अयोध्या में प्रवेश करने से हिचकते थे, लेकिन आज खुद को ‘राममय’ साबित करने की होड़ में जुटे हैं। प्रभु राम और भारत, उसके लोकतंत्र के आपसी संबंधों का सच यह है कि संविधान की किताब में राम-सीता का चित्र छपा है। देश के प्रधान न्यायाधीश की सीट पर धर्म की व्याख्या है, लिहाजा धर्म कोई छुआछूत का विषय नहीं है, जिसे राजनीति से अलग रखा जाए। राजनीति लोकतंत्र का ही प्रारूप है। अयोध्या का राम मंदिर सांस्कृतिक पुनरोत्थान का प्रतीक है, तो राजनीति का भी मुद्दा है। भाजपा अपने सभी चुनाव घोषणा-पत्रों में इसे शामिल करती रही है। साफ है कि वह इस मुद्दे पर जनादेश मांगती आई है। इसी मुद्दे ने भाजपा को 303 सांसदों के प्रचंड बहुमत तक पहुंचा दिया है। बेशक अन्य मुद्दे भी महत्वपूर्ण रहे हैं। राम मंदिर के उद्घोष पर जो उन्माद और ध्रुवीकरण भाजपा के पक्ष में पैदा होता रहा है, उससे राजनीतिक लक्ष्य भी साधे गए हैं। भाजपा माने या न माने, राम मंदिर 2024 के आम चुनाव का सबसे अहं मुद्दा साबित होगा।

राम पर विपक्ष की ओछी सियासत

‘राममय’ होने की राजनीति का भी प्रबल विरोध किया जा रहा है। राजनीति से अलग ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा है कि चुनावी फायदे के लिए भाजपा अयोध्या में राम मंदिर के एक ही हिस्से का उद्घाटन करवा रही है। भगवान राम की प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा चुनाव के मद्देनजर कराई जा रही है। सीपीएम महासचिव सीताराम येचुरी ने एक ही धर्म के राजनीतिकरण के कारण राम मंदिर समारोह का बहिष्कार किया है। एनसीपी के अध्यक्ष शरद पवार सरीखे वरिष्ठ नेता ने बयान दिया है कि जो सत्ता में हैं, उन्हें गाय और गौमूत्र ही दिखाई देता है। उन्हीं की पार्टी के एक मराठी नेता ने यहां तक अनर्गल अलाप किया है कि राम ‘मांसाहारी’ थे। किसी ने आशंका जताई है कि अयोध्या में ‘गोधरा जैसे दंगे’ कराए जा सकते हैं। बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने जनता के सामने सवाल किया है कि आपको मंदिर चाहिए अथवा अस्पताल! वह जरा अपने पिता लालू यादव से पूछ लें कि जेल से छूटने के बाद वह सबसे पहले हनुमान मंदिर क्यों गए थे? कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और वरिष्ठ सांसद सोनिया गांधी को समारोह के निमंत्रण-पत्र भेजे जा चुके हैं, लेकिन वे मुस्लिम वोट की खातिर असमंजस में हैं, लिहाजा अपना कार्यक्रम नहीं बताया है, लेकिन कांग्रेस अध्यक्ष ने अपने पार्टीजनों को राम मंदिर जाने की छूट देकर एक सौहार्दपूर्ण निर्णय किया है। सवाल हो सकता है कि जब देश ‘राममय’ हो चुका है, तो ऐसी नफरत क्यों फैलाई जा रही है? क्या राम-विरोध से विपक्षियों को ज्यादा वोट मिल सकेंगे? यदि भाजपा हिन्दुत्व की राजनीति कर रही है, तो विरोधी भी जातीय गणना की सियासत कर ही रहे हैं। इसके अलावा विपक्ष के राजनीतिक एजेंडे में मस्जिदवाद, अडाणी भी हैं। विपक्ष की राजनीति बेरोजगार, महंगाई, भ्रष्टाचार के मुद्दे तक ही सीमित नहीं है। यह तो लोकतंत्र है। त्रेता युग में भी श्रीराम का विरोध करने वाले असुर, खलनायक थे, लिहाजा अब कलयुग में क्या अपेक्षा की जा सकती है?

तीर्थस्थल के तौर पर अयोध्या का उदय

अयोध्या विवाद पर सर्वोच्च अदालत की संविधान पीठ ने सर्वसम्मत फैसला सुनाया था कि वहां राम मंदिर का निर्माण कराया जाए। भूखंड तय करने और ट्रस्ट बनाने का दायित्व प्रधानमंत्री को सौंपा गया था, लिहाजा उन्होंने कैबिनेट के जरिए यह काम किया। मस्जिद के लिए भी अयोध्या के पास ही भूखंड तय किया गया है। मेरी जानकारी है कि अब मुस्लिम लॉ बोर्ड और बाबरी मस्जिद समिति उस भूखंड को कबूल करने को तैयार है। यदि अयोध्या में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा बनाया गया है और रेलवे स्टेशन को जंक्शन बनाकर शेष देश के लिए ‘अमृत भारत’ और ‘वंदे भारत’ रेलगाड़ियां शुरू की गई हैं, तो उनके उद्घाटन प्रधानमंत्री नहीं करेंगे, तो क्या विपक्ष करेगा? अयोध्या में विश्व स्तरीय 20 होटलों के लिए ज़मीन दी गई है। एक अनुमान है कि प्रभु राम की प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा होने के बाद औसतन 3 लाख श्रद्धालु हररोज़ अयोध्या में आ सकते हैं। हिसाब लगाएं कि यदि इतने श्रद्धालु और पर्यटक अयोध्या आएंगे, तो उस नगरी और आसपास के इलाकों की अर्थव्यवस्था कितनी समृद्ध होगी? अयोध्या को भी, अर्थव्यवस्था के लिहाज से, रोम, मक्का-मदीना और भारत के ही तिरुपति मंदिर की जमात में रखा जा सकेगा। अयोध्या का तो परिसंस्कार किया जा रहा है। बेशक नरेन्द्र मोदी देश के पहले प्रधानमंत्री हैं, जो विवादों के बाद अयोध्या गए और राम नगरी के चैतरफा परिसंस्कार का दायित्व निभाया। अयोध्या का तो चेहरा ही बदलने लगा है।

आस्था से राजनीति तक

आम चुनाव के मद्देनजर अयोध्या के राम मंदिर पर भाजपा ही नहीं, आरएसएस और विहिप ने एक ‘मास्टर प्लान’ तैयार की है। संघ परिवार के कार्यकर्ता गांव-गांव, घर-घर जाकर आमंत्रण बांट रहे हैं और पावन कार्यक्रम के सीधा प्रसारण को देखने के लिए लोगों को मानसिक तौर पर तैयार कर रहे हैं। भाजपा और संघ परिवार 15 जनवरी तक करीब 12 करोड़ परिवारों के 60 करोड़ लोगों से संपर्क करेंगे। उन्हें भगवान राम का चित्र और पूजित अक्षत (चावल) देंगे। उन्हें 22 जनवरी के समारोह को सामूहिक तौर पर देखने, भजन और भोग का न्योता दिया जा रहा है। विहिप ने 22 जनवरी को देश के 5 लाख गांवों के मंदिरों, धार्मिक या सार्वजनिक स्थलों में भी आयोजनों का लक्ष्य तय किया है। भाजपा और संघ परिवार की यह पूरी कवायद ‘राममय’ होने के लिए है। भाजपा ने आम चुनाव में 50 फीसदी या उससे अधिक वोट हासिल कर 350-400 सीटें जीतने का लक्ष्य तय किया है। ऐसा लक्ष्य विपक्ष भी तय कर सकता है। राम मंदिर संघ परिवार के लिए आस्था और देश की अस्मिता का प्रतीक है, तो राजनीतिक मकसद भी है। विपक्षी भी अयोध्या जाएं व प्रभु राम की भक्ति की तरंगों का आध्यात्मिक लाभ ग्रहण करें। इसमें गलत क्या है? मात्र विरोध के लिए विरोध से विपक्ष पुनजीर्वित नहीं होगा।

भारतीय अस्मिता के सांस्कृतिक पुरुष श्रीराम

प्राण प्रतिष्ठा
प्रो. निरंजन कुमार
अधिष्ठाता, दिल्ली विश्वविद्यालय

22 जनवरी 2024, यह दिन इतिहास में अमर हो जाएगा। सदियों की सांस्कृतिक गुलामी के बाद इस दिन प्राचीन सांस्कृतिक नगरी अयोध्या में भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा और नवनिर्मित मंदिर के उत्सव का कार्यक्रम है। आज पूरे भारत ही नहीं बल्कि भारत से जुड़े हुए संसार के हर हिस्से में रहने वाले लोगों की भावनाएँ हिलोरें ले रही हैं। प्रश्न उठता है क्यों राम को लेकर देश और दुनिया गुंजायमान है? क्या राम सिर्फ हिंदुओं के आराध्य देव हैं? या क्या श्रीराम केवल उत्तर भारत के देव हैं? गाहे-बगाहे कुछ लोग इस तरह का वितंडा खड़ा करते रहते हैं, जबकि अगर आप रामकथा को देखें तो श्रीराम का चरित्र न केवल सार्वदेशिक है, बल्कि सार्वपंथिक, सार्वजनीन और सर्व समावेशी भी। अयोध्या के श्रीराम परम ईश्वर तो हैं ही, इसके अतिरिक्त वे एक विराट सांस्कृतिक पुरुष भी हैं जिनसे पूरा भारतवर्ष ही नहीं संसार के विभिन्न देश युगों-युगों से प्रभावित हुए हैं।

सबके राम

सभी क्षेत्रों, भाषाओं, जातियों और धर्मों के लोगों ने अपने-अपने तरीके से रामायण अथवा रामकथा को रचा है। केवल ‘हिंदू’ कहलाने वाले समाज ही नहीं बल्कि बौद्ध, जैन, सिख आदि भारतीय पंथों के साथ-साथ मुसलमान और ईसाइयों तक को रामकथा ने गहरे प्रभावित किया है। वाल्मीकि के ‘आदि रामायण’ के बाद व्यास रचित महाभारत में भी 'रामोपाख्यान' के रूप में यह कथा वर्णित हुई है। फिर बौद्ध परंपरा में श्रीराम से संबंधित ‘दशरथ जातक जैसी कथाएँ उपलब्ध हैं। जैन साहित्य में स्वयंभू कृत 'पउमचरिउ' जैसे रामकथा संबंधी कई ग्रंथ हैं। सिख धर्म में भी राम का महत्वपूर्ण स्थान है, जिन्हें राम अवतार या राजा राम कहा जाता है। गुरु गोविंद सिंह द्वारा रचित दशम ग्रंथ के अन्तर्गत 'चौबीस अवतार' में राम का उल्लेख भगवान विष्णु के 24 दिव्य अवतारों में से एक के रूप में किया गया है। मुसलमानों में कवि रहीम ने, जो तुलसी के समकालीन थे, राम के आदर्श को नमन करते हुए लिखते हैं ‘रामचरित मानस विमल, संतन जीवन प्राण/हिन्दुआन को वेद सम, यवनहीं प्रकट कुरान’, तो ईसाइयों में रामकथा के प्रामाणिक शोधकर्ता फादर कामिल बुल्के के अनुसार “जिन आदर्शों, जीवन-मूल्यों और सामाजिक समरसता की प्रतिष्ठा के लिए श्रीराम संघर्ष करते हैं वे पूरे भारतीय जीवन-संस्कृति में रचे-बसे हैं”। स्पष्ट है कि श्रीराम सभी पंथों से परे एक ऐसे सांस्कृतिक चरित्र हैं जो भारतीय संविधान की प्रस्तावना में प्रयुक्त ‘पंथनिरपेक्ष’ शब्दावली के सच्चे प्रतीक के रूप में मौजूद हैं।

समस्त भारतीयता के प्रतिनिधि

भौगोलिक दृष्टि से देखें तो उत्तर से लेकर दक्षिण और पूर्व से लेकर पश्चिम सभी दिशाओं में रामकथा विद्यमान है। पूर्व में ‘कृतिवास रामायण’ और पूर्वोत्तर के रामायणों की चर्चा होती है, तो महाराष्ट्र में ‘भावार्थ रामायण’ है। उत्तर में वाल्मीकि रामायण और रामचरितमानस हैं, तो दक्षिण में कम्ब रामायण है। विभिन्न भारतीय भाषाओं में हिन्दी में 11, मराठी में 8, बाङ्ला में 25, तमिल में

12, तेलुगु में 12 तथा उड़िया में 6 महत्वपूर्ण रामायण मिलते हैं। इसके अतिरिक्त गुजराती, मलयालम, कन्नड़, असमिया,कश्मीरी, उर्दू, अरबी, फारसी, संथाली व पूर्वोत्तर आदि की अनेक भाषाओं में रामकथा लिखी गयी। इस दृष्टि से राम समस्त भारतीयता के प्रतिनिधि चरित्र हैं।

सार्वभौमिक चरित्र राम

यही नहीं, भारत के बाहर भी संसार के अनेक देशों में अनेक भाषाओं में रामचरित्र आपको दिखाई पड़ेगा। विदेशों में भी ‘तिब्बती रामायण’; पूर्वी तुर्किस्तान की ‘खोतानी रामायण’; इंडोनेशिया की ‘ककबिनरामायण’; जावा का ‘सेरतराम’, ‘सैरीराम’, ‘रामकेलिंग’, ‘पातानीरामकथा’; इण्डोचाइना की ‘रामकेर्ति’,‘खमैररामायण’; म्यांमार की ‘यूतोकी रामयागन’; थाईलैंड की ‘रामकियेन’ आदि रामचरित्र के सार्वभौमिकता का बखूबी बखान करती हैं।

समावेशी राम

श्रीराम सर्व समावेशी भी हैं, सामाजिक समरसता के सच्चे प्रतीक हैं। यह अनायास नहीं कि तथाकथित सवर्ण जातियों के अतिरिक्त पिछड़े-दलित तथा आदिवासी जातियों के लोगों ने भी राम को अपनी रचना का विषय बनाया। कबीर “मेरा मन रामहि आहि” कहते हैं तो रैदास “जब मन मिलो राम-सागर सों” की धुन लगाते हैं। इक़बाल जैसे शायर ने तो श्रीराम की शान में कविता लिखी। उन्होंने श्रीराम को हिंदू धर्म का प्रतीक न मान कर भारत की सांस्कृतिक धरोहर के प्रतीक के रूप में पहचाना है।

सामाजिक समरसता के प्रतीक

सामाजिक समरसता के प्रतीक श्रीराम सामाजिक दृष्टि से राज पुरुष होते हुए भी सभी समुदायों, सभी जातियों, सभी वर्गों और समुदायों के प्रति समानधर्मा और समभावी हैं। एक तरफ उनका आत्मीय संबंध कोल, किरात, भील, शबर, गुह और निषाद आदि ओबीसी या आदिवासी लोगों के साथ है, तो दूसरी तरफ पशु-पक्षियों और वृक्षों-पादपों से भी उनका वैसा ही प्रगाढ़ संबंध है। केवट, गुह और निषादराज आदि जहाँ राम के मित्र हैं, वहीं भाव-विभोर होकर भीलनी माता शबरी के झूठे बेर भी श्रीराम खाते हैं। एक ओर पक्षीराज जटायु के प्रति करुणा व्यक्त करते हैं तो वानरश्री हनुमान उनके अंतरंग है, और भल्लूकराज जामवंत और वानरराज सुग्रीव उनके मित्र।

आज भी प्रेरणास्रोत

आज के भौतिकतावादी युग में सामाजिक विघटन और पारिवारिक मूल्यों के क्षरण के दौर में जिस तरह से सारे सामाजिक और पारिवारिक संबंध टूट रहे हैं, भाई अपने भाई से, पिता अपने पुत्र से, और मित्रता के संबंध जब क्षणभंगुर हो रहे हैं, ऐसे में भी राम का उदात्त चरित्र शाश्वत प्रेरणास्पद और मन में एक उत्साह जगाने वाला दिखाई पड़ता है। राम का चरित्र एक तरफ करुणा सम्पन्न है तो दूसरी तरफ वीर और शौर्यवान भी। अपने पराक्रम रूप में वे राक्षसों के आतंक का खत्म कर सज्जनों को दिलासा देते हैं। आज जब संसार आतंकवाद की विभीषिका झेल रहा है, ऐसे में भी श्रीराम का यह रूप संसार को एक वैश्विक संदेश दे सकता है। सार्वजनीन चरित्र श्रीराम का ऋषि-मुनियों, भक्तों-संतों और कवियों आदि ने महिमा मंडन तो किया ही, आधुनिक काल में भी विभिन्न मनीषियों और चिंतकों जैसे विवेकानंद, महर्षि अरविंदो, तिलक, रवींद्रनाथ ठाकुर, महात्मा गांधी, विनोबा भावे और लोहिया राम चरित्र से बहुत प्रभावित थे, और अपने लेखन का विषय बनाया। भारत के कण-कण में, हर मन में राम विराजमान हैं। श्रीराम वह सांस्कृतिक पुरुषोत्तम हैं जो देश-काल से परे हैं। श्रीराम जिन जीवन मूल्यों, आदर्शों, मर्यादा और सामाजिक समरसता की प्रतिष्ठा के लिए संघर्ष करते हैं, वे भारतीयों के जीवन-संस्कृति में रचे-बसे हैं। यह अकारण नहीं कि जिस निर्माणाधीन राम मंदिर की आज चर्चा हो रही है उसके निर्माण के लिए निधि समर्पण में पूरी दुनिया में बसे हिन्दू भारतीयों लोगों के साथ-साथ कम्युनिस्ट, बौद्ध, पारसी, ईसाई व मुसलमान ने भी सहयोग किया है। यह देश सदा ऋणी रहेगा क्योंकि यह राम मंदिर ही नहीं, राष्ट्र मंदिर भी है।

‘धर्मराज्य’ के लिए मिलती रहेगी प्रेरणा

राम मंदिर
प्रो. महेश चंद गुप्ता
शिक्षाविद् व डीयू के पूर्व प्रोफेसर

हर सनातनी और राष्ट्रवादी देशवासी उस घड़ी का साक्षी बनने को आतुर है, जब अयोध्या के श्रीराम मंदिर में श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा होगी। सनातन संस्कृति के आस्थावान इस अवसर को दिव्य, अद्भुत, अलौकिक तथा देश के सम्मान की पुनरुस्थापना का मार्ग प्रशस्त करने वाला मान रहे हैं। आशा की जा रही है कि श्रीराम लला के अयोध्या में विराजमान होने के बाद भारत फिर से राम राज्य के आदर्श बनने की ओर अग्रसर होगा।

22 तारीख के इंतजार में देश में कुछ वैसा ही माहौल है, जिस प्रकार दीपावली और स्वाधीनता दिवस से पहले हुआ करता है। देश का हर नागरिक इस दिन दीप प्रज्ज्वलित करने के लिए तत्पर है। सनातन धर्म और संस्कृति में जिनकी आस्था है, उनके लिए जितना 15 अगस्त के दिन का महत्व है, उतना ही जनवरी की 22 तारीख का भी होगा। यह कोई साधारण दिन नहीं है और न ही आसानी से देखना नसीब हो रहा है। यह कई पीढियों द्वारा सदियों तक किए गए प्रयासों-संघर्षों का परिणाम है। श्रीराम के प्रयोजन के लिए जिन लोगों ने अपना सर्वस्व होम कर दिया, यह उन हुतात्माओं के बलिदान का प्रतिफल है।

अयोध्या में बना यह मंदिर देश के लिए सिर्फ पूजास्थल नहीं है बल्कि यह हमारे लिए तप, त्याग और संकल्प प्रतीक और स्थायी प्रेरणापुंज बनने जा रहा है। इसकी वजह साफ है-श्रीराम का यह भव्य मंदिर जिस आंदोलन की बदौलत आकार ले पाया है, वह अर्पण, तर्पण और संकल्प से ओत-प्रोत आंदोलन था। उसी अर्पण, तर्पण और संकल्प की बदौलत ये मंदिर कोटि-कोटि लोगों की सामूहिक संकल्प शक्ति और हमारे राष्ट्र का प्रतीक बनने जा रहा है। जन मान्यता है कि इसी मंदिर में श्री रामलला के विराजित होने के उपरांत राम राज का शिलान्यास भी हो जाएगा। उस राम राज की आधारशिला रखी जाएगी, जिसकी परिकल्पना न जाने कब से हम भारत के लोग कर रहे हैं। सदियों की प्रतीक्षा समाप्त होने जा रही है।

अभी हम जिस कालखंड में जी रहे हैं, वह भारत के लिए क्रांतिकारी, गौरवशाली और बड़े सकारात्मक बदलावों का कालखंड है। पूरी दुनिया हमारी संस्कृति को मान रही है। भारत की गौरवशाली और प्राचीन संस्कृति की तरफ लोगों का रूझान है। पाश्चात्य संस्कृति की ओर खिंचे रहने वाले युवा भी हमारी संस्कृति को पुनः अंगीकार कर रहे हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विश्व हिंदू परिषद समेत सौ से ज्यादा संस्थाएं समाज को जाग्रत कर रही हैं। निश्चय ही आने वाला समय अच्छा समय है, इसमें श्रीराम मंदिर मील का पत्थर बनने जा रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने तो अगले पच्चीस सालों में मंदिर से राम राज की यात्रा का शुभारंभ करने की तैयारी शुरू की है। इसके लिए संघ की एक महत्ती योजना है, जिसके तहत संघ अगले पच्चीस सालों में ऐसे सशक्त भारत का निर्माण करना चाहता है, जिसकी बदौलत भारत एक बार पुनः विश्व गुरु बने। वर्ष 2047 में देश की आजादी के एक सौ वर्ष पूरे होने के अवसर पर आरएसएस की जो परिकल्पना है, उसे साकार करने के लिए केन्द्र बिंदू राम का मंदिर है और संघ समाज की सभी संस्थाओं को राम राज्य की

परिकल्पना के अनुरूप संवैधानिक दायरे में स्थापित करने का रोडमैप बना रहा है। संघ चाहता है आगामी पच्चीस सालों में प्रत्येक व्यक्ति का हृदय ऐसा हो, जिसमें श्रीराम स्वयं बसें और हर व्यक्ति अपने व्यक्तिगत एवं पारिवारिक जीवन की रचना इसी के अनुरूप करे।

आज यह सब करने की जरूरत इसलिए पड़ रही है क्योंकि अतीत में समय चक्र कुछ ऐसे चला, जिससे आसुरी शक्तियां हावी हो गईं। विदेशी आक्रांताओं की वजह से एक लंबे कालखंड तक देश में प्रतिकूल हालात बने रहे। आक्रांताओं ने हमारे विशाल भवन नष्ट कर दिए। हमारे अस्तित्व के खात्मे की कोशिशें की गईं मगर वह श्रीराम को भला किस प्रकार मिटा पाते। उस राम को कैसे मिटाते, जो कण-कण में हैं, हर जन के हृदय में हैं। वक्ती तौर पर भवनों को ढहा देने वाले आक्रांता खुश हो कर चले गए लेकिन जिस प्रकार काले बादलों का अंधेरा छंटने पर सूर्य की सप्त रश्मियां वातावरण को फिर से जगमग कर देती हैं, उसी प्रकार राम मंदिर की बदौलत देश में सुख, शांति, समृद्धि, वैभव की जगमगाहट होना तय हो गया है।

विरोध कर रहे मुट्ठी भर नेताओं को समझना चाहिए कि राम मंदिर किसी एक व्यक्ति अथवा पार्टी का नहीं है, इससे करोड़ों लोगों की आस्था जुड़ी है। राम किसी एक के नहीं, सबके हैं। समूचे संसार के हैं। भारतवर्ष में करोड़ों लोगों की आस्था के केन्द्र राम हैं तो अनेक विदेशों में भी हैं।

आज यह धारणा बलवती हो रही है कि राम मंदिर अनंत काल तक समूची मानवता को प्रेरणा देगा तो यह अकारण नहीं है। शास्त्रों में उल्लेख इस बात का है कि श्रीराम के समान कोई नीतिवान समूची धरा पर कभी नहीं हुआ। कोई गरीब व दुःखी न हो, यह राम राज का उद्देश्य था। श्रीराम का संदेश यह था कि नर-नारी को समान भाव से सुख मिले और बुजुर्गों व बच्चों की सदैव रक्षा हो।

कुछ लोगों के मन में प्रश्न उठ सकता है कि आखिर राम राज क्या है? राम राज एक सामाजिक व्यवस्था का नाम है। यह एक ऐसी व्यवस्था है, जिसकी परिकल्पना महात्मा गांधी ने भी की थी। राम राज रूपी सामाजिक व्यवस्था समर्पण एवं त्याग की भावनाओं से ओत-प्रोत है। राम राज ऐसी व्यवस्था का द्योतक है, जिसमें शांति, सत्य और जन भावना का समावेश लाजिमी है। इसमें ‘प्राण जाए पर वचन न जाए’ की भावना निहित है। लोक भावनाओं के सम्मान के बिना तो राम राज की कल्पना ही नहीं की जा सकती है। तुलसी दास जी ने राम राज के बारे में रामायण में जो लिखा है, उसे देखिए। वे कहते हैं- ‘‘दैहिक, दैविक, भौतिक तापा, रामराज काहु नहीं व्यापा।’’ अर्थात राम जी के राज में न देह से संबंधित रोग थे, न दैवीय प्रकोप और न ही भौतिक आपदाओं का प्रभाव व्याप्त था।

महात्मा गांधी के 20 मार्च, 1930 को हिन्दी पत्रिका ‘नवजीवन’ में ‘स्वराज्य और रामराज्य’ शीर्षक से प्रकाशित लेख में राम राज्य का बहुत ही सुंदर शब्दों में वर्णन किया गया है। गांधी जी लिखते हैं कि ‘‘स्वराज्य के कितने ही अर्थ क्यों न किए जाएं, तो भी मेरे नजदीक तो उसका त्रिकाल सत्य एक ही अर्थ है, और वह है रामराज्य, यदि किसी को रामराज्य शब्द बुरा लगे तो मैं उसे धर्मराज्य कहूंगा। रामराज्य शब्द का भावार्थ यह है कि उसमें गरीबों की संपूर्ण रक्षा होगी। सब कार्य धर्म पूर्वक किए जाएंगे और लोकमत का हमेशा आदर किया जाएगा। सच्चा चिंतन तो वही है, जिसमें रामराज्य के लिए योग्य साधन का ही उपयोग किया गया हो। यह याद रहे कि रामराज्य स्थापित करने के लिए हमें पाण्डित्य की कोई आवश्यकता नहीं है। जिस गुण की आवश्यकता है, वह तो सभी वर्गों के लोगों- स्त्री, पुरुष, बालक और बूढ़ों- तथा सभी धर्मों के लोगों में आज भी मौजूद है। दुःख मात्र इतना ही है कि सब उसे जगाते नहीं हैं। सत्य, अहिंसा, मर्यादा-पालन, वीरता, क्षमा, धैर्य आदि गुणों का हममें से हरेक व्यक्ति परिचय दे सकता है। श्रीराम का मार्ग मानवता का मार्ग है। जब-जब हम श्रीराम के मार्ग पर चले हैं तो विकास ने बाहें फैलाई हैं लेकिन यह भी सत्य है कि जब-जब हम राम जी के रास्ते से भटके हैं तो हमारा पतन हुआ है। अब हम राम के मार्ग पर हैं। हमारा मूल रास्ता ही यही है क्योंकि राम हमारी संस्कृति के आधार हैं।

कर्तव्य पथ पर झांकी में हर राज्य को मिल सकेगा मौका, रक्षामंत्रालय ने बनाया फार्मूला

शिशिर सोनी ⏭ नई दिल्ली

हरिभूमि विशेष

हर साल गणतंत्र दिवस के पहले किस राज्य की झांकी को मौका मिला किसे नहीं मिला, इसको लेकर खूब राजनीति होती रही है। विपक्षी दलों को सत्तासीन दलों के खिलाफ खूब सियासी 'मसाला' मिल जाता था। देशभर में एक बहस शुरू हो जाती थी। अब ऐसी बहस पर पूर्ण विराम लगाने के लिए रक्षामंत्रालय ने स्वयं पहल की है। आगामी तीन वर्ष का चार्ट बनाकर सभी राज्यों के प्रमुख सचिवों को भेज दिया गया है। छत्तीसगढ को इस साल मौका दिया गया अब 2026 में छत्तीसगढ को फिर से मौका मिल सकेगा।

रक्षामंत्रालय की विशेष समिति द्वारा कसौटी पर कसे जाने के बाद बारी बारी से संबंधित राज्य की भागीदारी निभा सकेंगे। सभी राज्यों को मौका मिलेगा। वर्ष 2024 में, इस साल जिन 16 राज्यों को गणतंत्र दिवस के अवसर पर अपने राज्यों की झांकी निकालने का मौका मिल गया है उनमें से अधिकांश को अगले वर्ष 2025 में मौका नहीं मिलेगा। अन्य राज्यों को तय मानक और विषय के अनुसार झांकियों की प्रतियोगिता में शामिल होने का मौका मिलेगा। ये बात अलग है कि इस साल जिन 16 राज्यों की झांकियां कर्तव्य पथ पर दिखेंगी उनमें झारखंड की झांकी भी है। झारखंड को अगले साल भी मौका दिया गया है।

दस सालों से 'गायब' चंडीगढ़ की बारी अगले साल आएगी

पिछले दस सालों से चंडीगढ की झांकी फेल होती रही। थकहार का इस साल झांकी प्रशासन ने आवेदन ही नहीं किया। चंडीगढ की झांकी को 2025 के लिए लिस्ट में शामिल किया गया है। वैसे ही हिमाचल प्रदेश की झांकी पिछले चार सालों से कसौटी पर खरी नहीं उतर नहीं पाई। हिमाचल को 2026 में मौका दिया जाएगा, बशर्ते उनकी झांकी रक्षामंत्रालय के विशेष समिति से हरी झंडी ले सके!

पंजाब और दिल्ली की झांकी को इस बार मौका नहीं मिलने के कारण आम आदमी पार्टी की ओर से कई तरह के किंतु परंतु उठे। पश्चिम बंगाल से भी कुछ विरोध की आवाजें आई। मगर, रक्षामंत्रालय के सूत्रों ने साफ किया कि राज्य की झांकियां कर्तव्य पथ पर विशेष समिति द्वारा अनुशंसित होकर शामिल की जा सकती हैं। इसको किसी तरह के राजनीतिक चश्मे से देखना उचित नहीं। आखिरकार झांकियां देश के मजबूत लोकतंत्र और अनेकता में एकता की रूपक होती हैं इसमें कोई राजनीति कौन और क्यों करेगा?

सूत्रों ने जोडा कि विशेष समिति ने व्यवस्थागत नीतियों के तहत हर साल 15-16 राज्यों की झांकियों को ही शामिल करने की अनुमति देते हैं। उसी नीति के तहत संबंधित राज्यों की झांकियों को कसौटी पर कसने के बाद अनुमति दी जाती है।

रक्षा मंत्रालय के सचिव के आदेश से अंडर सेक्रेटरी अशोक पांडेय ने सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को भेजे गये तीन पेज के पत्र में इस बात का जिक्र किया है कि सभी राज्यों, केंद्र शासित राज्यों को छह जोनों में बांट कर कोशिश की जा रही है कि तीन सालों में बारी बारी से सभी को मौका दिया जा सके।

इस साल इन राज्यों को दिया गया मौका

हरियाणा
राजस्थान
लद्दाख
छत्तीसगढ
उत्तरप्रदेश
मध्यप्रदेश
झारखंड
ओडिशा
गुजरात
महाराष्ट्र
आंध्रप्रदेश
तमिलनाडु
तेलंगाना
अरुणाचल प्रदेश
मणिपुर
मेघालय

2025 में ये राज्य कर सकेंगे शिरकत

पंजाब
दिल्ली
चंडीगढ
उत्तराखंड
मध्यप्रदेश
बिहार
झारखंड
गोवा
दादर नागर
हवेली, दमन दीव
कर्नाटक
अंडमान
निकोबार
लक्षद्वीप
त्रिपुरा
मिजोरम
सिक्किम

2026 में इनकी आएगी बारी

हिमाचल प्रदेश
राजस्थान
जम्मू कश्मीर
छत्तीसगढ
उत्तरप्रदेश
ओडिशा
पश्चिम बंगाल
गुजरात
महाराष्ट्र
केरल
तमिलनाडु
पुडुचेरी
असम
मणिपुर
नगालैंड

खबर संक्षेप

रायुडू ने वाईएसआर कांग्रेस से दिया इस्तीफा

भुवनेश्वर। भारत के पूर्व बल्लेबाज अंबाती रायुडू को राजनीति रास नहीं आई। वे 2 हफ्ते तक भी इस पिच पर नहीं टिक पाए। 28 दिसंबर को वाईएसआर कांग्रेस में शामिल होने वाले अंबाती ने 6 जनवरी को इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कुछ समय राजनीति से दूर रहने की घोषणा की।

संजय को राहत, जाकर फार्म भरने की छूट

नई दिल्ली। दिल्ली शराब नीति मामले में गिरफ्तार किए गए आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह को कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। दिल्ली की एक कोर्ट ने संजय सिंह को आगामी राज्यसभा चुनावों के लिए खुद जाकर नॉमिनेशन भरने की छूट दी है। इससे पहले आप ने शुक्रवार के लिए नामित किया था।

दिल्ली के मोदी मिल इलाके में भीषण आग

दिल्ली। यहां के मोदी मिल इलाके के जंगल में भीषण आग लगने की खबर है। दमकल की 7 गाड़ियां आग पर काबू पाने की कोशिश कर रही हैं। अभी तक किसी तरह के जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है। ये आग मथुरा रोड स्थित मोदी मिल के जंगल में लगी है। आसपास भारी जाम लग गया है।

मॉडल दिव्या मर्डर की जांच करेगी एसआईटी

गुरुग्राम। मॉडल दिव्या पाहुजा मर्डर केस में एसआईटी का गठन किया गया है। एसआईटी में डीसीपी क्राइम, सेक्टर-17 क्राइम ब्रांच के इंचार्ज इंस्पेक्टर अनिल और थाना प्रभारी सेक्टर-14 शामिल हैं। दिव्या की होटल सिटी प्वाइंट में होटल मालिक अभिजीत सिंह ने गोली मार दी थी।

नोएडा में 14 तक बंद रहेंगे 8वीं तक के स्कूल

ग्रेटर नोएडा। भीषण ठंड और कोहरे को देखते हुए जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के निर्देश पर जिले के नर्सरी से आठवीं तक के 14 जनवरी तक बंद रहेंगे। बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पवार ने कहा, घने कोहरे और ठंड के कारण गौतमबुद्धनगर में मान्यता प्राप्त आठवीं तक के स्कूलों में अवकाश घोषित किया गया है।

राशन घोटाले में बंगाल में ईडी की छापामार कार्रवाई दूसरे दिन भी जारी

हमले के बाद से फरार अब टीएमसी नेता शाहजहां के खिलाफ लुकआउट नोटिस

ईडी ने नोटिस को सभी एयरपोर्ट और सीमा सुरक्षा बल, सीमा पुलिस तथा अन्य एजेंसियों को भेज दिया है। जगह-जगह उसकी तलाश की जा रही

एजेंसी ⏭ कोलकाता

पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के छापामारी के दौरान टीम पर भीड़ के हमले के मामले में ईडी ने टीएमसी नेता शाहजहां शेख के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया है। पुलिस शुक्रवार को उसके घर पर छापा मारने पहुंची थी, तभी टीम पर हमला हो गया था। इसमें कई अधिकारी घायल भी हो गए थे। घटना के बाद से शेख फरार है। ईडी के मुताबिक शाहजहां शेख के समर्थकों ने ही हमला किया था।

ईडी ने नोटिस को सभी एयरपोर्ट और सीमा सुरक्षा बल, सीमा पुलिस तथा अन्य एजेंसियों को भेज दिया है। उत्तर 24 परगना जिला परिषद सदस्यशेख के संदेशखाली स्थित आवास पर तलाशी ले रही ईडी टीम पर उसके समर्थकों ने हमला कर दिया और सीआरपीएफ कर्मियों के साथ भी मारपीट की। पुलिस ने घटना के संबंध में अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया है, हालांकि तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है।

शाहजहां के समर्थकों ने किया था ईडी टीम पर हमला

अधिकारियों पर जानलेवा हमले के बाद एक्शन में ईडी

शंकर समर्थकों ने किया ईडी टीम के वाहनों पर पथराव

हमले में कई अफसर गंभीर घायल

ईडी के अनुसार जब उनका काफिला बोनगांव से निकल रहा था, तभी भीड़ ने उनकी गाड़ियों पर पथराव करना शुरू कर दिया, जिससे एक गाड़ी का शीशा टूट गया. सूत्र ने कहा कि हमारे अधिकारियों और केंद्रीय बलों को 100 से अधिक लोगों की भीड़ का सामना करना पड़ा। हालांकि, केंद्रीय बल स्थिति को नियंत्रित करने में कामयाब रहे।

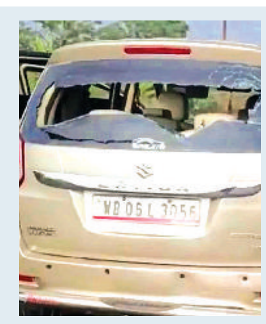

नगर पालिका का पूर्व अध्यक्ष शंकर गिरफ्तार

ईडी ने बोनगांव नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष शंकर आध्या को शुक्रवार देर रात गिरफ्तार कर लिया। आध्या पूर्व मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक का करीबी है। ईडी राशन घोटाले को लेकर टीएमसी नेता शाहजहां शेख के ठिकाने पर छापा मारने पहुंची थी।

यह तीसरी गिरफ्तारी

राशन वितरण घोटाल में में ईडी ने तीसरी गिरफ्तारी की है, पहले कोलकाता स्थित व्यवसायी बकीबुर रहमान, फिर राज्य के वन मंत्री और पूर्व राज्य खाद्य आपूर्ति मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक को गिरफ्तार किया गया। अब शंकर को दबोचा गया है।

ईडी का दावा

हथियारों से लैस 800-1000 लोगों ने अटैक किया

ईडी के अधिकारियों पर हमले को लेकर जांच एजेंसी ने बड़ा दावा किया। ईडी ने कहा कि हमारी टीम पर 800 से 1000 लोगों ने हमला किया। हमलावरों ने मोबाइल, लैपटॉप और कैश लूट लिया। ईडी ने कहा कि पीडीएस घोटाले के मामले में उत्तर 24 परगना के टीएमसी के संयोजक शाहजहां शेख के 3 परिसरों की तलाशी ले रही थी। तलाशी के दौरान एक परिसर में ईडी टीम और सीआरपीएफ कर्मियों पर 800-1000 लोगों ने जान लेने के इरादे से हमला किया।

मुसलमानों को बदरुद्दीन की नसीहत

20 से 26 जनवरी तक घर में रहें, कहीं यात्रा न करें

एजेंसी ⏭ गुवाहाटी

ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के अध्यक्ष बदरुद्दीन अजमल ने मुसलमानों से कहा है कि वे 20 से 26 जनवरी के बीच घर पर ही रहें। इतना ही नहीं उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को मुस्लिम विरोधी बताया। एआईयूडीएफ प्रमुख ने कहा कि भाजपा हमारे धर्म की दुश्मन है। रैली में अजमल ने कहा कि मुसलमान 20 से 26 जनवरी के बीच घर पर ही रहें और रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दौरान ट्रेन से यात्रा करने से बचें।

मदरसा का कर रहे थे शिलान्यास

असम के ग्वालपाड़ा जिले के कदमतल में एक मदरसा के शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए अजमल ने कहा कि भाजपा मुसलमानों से नफरत करती है और हमारे खिलाफ कुछ भी करवा सकती है। इस अवसर तक सभी अपने घर में रहें और सुरक्षित रहें, क्योंकि उस दिन अयोध्या में राम मंदिर की मूर्ति का स्थापना होने वाली है। इसलिए आपसे गुजारिश है कि हर मुसलमान आदमी इस तारीख तक कहीं आने जाने से या रेल की यात्रा करने से परहेज करें।

गिरिराज बोले-किसी से नफरत नहीं

'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' ही हमारा लक्ष्य

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि भाजपा मुसलमानों से नफरत नहीं करती। हम 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के मंत्र के साथ काम करते हैं। सिंह ने कहा कि अयोध्या भूमि विवाद मामले में पूर्व वादी इकबाल अंसारी को राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आमंत्रित किया गया है और वह प्रार्थना में भी भाग लेंगे। सिंह आरोप लगाया कि बदरुद्दीन अजमल और असदुद्दीन ओवैसी जैसे लोग समाज में नफरत फैलाते हैं और भाजपा सभी धर्मों का सम्मान करती है।

पीएम ने एक्स पर किया भजन शेयर

स्वस्ति का 'मेरे राम आएंगे' हम सबके दिल को छू गया

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

रामनगरी अयोध्या में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा की तैयारियां लगभग पूरी हैं। 22 जनवरी को राम मंदिर का भी उद्घाटन होगा।

इस बीच सिंगर स्वस्ति मेहुल की एक भजन की खूब चर्चा में है। स्वस्ति ने भगवान राम के लिए एक भजन गाया है, जो खूब सुर्खियां बटोर रही है। ये भजन पीएम नरेंद्र मोदी के दिल को भी छू गया। पीएम मोदी ने स्वस्ति के इस गाने को लेकर एक ट्वीट भी किया है।

यह भाव-विभोर कर रहा

पीएम मोदी ने 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा 'स्वस्ति जी का ये भजन एक बार सुन लें तो लंबे समय तक कानों में गूंजता रहता है। आंखों को आंसुओं से, मन को भावों से भर देता है।

वाराणसी की जिला अदालत ने एएसआई का आवेदन स्वीकार कर मोहलत प्रदान कर दी

अब 4 सप्ताह तक सार्वजनिक नहीं की जाएगी सर्वे रिपोर्ट

एजेंसी ⏭ वाराणसी

ज्ञानवापी परिसर से संबंधित एएसआई की सीलबंद सर्वे रिपोर्ट के सार्वजनिक करने के मामले में शनिवार को जिला अदालत से आदेश आ गया है। वाराणसी जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत ने एएसआई का आवेदन स्वीकार कर लिया है जिसमें टीम ने 4 सप्ताह तक रिपोर्ट सार्वजनिक न करने की अपील की थी।

एएसआई ने जिला जज को आवेदन देकर कहा कि 4 सप्ताह तक सर्वे रिपोर्ट सार्वजनिक न की जाए, क्योंकि इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 1991 के लंबित वाद लार्ड विश्वेश्वर मामले में भी सर्वे रिपोर्ट दाखिल करने को कहा है।

ज्ञानवापी परिसर से संबंधित रिपोर्ट में वाराणसी जिला

2 सील बंद लिफाफों में रिपोर्ट दाखिल

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत में 2 सील बंद लिफाफों में ज्ञानवापी की सर्वे रिपोर्ट दाखिल की है। रिपोर्ट की मांग हिंदू के साथ ही मुस्लिम पक्ष ने भी की है। हिंदू पक्ष ने रिपोर्ट की प्रति तत्काल दिए जाने का अनुरोध किया था। मुस्लिम पक्ष ने पहले आपत्ति जताई थी, फिर ईमेल आईडी देकर रिपोर्ट मांगी है।

सर्वे रिपोर्ट लीक न हो, मीडिया कवरेज पर लगे रोकः मसाजिद कमेटी

अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद कमेटी ने जिला जज की अदालत में आपत्ति दाखिल की है।

कमेटी ने अनुरोध किया कि शपथ पत्र लेने के बाद ही सर्वे की रिपोर्ट दी जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि सर्वे की रिपोर्ट लीक नहीं होगी। मीडिया कवरेज पर रोक लगाने की मांग भी की गई है।

राहुल के नेतृत्व में एक बार फिर 14 जनवरी से मणिपुर से शुरू की जाएगी यह यात्रा

न्याय का हक मिलने तक राहुल की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के बहाने खरगे का निशाना पीएम पर

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

कांग्रेसके पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की पिछली 'भारत जोड़ो यात्रा' की शुरुआत की घोषणा करते हुए शीर्ष नेतृत्व अन्य साथी दलों के यात्रा में शामिल होने की गुंजाइश को ध्यान में रखते हुए इस बात का खास ध्यान रखा था कि यात्रा राहुल के नेतृत्व में निकाली जा रही है ऐसा न बोला जाए। उस बार शीर्ष नेतृत्व राहुल के 'यात्रा नेतृत्व' को लेकर जितना सावधान था उसके उलट इस बार 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के विषय पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे मुखर दिखे। उन्होंने कहा कि राहुल के नेतृत्व में एक बार फिर 14 जनवरी से मणिपुर से शुरू होने जा रही यात्रा 15 राज्यों से होते हुए मुंबई में जाकर खत्म होगी। यात्रा के पीछे पूरी पार्टी पूरी शक्ति के साथ खड़ी रहेगी।

पिछली बार जयराम ने की थी घोषणा, इस बार खडगे उतरे मैदान में

पिछली भारत जोड़ो यात्रा की घोषणा एआईसीसी के महासचिव जयराम रमेश ने बतौर संचार प्रभारी एआईसीसी के मंच से की थी तो इस बार स्वयं अध्यक्ष खरगे मैदान में उतरे। मीडिया के समक्ष यात्रा की घोषणा करते हुए खरगे पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ अपने स्वभाव के विपरीत कुछ ज्यादा मुखर नजर आए। उन्होंने इस बात को लेकर कटाक्ष किया हर विषय पर बोलने वाले प्रधानमंत्री मणिपुर हिंसा पर आज तक चुप हैं! 'यात्रा' का खाका और मकसद, पेश करते हुए उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि 'यात्रा' के मार्फत देश की जनता को महंगाई, बेरोजगारी, किसानों के मुद्दे, मजदूरों की बुरी हालत, अमीर-गरीब के बीच में बढ़ती खाई और जातिगत जनगणना से जुड़े मुद्दों पर जन जागरण किया जाएगा। यात्रा के दौरान राहुल समाज के विभिन्न वर्गों एवं संगठनों से बात करेंगे। उनकी समस्याओं के समाधान पर विचार-विमर्श करेंगे। यात्रा में देश को बताया जाएगा कि कैसे 'मणिपुर' पर चुप्पी से लेकर संसद में 146 सांसदों का निलंबन कर केंद्र ने लोकशाही पर प्रहार किया है।

'लोगो' और टैग लाइन-'न्याय का हक, मिलने तक'

शनिवार को खरगे ने 'न्याय का हक मिलने तक' नारे के साथ 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' का 'लोगो' लॉन्च किया। इस दौरान उनके साथ कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल और संचार विभाग के प्रभारी महासचिव जयराम रमेश भी मौजूद रहे। पत्रकारों से बातचीत में खरगे ने कहा, 'यात्रा' का मंच, एनजीओ, पत्रकारों, किसान, छोटे व्यापारी, दलित-पिछड़े वर्ग, आदिवासियों और बौद्धिक वर्ग को अपने साथ जोड़ेगा। खड़गे ने यात्रा में शामिल होने को मित्र दलों और सिविल सोसाइटी के लोगों को आमंत्रित किया।

एजेंसियों के दुरुपयोग पर बोले खड़गे

जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का जिक्र करते हुए खरगे ने कहा, भाजपा सरकार खुलेआम ईडी, सीबीआई, आयकर विभाग का इस्तेमाल कर विपक्ष को डराने-धमकाने का काम कर रही है। यह लोग जब विपक्ष के नेताओं को पकड़ते हैं, तो उनके ऊपर कोई भी केस थोप देते हैं। जैसे ही वह नेता भाजपा में शामिल होता है, उसकी छवि साफ हो जाती है। नए आपराधिक कानूनों, श्रम कानूनों को लेकर भी सरकार पर हमला कर कहा तानाशाही के संकेत हैं।

शेयर खरीदने के बाद रहें बेफिक्र भाव गिरे तब भी फायदे में रहोगे

हर सौदे में नुकसान से बचने के लिए हेजिंग करना जरूरी ● स्टॉक मार्केट में हेजिंग का मतलब रिस्क मैनेजमेंट स्ट्रेटेजी ● यह आपको बड़े नुकसान से बचाने में हर हाल में सक्षम ● शेयरों में पैसा लगाना बाजार जोखिमों के अधीन होता है ● फ्यूचर एंड ऑप्शन में कॉल और पुट की एक्सपायरी भी ● इसकी अवधि एक माह तक हो सकती है ● आप हर माह अपनी कैश पॉजिशन को नुकसान से बचा सकते हैं

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में पैसा लगाते वक्त एक डर हमेशा निवेशकों के मन में रहता है कि कहीं स्टॉक गिर तो नहीं जाएगा। यह चिंता बड़े निवेशकों को बहुत रहती है, क्योंकि जो व्यक्ति बाजार में 10 लाख, 1 करोड़ या उससे ज्यादा पैसा लगाता है तो शेयरों में गिरावट होने का डर लाजिमी है, लेकिन, शेयरों में करोड़ों रुपये लगाने वाले इन्वेस्टर्स नुकसान से बचने के लिए बीमा भी करा लेते हैं। आप सोचेंगे कि शेयर खरीदने पर कौन-सा इंश्योरेंस होता है हमने तो आज तक नहीं सुना। आपने नहीं सुना इसका यह मतलब नहीं है कि ऐसा नहीं होता है। चूंकि शेयरों में पैसा लगाना बाजार जोखिमों के अधीन है और जहां रिस्क है वहां खुद को सिक्योर करना बहुत जरूरी है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए शेयर बाजार में फ्यूचर एंड ऑप्शन के कॉन्सेप्ट को लाया गया है, जिन्हें हेजिंग टूल कहा जाता है। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएं कि कि एफ एंड ओ यानि फ्यूचर एंड ऑप्शन क्या है। इसके क्या लाभ हैं। यह कैसे शेयर का भाव गिरने पर भी नुकसान नहीं होन देता।

क्या होती है हेजिंग

बाजार के जानकारों का कहना है कि स्टॉक मार्केट में हेजिंग का मतलब रिस्क मैनेजमेंट स्ट्रेटेजी यानी जोखिम प्रबंधन रणनीति है। इसका इस्तेमाल निवेशकों द्वारा शेयरों की कीमत में होने वाले से संभावित नुकसान को कम करने के लिए किया जाता है। हेजिंग की सुविधा शेयर, बॉन्ड, कमोडिटी और करेंसी सभी मार्केट में उपलब्ध है। इसे असानी से लिया जा सकता है। इसके कई प्रकार के लाभ होते हैं।

जोखिम से बचाने वाला बीमा

मान लीजिये आपने बहुत रिसर्च करके कोई शेयर खरीदा और आप आश्वस्त हैं कि आने वाले दिनों में शेयर का भाव बढ़ेगा, लेकिन, बाजार में इसकी कोई गारंटी नहीं होती है। एक बुरी खबर से शेयर औंधे मुंह गिर जाते हैं। ऐसे में अपनी पॉजिशन को हेज करना बहुत जरूरी है। मान लीजिये आप कोई भी स्टॉक खरीदते हैं, जिसका भाव 130 रुपये है। अगर आपने 130 के भाव से 10,000 शेयर खरीदे यानी कुल 13 लाख रुपये का निवेश किया।

जरा सोचिये, 13 लाख रुपये कितनी बड़ी रकम होती है और वह हम ऐसे बाजार में रखते हैं जहां रिस्क और रिवॉर्ड दोनों मिलते हैं। जिस तरह हम महंगी गाड़ी खरीदने पर इंश्योरेंस कराते हैं और कीमती जेवरों की सुरक्षा के लिए उन्हें लॉकर में रखते हैं, इन दोनों कामों के लिए हमें प्रीमियम या किराया देना होता है। ठीक उसी तरह फ्यूचर एंड ऑप्शन में प्रीमियम अदा करके अपनी 13 लाख रुपये की पॉजिशन को हेज कर सकते हैं।

आसानी के कर सकते हैं

फ्यूचर एंड ऑप्शन में पुट या कॉल ऑप्शन खरीद या बेचकर कैश मार्केट की पॉजिशन को आसानी से हेज किया जा सकता है। हालांकि, कॉल और पुट खरीदने में सिर्फ प्रीमियम देना होता है जो काफी कम होता है, जबकि सेल करने के लिए मार्जिन लगता है जो काफी ज्यादा होता है। इसलिए निवेशक कम पैसे में अपने निवेश किए गए रुपयों को आसानी से हेज कर सकते हैं और होने वाले नुकसान से बच सकते हैं।

यह भी कर सकते हैं

निवेशकों ने जिस स्टॉक के लिए 130 के भाव पर 10,000 शेयर खरीदे हैं। अगर शेयर गिरा तो नुकसान से बचने के लिए आप इस स्टॉक के 130 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का पुट ऑप्शन खरीद सकते हैं, जिसका भाव इस बाजार तक 4 रुपये तक चल रहा है और इसका लॉट साइज 10,000 है। आपको 40,000 रुपये का प्रीमियम देना होगा। यानी 13 लाख की कैश पॉजिशन में होने वाले नुकसान से बचने के लिए आपने 40,000 में पुट ऑप्शन खरीद लिया।

ऐसे होता है प्रॉफिट

अब आप देखिये कैश पॉजिशन में 1 लाख का प्रॉफिट होता है और पुट ऑप्शन में 40,000 का नुकसान भी हो जाए तो भी आप 60,000 के मुनाफे में रहेंगे। वहीं, अगर शेयर का भाव गिरकर 120 रुपये आ जाता है तो पुट ऑप्शन का प्रीमियम बढ़ेगा। ऐसे में कैश पॉजिशन में आपको 1 लाख का नुकसान होगा। वहीं, पुट का प्रीमियम बढ़कर 4 रुपये से बढ़कर 14 रुपये पहुंच जाता है तो यहां आपको 1 लाख रुपये का प्रॉफिट होगा यानी कैश पॉजिशन में 1 लाख का नुकसान और पुट ऑप्शन में 1 लाख का प्रॉफिट होने पर 'नो लॉस नो प्रॉफिट' रहेगा। अगर पुट का प्रीमियम 14 से बढ़कर 16 रुपये हुआ तो उल्टा आप 20,000 के प्रॉफिट में रहेंगे। हालांकि, फ्यूचर एंड ऑप्शन के जरिए हेजिंग करने के लिए शेयरों की चाल पर नजर रखना बहुत जरूरी है, जिस दिशा में शेयर बढ़े उसके हिसाब से पॉजिशन को काटना जरूरी है, ताकि ज्यादा से ज्यादा मुनाफा हासिल किया जा सके। बता दें कि फ्यूचर एंड ऑप्शन में कॉल और पुट की एक्सपायरी होती है, जिसकी अवधि एक माह होती है। आप हर माह अपनी कैश पॉजिशन को हेजिंग के जरिए नुकसान से बचा सकते हैं।

सोना या शेयर 2024 में कौन चमकाएगा आपकी किस्मत

अक्सर देखने में आता है कि निवेशकों की निगाह हमेशा ऐसे विकल्पों को खोजती रहती है, जो उन्हें तगड़ा रिटर्न दिला सके। वर्ष 2023 को देखें तो सोना और सेंसेक्स दोनों ने ही जमकर रिटर्न दिया है। ऐसे में निवेशकों के लिए ये दोनो एसेट्स निवेश का बेहतर विकल्प बनकर उभरे हैं। वैसे भी कहा जाता है कि निवेशकों के लिए शेयर और सोना दोनों ही पोर्टफोलियो में रखना फायदेमंद होता है।

बिजनेस डेस्क

साल 2023 निवेशकों के लिए काफी गोल्डन रहा है। शेयर बाजार हो या सोना, दोनों ने ही जमकर रिटर्न दिया। इससे सैकड़ों निवेशक मालामाल हुए हैं। सेंसेक्स ने जहां ऐतिहासिक आंकड़ों को छू लिया तो सोना भी पहली बार 60 हजार के पार पहुंचा। अब बाजार के जानकारों के अनुमान है कि वर्ष 2024 भी निवेशकों को जमकर मुनाफा देकर जाएगर। ऐसे में सवाल उठता है कि इस साल निवेशकों को किस एसेट्स पर ज्यादा दांव लगाना चाहिए, सोने पर या शेयरों में। इस बारे में एक्सपर्ट ने निवेशकों के लिए कई काम की जानकारियां दी हैंए जिससे सारी कंफ्यूजन दूर हो गई। वर्ष 2023 को देखें तो सोना और सेंसेक्स दोनों ने ही जमकर रिटर्न दिया है। ऐसे में निवेशकों के लिए ये दोनो एसेट्स निवेश का बेहतर विकल्प बनकर उभरे हैं। वैसे भी कहा जाता है कि निवेशकों के लिए शेयर और सोना दोनों ही पोर्टफोलियो में रखना फायदेमंद होता है।

बाजार ने पिछले साल 16 फीसदी रिटर्न दिया

अगर हम 2023 पर नजर डालें तो शेयर बाजार में करीब 10,000 अंकों का उछाल दिखा है। इसका मतलब है कि बाजार ने अपने निवेशकों को करीब 16 फीसदी का रिटर्न दिया है। इसी तरह, अगर गोल्ड पर नजर दौड़ाई जाए तो 2023 में इस विकल्प में पैसे लगाने वाले को करीब 15 फीसदी का जबरदस्त रिटर्न मिला है। ऐसे में हम 2024 को लेकर एक्सपर्ट से शेयर बाजार और सोना दोनों का ही ग्रोथ प्रोजेक्शन लेकर आए हैं, जिससे निवेशकों को यह जानने में आसानी होगी कि वे अपना पैस किस विकल्प में लगाएं।

शेयर बाजार फिर देगा तगड़ा रिटर्न

इक्विटी और शेयर बाजार के जानकारों का कहना है कि साल 2024 में भी सेंसेक्स का प्रदर्शन जबरदस्त रहेगा। उन्होंने बताया कि 2024 की समाप्ति तक सेंसेक्स 83,250 और निफ्टी 25,000 के आंकड़े को पार कर सकता है। बता दें कि हाल ही में सेंसेक्स 71,434 पर बंद हुआ है। इस हिसाब से देखा जाए तो 2024 में सेंसेक्स करीब 12 हजार अंकों का उछाल हासिल कर सकता है। यह करीब 14.41 फीसदी का रिटर्न हुआ। इससे पहले 2 जनवरी, 2023 को सेंसेक्स 61,168 के स्तर पर बंद हुआ था। यानी शेयर बाजार से निवेशकों को इस साल 14 फीसदी से ज्यादा रिटर्न मिलने का अनुमान है।

- **दोनों ही दे रहे एफडी से दोगुना रिटर्न, फिर बेस्ट क्या**
- **शेयर और सोना दोनों पोर्टफोलियो में रखना फायदेमंद**
- **शेयर बाजार में करीब 10 हजार अंकों का उछाल दिखा**
- **बाजार ने अपने निवेशकों को 16 फीसदी का रिटर्न दिया**
- **गोल्ड में पैसे लगाने वाले को 15 फीसदी का रिटर्न मिला**

सोने पर क्यों लगाएं दांव

एक जानी मानी कमोडिटी फर्म का कहना है कि ग्लोबल मार्केट में जिस तरह के हालात चल रहे हैं और महंगाई ने पूरी दुनिया पर दबाव बना रखा है तो 2024 में भी गोल्ड की कीमतों में तेज उछाल का अनुमान है। उन्होंने कहा कि गोल्ड ने 2023 को 63,203 रुपये के स्तर पर क्लोज किया और अपने निवेशकों को 14.88 फीसदी का जबरदस्त रिटर्न दिया। 3 जनवरी, 2024 को 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने का भाव 63,344 रुपये रहा, जो साल के आखिर तक 72 हजार रुपये तक जा सकता है। इस लिहाज से एक तोला सोना खरीदने वाले को प्रति 10 ग्राम करीब 9 हजार रुपये का फायदा होगा। इसका मतलब है कि गोल्ड पर इस साल 15.2 फीसदी का रिटर्न मिलने का अनुमान है। इसलिए निवेशक गोल्ड में भी पैसा लगाकर अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। वैसे भी गोल्ड को निवेश का सबसे अच्छा विकल्प माना जाता रहा है। ऐसे में गोल्ड पर पैसा लगाना काफी लाभकारी साबित हो सकता है।

फिर दोनों में बेस्ट कौन

आंकड़ों से स्पष्ट है कि न शेयर बाजार और सोना दोनों ही दहाई अंकों में रिटर्न दे रहे हैं। दोनों का ही अनुमान लगभग एक जैसा है। ऐसे में निवेशकों को दोनों ही विकल्पों को अपने पोर्टफोलियो में रखना चाहिए। जो निवेशक ज्यादा जोखिम उठाने की क्षमता रखते हैं, उन्हें ज्यादातर पैसे शेयर बाजार में लगाने चाहिए। वहीं, कम जोखिम की क्षमता रखने वालों को सोने पर दांव लगाना चाहिए। सोने पर इसलिए भी ज्यादा भरोसा है, क्योंकि ग्लोबल मार्केट में चल रही उथल-पुथल को देखें तो सोने की मांग आगे और बढ़ने का अनुमान है। इसके अलावा महंगाई व बढ़ती ब्याज दरों की वजह से भी सोना हॉट कमोडिटी बना रहेगा।

एक दो नहीं, बल्कि 5 तरह की होती हैं एसआईपी

क्षमता के हिसाब से निवेश कर कमा सकते हैं अच्छा पैसा | एसआईपी 10 से 30 फीसदी तक का रिटर्न देने में सक्षम | सालाना आधार पर एसआईपी की रकम को बढ़ाते जाएं

बिजनेस डेस्क

बिजनेस डेस्क। शेयर बाजार में निवेश करने वालों के लिए यह जानना बेहद जरूरी है कि एसआईपी कितने प्रकार की होती है, एसआईपी के बार में सुना तो लगभग सभी ने होगा, लेकिन यह बात कम ही लोग जानते हैं कि एसआईपी भी कई तरह की होती है। बाजार के जानकारों का कहना है कि एसआईपी करीब पांच प्रकार की होती है। इसमें निवेश करना बेहद फायदेमंद माना जाता है। यह आपको 10 से 30 फीसदी तक का रिटर्न देकर मालामाल करने में सक्षम होती है। जब कभी बात निवेश की आती है तो आपने अक्सर लोगों को ये सुझाव देते सुना होगा कि एसआईपी शुरू कर लो। एसआईपी यानी सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान। इसके तहत आप हर महीने एक तय रकम किसी म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं। हालांकि, ये बात कम ही लोग जानते हैं कि एसआईपी भी कई तरह की होती है। आइए जानते हैं कितनी तरह की होती है एसआईपी और कैसे करती है काम।

1. रेगुलर एसआईपी

सबसे पहली है रेगुलर एसआईपी, जिसके तहत आप हर महीने एक तय रकम निवेश करते हैं। यह आप हर महीने, तिमाही या छमाही आधार पर कर सकते हैं। आपके पास ये विकल्प होता है कि आप तारीख खुद से चुन सकते हैं।

2. स्टेप-अप एसआईपी

इस एसआईपी के तहत आपको एक तय अवधि में एसआईपी को बढ़ाने की सुविधा मिलती है। जैसे सालाना आधार पर आप एसआईपी की रकम को बढ़ा सकते हैं। मान लीजिए कि आप हर महीने 10 हजार रुपये की एसआईपी करते हैं, तो इसके तहत आप उसे

हर साल 10 फीसदी या 5 फीसदी जो भी आप चाहे उस दर से बढ़ा सकते हैं. इसके तहत आपका निवेश ऑटोमेटिक तरीके से बढ़ता चला जाता है।

3. फ्लेक्सिबल एसआईपी

इसके बाद नंबर आता है फ्लेक्सिबल एसआईपी का, जिसके तहत आप अपनी एसआईपी में कुछ बदलाव कर सकते हैं। उदाहरण के लिए आप एसआईपी की रकम बढ़ा सकते हैं या घटा सकते हैं। हालांकि, अगर आप ऐसा कुछ करना चाहते हैं तो इसके लिए आपको अपने फंड हाउस को एसआईपी कटने की तारीख से करीब हफ्ते भर पहले बताना होगा।

4. ट्रिगर एसआईपी

यह सबसे दिलचस्प एसआईपी है। इसमें आप पैसे, समय और वैल्युएशन के आधार पर तय कर सकते हैं कि कब एसआईपी ट्रिगर होगी। आप इसके लिए पहले से ही कंडीशन लगा सकते हैं। जैसे अगर कीमत के आधार पर बात करें तो आप कंडीशन लगा सकते हैं कि जब एनएवी 1000 रुपये से अधिक हो जाए तो ट्रिगर एसआईपी शुरू हो जाए। वहीं, आप ये भी तय कर सकते हैं कि अगर एनएवी 1000 रुपये से कम हो जाए तो आपके कुछ अतिरिक्त पैसे एसआईपी में लगने लगें। इसी तरह से समय और वैल्युएशन के आधार पर भी ट्रिगर एसआईपी को प्लान किया जा सकता है।

5. इंश्योरेंस के साथ एसआईपी

ये वह एसआईपी होती है, जिस पर आपको टर्म इंश्योरेंस कवर भी मिलता है। अलग-अलग फंड हाउस में यह अलग-अलग तरीके से हो सकती है। कुछ इसके तहत पहली एसआईपी के अमाउंट का 10 गुना तक इंश्योरेंस कवर देते हैं, जो बाद में बढ़ता जाता है। यह फीचर सिर्फ इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में मिलता है और इस पर एक कैपिंग होती है, जैसे 50 लाख रुपये।

इन्वेस्टमेंट जल्दी शुरू करें

जल्दी इन्वेस्टमेंट से मतलब है, कम उम्र में निवेश शुरू कर देना। ऐसा करके आप एसआईपी में ज्यादा टाइम तक इन्वेस्ट कर रिटर्न के रूप में बड़ा अमाउंट पा सकते हैं। एसआईपी में जितना दिन आपका इन्वेस्टमेंट रहेगा, आपको उतनी ही ज्यादा कंपाउंडेड रिटर्न मिलेगा। इसलिए 20 से 30 साल की उम्र के बीच इन्वेस्टमेंट शुरू कर दें।

रेगुलर इन्वेस्टमेंट करें

रेगुलर इन्वेस्टमेंट से एक फाइनेंशियल डिसिप्लिन मेंटेन होता है। इसका एक और फायदा है-अगर आप रेगुलर इन्वेस्टमेंट करते हैं, तो कई बार औसत लागत से ज्यादा फायदा मिल जाता है। इसका मतलब यह है कि अगर कीमतें कम होती हैं, तो आप ज्यादा यूनिट खरीदते हैं और जब कीमतें ज्यादा होती हैं तो आप कम यूनिट खरीदते हैं। इस तरह के एसआईपी करने से शेयर बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव का जोखिम कम हो जाता है।

सही फंड का चयन करें

म्यूचुअल फंड से बेहतर रिटर्न के लिए सही फंड चुनना काफी जरूरी है। वैसे म्यूचुअल फंड का चयन करें जो आपके फाइनेंशियल गोल के हिसाब से हों। इसके अलावा मार्केट के रिस्क और फंड की ग्रोथ के अनुमान को देख कर ही उसका चयन करें।

पोर्टफोलियो को डायवर्सिफाई करें

पोर्टफोलियो को डाइवर्स रखने से आप मार्केट के रिस्क से भी बच जाते हैं और रिटर्न भी बेहतर मिलने की संभावना बढ़ा जाती है। इसलिए इक्विटी, डेट, गोल्ड, रियल एस्टेट और दूसरे फंड में इन्वेस्ट करने की सोचें। इससे एक के प्रॉफिट से दूसरे के नुकसान की भरपाई हो जाती है।

समय के साथ अमाउंट बढ़ाएं

जैसे-जैसे आपकी इनकम बढ़ती जाती है, आप अपने इन्वेस्टमेंट के अमाउंट को भी बढ़ाएं। वेल्थ बढ़ाने का यह एक बेहतर तरीका है। इसलिए आप धीरे-धीरे एसआईपी के अमाउंट को बढ़ाकर बढ़ी हुई इनकम का लाभ ले सकते हैं।

म्यूचुअल फंड्स से अलग हैं आर्बिट्राज फंड

ये फंड दे जाते हैं कम रिस्क में स्टेबल रिटर्न, टैक्स के लिहाज से बेहतर हैं आर्बिट्राज फंड

किन लोगों को करना चाहिए इनमें इनवेस्ट, म्यूचुअल, आर्बिट्राज फंड, कम रिस्क में बेहतर रिटर्न की गारंटी

बिजनेस डेस्क

इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों को आमतौर पर यही सलाह दी जाती है कि किसी फंड में पैसे लगाने के बाद धैर्य के साथ सही समय का इंतजार करें और उसे बेचने का फैसला तभी करें, जब आपके निवेश की वैल्यू पर्याप्त रूप से बढ़ जाए। लेकिन इनवेस्टमेंट का एक तरीका ऐसा भी है, जिसमें फंड मैनेजर इक्विटी में निवेश तभी करता है, जब उसे मुनाफा सामने नजर आ रहा हो। सही मौका मिलते ही वह एक हाथ से निवेश करता है और दूसरे हाथ से बेचकर प्रॉफिट बुक कर लेता है। बाकी तमाम एसेट्स की तुलना में बिलकुल अलग ढंग से काम करने वाले इस फंड का नाम है आर्बिट्राज म्यूचुअल फंड। निवेश की बिलकुल अलग स्ट्रैटजी के कारण इसे इक्विटी में निवेश का सबसे कम जोखिम वाला तरीका भी कहा जा सकता है।

इक्विटी इनवेस्टमेंट के मामले में आर्बिट्राज का मतलब है, किसी एक शेयर की एक समय में दो अलग-अलग बाजारों या एक्सचेंज में दो अलग-अलग कीमतों के बीच मौजूद अंतर का फायदा उठाकर उसकी खरीद-बिक्री करना। मिसाल के तौर पर अगर एक शेयर का दाम एक स्टॉक एक्सचेंज में ज्यादा और दूसरे एक्सचेंज में कम हो, तो उसे एक ही साथ सस्ते बाजार से खरीदकर महंगे बाजार में बेचा जा सकता है और इस तरह फौरन मुनाफा कमाया जा सकता है। इसी तरह स्पॉट मार्केट और फ्यूचर्स मार्केट यानी वायदा बाजार में एक ही शेयर की अलग-अलग कीमत का लाभ भी उठाया जा सकता है।

आर्बिट्राज का फायदा

आर्बिट्राज के जरिए मुनाफा कमाने में दो दिक्कतें हैं- एक तो इसके लिए काफी हुनर और वक्त चाहिए, क्योंकि आपको एक साथ लगातार कई बाजारों और शेयरों पर नजर रखकर आर्बिट्राज के मौके तलाशने पड़ते हैं। दूसरी दिक्कत यह है कि दो बाजारों के बीच शेयरों की कीमतों में अंतर आम तौर पर काफी कम होता है। लिहाजा पर्याप्त मुनाफा कमाने के लिए बार-बार बड़े वॉल्यूम वाली डील करना जरूरी है। किसी आम निवेशक के लिए निजी तौर पर ऐसा करना मुश्किल है। लेकिन आर्बिट्राज फंड में निवेश करके इस स्ट्रैटजी का लाभ लिया जा सकता है।

मौके तलाशते हैं फंड मैनेजर

फंड मैनेजर और उनकी टीम लगातार आर्बिट्राज के मौके तलाशते रहते हैं और बार-बार खरीद-बिक्री करके मुनाफा कमाते हैं। सबसे खास बात यह है कि आर्बिट्राज फंड का मैनेजर किसी इक्विटी में निवेश तभी करता है, जब उसे किसी और मार्केट में मुनाफा दिख रहा हो। लिहाजा, इसमें नुकसान का रिस्क बेहद कम हो जाता है। फंड मैनेजर्स को जब इक्विटी में मुनाफा नहीं दिखता तो वो फंड को शॉर्ट टर्म मनी मार्केट या डेट इंस्ट्रूमेंट्स में पार्क करके रखते हैं, ताकि उस पर कुछ न कुछ रिटर्न मिलता रहे।

टैक्स बेनिफिट

आर्बिट्राज फंड दरअसल हाइब्रिड फंड हैं, जिन्हें टैक्सेशन के लिहाज से इक्विटी फंड की कैटेगरी में रखा जाता है। यानी अगर इसमें किए गए निवेश को 1 साल तक होल्ड करने के बाद निकाला जाए, तो उस पर 1 वित्त वर्ष के दौरान हुए 1 लाख रुपये तक के मुनाफे पर कोई टैक्स नहीं लगता। इससे ज्यादा मुनाफा होने पर 10 फीसदी की दर से लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स लगता है। 1 साल से पहले निवेश निकालने पर होने वाले प्रॉफिट पर 15 फीसदी की दर से शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स देना पड़ता है।

पिछले 1 साल में 8% तक रिटर्न

आर्बिट्राज फंड में निवेश पर जोखिम तो बहुत कम होता है, क्योंकि फंड मैनेजर प्रॉफिट दिखने पर एक बाजार से स्टॉक खरीदकर उसे दूसरे बाजार में बेच देता है, लेकिन ऐसे मौके ज्यादा नहीं मिलते और दो बाजारों में कीमतों का अंतर भी बहुत कम होता है। इसलिए इनमें मिलने वाला रिटर्न भी औसत ही रहता है। पिछले 1 साल में देश के कुछ टॉप आर्बिट्राज फंड ने लगभग 8 फीसदी तक सालाना रिटर्न दिया है। टैक्स बेनिफिट को जोड़ दें तो यह रिटर्न और भी बेहतर नजर आएगा। हालांकि इसे भविष्य के रिटर्न की गारंटी नहीं माना जा सकता।

किसे करना चाहिए निवेश

आर्बिट्राज फंड में निवेश का रिस्क प्रोफाइल डेट फंड की तरह होता है। यही वजह है कि कई आर्बिट्राज फंड बेंचमार्क के तौर पर लिक्विड फंड इंडेक्स का इस्तेमाल करते हैं। आर्बिट्राज फंड उन निवेशकों के लिए बेहतर विकल्प हैं जो इक्विटी में निवेश करना चाहते हैं, लेकिन जोखिम नहीं उठाना चाहते। उतार-चढ़ाव वाले बाजार में, जोखिम से परहेज करने वाले कई निवेशक अपना पैसा आर्बिट्राज फंड में रखकर औसत रिटर्न ले सकते हैं। अगर आप ऊंचे टैक्स ब्रैकेट में आते हैं, तो टैक्स बचत के लिहाज से आर्बिट्राज फंड में निवेश करना आपके लिए अच्छा विकल्प हो सकता है। पिछले बजट में डेट फंड पर टैक्स बेनिफिट खत्म किए जाने के बाद तो यह और भी आकर्षक ऑप्शन हो गया है। कुछ जानकार यह सलाह भी देते हैं अगर आप अपने सेविंग अकाउंट में ज्यादा पैसे रखते हैं, तो उसका कुछ हिस्सा आर्बिट्राज फंड में लगा सकते हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को 3-0 से रौंदा वार्नर का अपने आखिरी मैच में अर्धशतक

एजेंसी ▶▶| सिडनी

डेविड वार्नर ने अपने घरेलू मैदान पर 57 रन बनाकर 112 टेस्ट मैच के अपने कॅरियर का अंत किया। आस्ट्रेलिया ने शनिवार को यहां तीसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच में पाकिस्तान को आठ विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में क्लीन स्वीप करके इस दिग्गज सलामी बल्लेबाज को शानदार विदाई दी। ऑस्ट्रेलिया जब लक्ष्य से केवल 11 रन दूर था तब वार्नर को साजिद खान ने पगबाधा आउट किया। जब वह सिडनी क्रिकेट ग्राउंड से पवेलियन की तरफ बढ़ रहे थे तब दर्शकों ने खड़े होकर उनका अभिवादन किया। ऑस्ट्रेलिया की पारी में वह आउट होने वाले दूसरे बल्लेबाज थे। साजिद ने इससे पहले सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा को भी पगबाधा आउट किया था। ख्वाजा खाता भी नहीं खोल पाए।

वॉर्नर ने जड़ा 37वां अर्धशतक

डेविड वॉर्नर ने अपने टेस्ट कॅरियर के आखिरी मैच में कॅरियर का 37वां अर्धशतक जमाया। वह 57 रन की पारी खेलकर साजिद खान की गेंद पर एलबीडब्लू आउट हुए। वॉर्नर जब आखिरी टेस्ट पारी खेलने के लिए मैदान पर उतरे तो पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑर्नर दिया। सभी प्लेयर्स ने उनके सम्मान में खड़े होकर तालियां बजाईं।

वार्नर की उपलब्धि

	टेस्ट	वनडे
मैच	112	161
पारी	205	159
रन	8786	6932
औसत	44.6	4530
उच्च. स्कोर	335*	179
शतक	26	22
अर्धशतक	37	33

पाक की लगातार 17वीं हार

ऑस्ट्रेलिया में पाकिस्तान क्रिकेट टीम का रिकॉर्ड बेहद खराब रहा है। टीम ने यहां लगातार 17वां टेस्ट मैच गंवा दिया। उन्हें आखिरी बार 1995 में ऑस्ट्रेलिया में कोई टेस्ट जीत मिली थी। इस बीच टीम का कोई मुकाबला ड्रॉ भी नहीं रहा।

डब्लूटीसी के टॉप पर पहुंचा ऑस्ट्रेलिया

पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप के बाद ऑस्ट्रेलिया को डब्लूटीसी में भी फायदा हुआ। टीम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप पॉइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंच गई। टीम के 2 सीरीज में 5 जीत और एक ड्रॉ से 54 पॉइंट्स हैं और 56.25% पॉइंट्स होने के कारण टीम पहले नंबर पर है। दूसरे नंबर पर भारत है। टीम के 2 सीरीज में 2 जीत और एक ड्रॉ से 26 पॉइंट्स हैं, टीम 54.16% पॉइंट्स होने के कारण दूसरे नंबर पर है। साउथ अफ्रीका, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के 50% पॉइंट्स हैं, वे तीसरे, चौथे और पांचवें नंबर पर हैं। जबकि 2 सीरीज में 2 जीत और 3 हार के बाद पाकिस्तान के 22 पॉइंट्स हैं।

खबर संक्षेप

अफ्रीका में 'फुल लेंग्थ' की गेंदबाजी कारगर नहीं

केपटाउन। अपनी स्विंग गेंदबाजी से बल्लेबाजों को परेशान करने वाले मुकेश कुमार को दक्षिण अफ्रीका दौरे पर सेंचुरियन में खेले गए पहले टेस्ट मैच में मौका नहीं मिला लेकिन न्यूलैंड्स में दूसरे टेस्ट मैच में उनकी कारगर गेंदबाजी के बाद टीम प्रबंधन को अपनी चूक का एहसास हुआ। मोहम्मद सिराज (सात विकेट) और जसप्रीत बुमराह (आठ विकेट) की अनुभवी जोड़ी ने दूसरे टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया।

केवल तेज गेंदबाजी पर ध्यान देने की सलाह

नवी मुंबई। भारत की युवा तेज गेंदबाज टिटास साधु ने कहा कि दिग्गज गेंदबाज झूलन गोस्वामी उनकी जिंदगी का अहम हिस्सा रही हैं और केवल तेज गेंदबाजी करने पर ध्यान देने की उनकी सलाह का यह 19 वर्षीय खिलाड़ी प्रत्येक दिन पालन करती है। टिटास ने शुक्रवार को यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 17 रन देकर चार विकेट लिए जिससे भारत ने यह मैच आसानी से 9 विकेट से जीता। यह 2012 के बाद पहला अवसर था जबकि भारत की किसी गेंदबाज ने मैच में चार या इससे अधिक विकेट लिए। झूलन ने मार्च 2012 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 11 रन देकर 5 विकेट लिए थे।

भारत ए की अगुवाई करेंगे अभिमन्यु

मुंबई। बंगाल के अनुभवी खिलाड़ी अभिमन्यु ईश्वरन को इंग्लैंड लायंस के खिलाफ आगामी चार दिवसीय मैच के लिए शनिवार को 13 सदस्यीय भारत 'ए' टीम का कप्तान चुना गया। इंग्लैंड लायंस की टीम भारत दौरे पर इस मैच से पहले दो दिवसीय अभ्यास मैच भी खेलेगी जो 12-13 जनवरी को अहमदाबाद में होगा। इसके बाद 17 से 20 जनवरी तक नरेंद्र मोदी स्टेडियम में चार दिवसीय मैच खेला जाएगा। टीम : अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), साई सुदर्शन, रजत पाटीदार, सरफराज खान, प्रदोष रंजन पॉल, केएस भरत, मानव सुथार, पुलकित नारंग, नवदीप सैनी, तुषार देशपांडे, विद्वथ कावेरप्पा, ध्रुव जुरेल और आकाश दीप।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

ऑकलैंड क्लासिक टेनिस टूर्नामेंट

कोको गॉफ और स्वितोलिना में आज होगा खिताबी मुकाबला

एजेंसी ▶▶| ऑकलैंड

पिछली बार की चैंपियन कोको गॉफ ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शनिवार को यहां ऑकलैंड क्लासिक टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाकर अपने खिताब का बचाव करने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। अमेरिका की इस खिलाड़ी ने सेमीफाइनल में हमवतन एम्मा नवारो को केवल 62 मिनट में 6-3, 6-1से हराया। गॉफ इस तरह से ऑकलैंड में दो वर्षों में लगातार 18 सेट और नौ मैच जीत चुकी है। रविवार को होने वाले फाइनल में कोको का मुकाबला दूसरी वरीयता प्राप्त एलिना स्वितोलिना से होगा, जिन्होंने एक अन्य सेमीफाइनल में तीन सेट तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में चीन की वांग ज़ियू पर 2-6, 6-4, 6-3 से जीत दर्ज की। स्वितोलिना को इस मैच के दौरान दो बार 'मेडिकल टाइमआउट' भी लेना पड़ा लेकिन आखिर में वह चीन की अपनी प्रतिद्वंद्वी को हराने में सफल रही।

स्वियाटेक और हर्काज़ ने पोलैंड को फाइनल में पहुंचाया

सिडनी। विश्व की नंबर एक खिलाड़ी इगा स्वियाटेक और ह्यूबर्ट हर्काज़ के शानदार प्रदर्शन से पोलैंड ने शनिवार को यहां फ्रांस को 3-0 से हराकर यूनाइटेड कप मिश्रित टीम टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। स्वियातेक ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके कैरोलिन गार्सिया को 4-6, 6-1, 6-1 से हराया। इसके बाद एटीपी रैंकिंग में नौवें नंबर पर काबिज हर्काज़ ने एड्रियन मन्नारिनो को 6-3, 7-5 से हराकर अपनी टीम को 2-0 की अजेय बढ़त दिला दी। पोलैंड ने इसके बाद मिश्रित युगल का मैच भी जीता। पोलैंड रविवार को होने वाले फाइनल में ऑस्ट्रेलिया और जर्मनी के बीच खेले जा रहे दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से भिड़ेगा। शीर्ष वरीयता प्राप्त पोलैंड ने ग्रुप चरण में केवल एक मैच गंवाया था। उसने चीन को 3-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

ब्रिसबेन फाइनल

आर्यना सबालेंका की आज रिबाकिना से होगी भिड़ंत

एजेंसी ▶▶| ब्रिसबेन

शीर्ष वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका ने शनिवार को यहां दो बार की चैम्पियन विक्टोरिया अजारेंका पर 6-2, 6-4 की जीत से ब्रिसबेन अंतरराष्ट्रीय टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया जिसमें उनकी भिड़ंत एलीना रिबाकिना से होगा। पिछले साल आस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में भी सबालेंका और रिबाकिना का सामना हुआ था। इसमें सबालेंका ने रिबाकिना पर 4-6, 6-3, 6-4 से जीत हासिल कर ग्रैंडस्लैम खिताब जीता था।

सबालेंका ने 2022 विम्बलडन चैंपियन रिबाकिना के साथ सात मुकाबलों में पांच में जीत हासिल की है। आस्ट्रेलियाई सरजमीं पर सबालेंका की जीत की लय 15 मैच की हो गई है जिसमें एडिलेड में 2023 के शुरू में खिताब के बाद

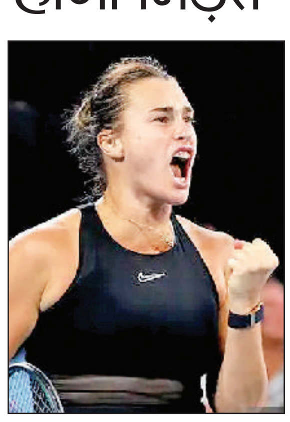

मेलबर्न पार्क में ग्रैंडस्लैम ट्राफी जीतना भी शामिल रहा। सबालेंका ने अजारेंका के खिलाफ 10 ऐस और 35 विनर लगाये। अजारेंका ने 2012 और 2013 में लगातार आस्ट्रेलियाई ओपन खिताब जीते थे। रिबाकिना ने 19 वर्षीय लिंडा नोसकोवा पर 6-3, 6-2 की जीत से फाइनल में प्रवेश किया।

रणजी ट्रॉफी

बिहार की दो टीमें मैदान पर उतरीं, सुलझा विवाद

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

बिहार क्रिकेट के लिए गुटबाजी कोई नई बात नहीं है और दो दशकों से चली आ रही अंदरुनी कलह के कारण उसे भारतीय क्रिकेट बोर्ड की नाराजगी का सामना करना पड़ा और साथ ही कुछ अच्छी प्रतिभाएं भी राज्य से दूर हो गईं। टीम पटना में जन्मे और पले-बढ़े ईशान किशन और गोपालगंज के रहने वाले तेज गेंदबाज मुकेश कुमार की सेवाएं लेने में विफल रही।

ये खिलाड़ी क्रमशः झारखंड और बंगाल के लिए खेलकर राष्ट्रीय टीम का हिस्सा बन गए हैं। गुटबाजी की घटना का ताजा मामला शुक्रवार को पटना में सामने आया जब दो टीमें मोइन-उल-हक स्टेडियम में मुंबई के खिलाफ रणजी ट्रॉफी एलीट बी ग्रुप मैच खेलने पहुंची गईं। इसमें

से एक टीम का चयन बिहार क्रिकेट संघ के सचिव अमित कुमार ने किया और दूसरी टीम का चयन बीसीए अध्यक्ष राकेश तिवारी ने किया। तिवारी की टीम आखिरकार मैच खेलने में सफल रही। इस टीम की अगुवाई बाएं हाथ के अनुभवी स्पिनर आशुतोष अमन कर रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया को नौ विकेट से दी थी करारी शिकस्त

टी-20 श्रृंखला जीतने उतरेगी भारतीय महिला टीम

एजेंसी ▶▶| नवी मुंबई

पहले मैच में बड़ी जीत से उत्साह से ओतप्रोत भारतीय महिला टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में अपना ऑलराउंड प्रदर्शन जारी रखकर तीन मैचों की श्रृंखला में अजेय बढ़त हासिल करने की कोशिश करेगी। एक दिवसीय श्रृंखला में तीनों मैच गंवाने के बाद भारतीय महिला टीम ने पहले टी20 मैच में खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करके ऑस्ट्रेलिया को नौ विकेट से करारी शिकस्त दी थी जो इस प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ उसकी सबसे बड़ी जीत है।

भारतीय टीम ने इस मैच में न सिर्फ क्षेत्ररक्षण में चुस्ती दिखाई बल्कि उसके गेंदबाजों ने भी ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों को खुलकर नहीं खेलने दिया। भारत के सामने 142 रन का लक्ष्य था जो उसने शेफाली वर्मा (नाबाद 64) और स्मृति मंधाना (54) के बीच पहले विकेट के लिए 137 रन की साझेदारी के दम पर आसानी से हासिल कर दिया।

पैरी का 300वां मैच

ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली ने कहा, 'हम वास्तव में रविवार को होने वाले मैच को लेकर काफी उत्साहित हैं। यह हमारी टीम के लिए एलिस पेरी की उपलब्धि का जश्न मनाने का शानदार अवसर है। उनके 300वें मैच का हिस्सा बनने को लेकर वास्तव में प्रत्येक खिलाड़ी उत्साहित है। वह इस पर बात नहीं करना चाहती है क्योंकि इससे उसे लगता है कि वह उम्रदराज हो गई है।' ऑस्ट्रेलिया को उम्मीद रहेगी कि पेरी बड़ा स्कोर बनाकर इस मैच को यादगार बनाने की कोशिश करेगी।

काल्डेरानो और मनिका डब्लूटीटी स्टार कंटेंडर में पेश करेंगे चुनौती

एजेंसी ▶▶| मापुसा

दुनिया के पांचवें नंबर के खिलाड़ी ह्यूगो काल्डेरानो, शीर्ष भारतीय महिला मनिका बत्रा, युगल विशेषज्ञ जी साथियान और अचंता शरत कमल जैसे कुछ शीर्ष टेबल टेनिस खिलाड़ी डब्लूटीटी स्टार कंटेंडर 2024 में चुनौती पेश करेंगे।

यह टूर्नामेंट 23 से 28 जनवरी के बीच यहां पेड्डेम इंडोर स्टेडियम में आयोजित होने वाला है। इस टूर्नामेंट की पुरस्कार राशि 250,000 डॉलर है। इसमें खिलाड़ियों को रैंकिंग अंक जीतने और डब्लूटीटी कप फाइनल और डब्लूटीटी चैंपियंस सीरीज के लिए क्वालिफिकेशन हासिल करने का मौका मिलेगा। ब्राजील के पूर्व युवा ओलंपिक कांस्य पदक विजेता

काल्डेरानो, भारतीय टेबल टेनिस महासंघ की देखरेख में 'स्तूप स्पोर्ट्स एनालिटिक्स' और 'अल्टीमेट टेबल टेनिस द्वारा सह-आयोजित टूर्नामेंट के एकल मुख्य ड्रॉ में भाग लेने वाले 20 बड़े खिलाड़ियों में से एक होंगे। मनिका वर्तमान में विश्व में 35वें स्थान पर काबिज हैं।

पुजारा ने रणजी ट्रॉफी में ठोका दमदार शतक

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका दौरे के लिए जब चेतेश्वर पुजारा को नजरअंदाज किया गया, तो हर किसी को लगा कि दिग्गज बल्लेबाज का टेस्ट कॅरियर अब समाप्ति की ओर बढ़ चला है। किसी ने कहा कि टीम इंडिया की दीवार अब ढह चुकी है, तो किसी ने पुजारा की काबिलियत पर सवाल खड़े किए। हालांकि, इन सभी बातों और आलोचकों के मुंह पुजारा ने एकबार फिर जोरदार तमाचा जड़ा है। रणजी ट्रॉफी 2024 के पहले ही मैच में पुजारा ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए शतक ठोक डाला है। सौराष्ट्र की तरफ से खेलते हुए चेतेश्वर पुजारा झारखंड के खिलाफ नंबर चार पर बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 157 रन बना लिए हैं।

फॉर्मूला ई ने हैदराबाद रेस को रद कर दिया

हैदराबाद। फॉर्मूला ई ने तेलंगाना की नई सरकार पर अनुबंध के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए हैदराबाद में होने वाली रेस को रद्द कर दिया है। भारत में होने वाली इस दूसरी फॉर्मूला ई रेस का आयोजन 10 फरवरी को होना था। फॉर्मूला ई ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा, 'तेलंगाना सरकार के अंतर्गत आने वाले नगरपालिका प्रशासन और शहरी विकास विभाग ने 30 अक्टूबर 2023 को मेजबान शहर के साथ किए गए अनुबंध का पालन नहीं किया जिसके कारण यह रेस रद्द कर दी गई।'

सार्वजनिक सूचना

अग्रसेन धमार्थ ट्रस्ट, भूपतवाला, हरिद्वार तथा रजि. पता : अशोक विहार, दिल्ली द्वारा यह सूचित किया जाता है कि ट्रस्ट 1995 में शुरू हुई थी। जब से अब तक हमारे कई ट्रस्टियों की मृत्यु हो गई है या हम चाहते है कि हमें कुछ ट्रस्टियों का पता जो कि बदल गया है, इस वजह से हम उनसे सम्पर्क नहीं कर पा रहे है। अगर यह पढ़े तो आप हमसे सम्पर्क करें ताकि हम उस ट्रस्टी का आगे के लिए पता ठीक करके अपना रिकार्ड सही कर सके। भविष्य में उन्हें ट्रस्ट की आम सभा में 28 जनवरी, 2024 में बुलाया जा सकें।

गोपाल गोयल
महामंत्री
मो. 9810157736

अभियुक्त व्यक्ति की हाजरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82Cr.PC देखिये

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **भविष्य @ भानु** पुत्र श्री तिलक राज, **निवासी** मकान नं. 3478/31, गली नंबर 01, विष्णु गार्डन, राजेंद्र पार्क, गुड़गांव, हरियाणा ने केस **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 534/2017 धारा 392/411/34 आईपीसी, पुलिस थाना कापसहेड़ा, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **भविष्य @ भानु** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधान प्रद रुप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **भविष्य @ भानु** फरार हो गया हैं (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती हैं कि **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 534/2017 धारा 392/411/34 आईपीसी, पुलिस थाना कापसहेड़ा, दिल्ली** के अभियुक्त **भविष्य @ भानु** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **08.02.2024** को या उससे पहले हाजिर हों।

आदेशानुसार
सुश्री अपूर्वा राणा
महानगर दण्डाधिकारी-10,
कमरा नं. 316, तीसरी मंजिल
द्वारका न्यायालय, नई दिल्ली

DP/257/SW/2024 (Court Matter)

भारत में 'वॉर' लागू करने सोच रहा एआईएफएफ

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ ने अतिरिक्त वीडियो समीक्षा प्रणाली के ट्रायल में भारत को शामिल करने के लिए खेल के नियमों को निर्धारित करने वाली संस्था अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल एसोसिएशन बोर्ड को पत्र लिखा है।

वीडियो समीक्षा प्रणाली को पहली बार 2016-17 में फीफा की प्रतियोगिताओं में उपयोग किया गया था। इससे रेफरी को सही फैसले करने में मदद मिली। एआईएफएफ के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने कहा, 'हमारा मुख्य उद्देश्य मैच अधिकारियों को तकनीक के जरिए सशक्त बनाकर गलतियों की संख्या को कम करना है। हम वीएआर को लागू करने के लिए कार्य जारी रखेंगे लेकिन मेरा मानना है कि एवीआरएस की शुरुआत के लिए भारत जैसा देश अच्छा विकल्प हो सकता है। एवीआरएस हमें तकनीक के प्रभाव का अध्ययन करने, हमारे मैच अधिकारियों को नई अवधारणा से प्रशिक्षित करने तथा खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और क्लबों को इसके अनुकूल ढलने में मदद करेगा।'

PUBLIC NOTICE

This is to inform public in general that Kotak Mahindra bank Ltd has organized an auction in below mention respect of Vehicles.

VEHICLES FOR SALE

1) TATAMOTORS_LPT909CH
REG. NO. UP14JT4905- YOM -2020
MINIMUM RESERVE PRICE 610740

UNDER HYPOTHECATION WITH M/S KOTAK MAHINDRA BANK IS UNDER SALE IN ITS "AS IS WHERE IS CONDITION" INTERESTED PARTIES CAN GIVE THEIR QUOTATIONS (ONLINE/OFFLINE) WITHIN 15 DAYS FROM THIS PAPER PUBLICATION I.E. ON OR BEFORE 22-01-2024 (PLEASE NOTE THAT CLOSING AUCTION DATE WOULD NOT BE A WEEKLY OFF / HOLIDAY).
BRANCH ADDRESS:
KOTAK MAHINDRA BANK LTD., PLOT NO.7 INSTITUTIONAL AREA, SECTOR-125 NOIDA NEAR DELL CAMPUS NOIDA (U.P) UP-201313 OR
CONTACT : RAMAN AHUJA
KOTAK MAHINDRA BANK LTD.
CONTACT / 8377988238
EMAIL-raman.ahuja@kotak.com

PUBLIC NOTICE

This is to inform public in general that Kotak Mahindra bank Ltd has organized an auction in below mention respect of Vehicles.

VEHICLES FOR SALE

1) TATA MOTORS TATA ACE
REG.NO. DL1LAJ4940-YOM -2023
2) TATA LPT709CH
REG. NO. DL1LAE8014-YOM-2021
3) TATA LPT709CH
REG. NO. HR38AD0982-YOM-2022
4) TATAMOTORS T4018FBTT
REG. NO. UP76T4459 -YOM -2018
5) EICHR_VECV PRO2114CBC
REG. NO. DL1GE0293-YOM -2021
6) EICHR_VECV EICPRO2114
REG. NO. HR38AD4185-YOM-2022
7) TATA MOTORS T_INTRAV10
REG. NO. UP15FT7593-YOM-2022
8) TATA MOTORS TACEGOLD
REG. NO.DL1LAG9393 -YOM-2022

UNDER HYPOTHECATION WITH M/S KOTAK MAHINDRA BANK IS UNDER SALE IN ITS "AS IS WHERE IS CONDITION" INTERESTED PARTIES CAN GIVE THEIR QUOTATIONS WITH IN 7 DAYS AT
BRANCH ADDRESS:
KOTAK MAHINDRA BANK
3RD FLOOR, PLOT NO 7,
SECTOR 125, NOIDA-201313 OR
CONTACT : RAMAN AHUJA
KOTAK MAHINDRA BANK LTD.
CONTACT NO. 8377988238
EMAIL-raman.ahuja@kotak.com

भूकंप के बाद बारिश और बर्फबारी

जापान

इशिकावा प्रांत सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्र

126 से ज्यादा भूकंप से हुई मौतें

200 लोग लापता तलाश जारी

सैकड़ों घायल उपचारत

राहत सामग्री नहीं पहुंचने से मडराया खतरा

सबसे ज्यादा मौतें वाजिमा में 69, सुजु में 38, घायल 27

मकान ढहकर सड़कों पर मलबे के रूप में तब्दील

खबर संक्षेप

जलमग्न हुआ इंग्लैंड सड़कें बनी नदी

लंदन। इंग्लैंड से लेकर यूरोप तक भारी और मूसलाधार बारिश से कराह रहे हैं। इंग्लैंड के कई शहर भयंकर बारिश और बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। कई सड़कें नदी में तब्दील हो गईं। खेतों में पानी भर गया और नावें और बहुत से वाहन बह गए। रेल सेवाएं और सड़क बाधित होने से आवागमन रुक सा गया है। लोगों के घरों, दुकानों और प्रतिष्ठानों में पानी भर जाने से जनजीवन प्रभावित हो गया है।

म्यांमार के 'लाउककैंग शहर' पर जबरन कब्जा

म्यांमार। चीन की सीमा से लगे म्यांमार के 'लाउककैंग शहर' पर दूसरे देश द्वारा कब्जा कर लिया है। म्यांमार के सैनिकों ने दुश्मनों के सामने समर्पण कर दिया। म्यांमार की सैन्य सरकार ने अपने शहर पर दुश्मनों द्वारा कब्जा कर लिए जाने की बात को स्वीकार किया है। उसने चीन से लगी उत्तर-पूर्वी सीमा के निकट एक प्रमुख शहर से अपने बलों को हटा लिया है।

हाईजैक शिप के अंदर घुसी मार्कोज कमांडो की टीम, 24 घंटे में 21 क्रू सदस्यों को बचाया

लुटेरों के चंगुल से मुक्त भारतीयों के खिले चेहरे, 'भारत माता की जय' से गूंजा समुद्र

◆ *नौसेना की मार्कोज टीम ने जहाज में सैनिटाइजेशन ऑपरेशन चलाया*

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भारतीय नौसेना ने बहादुरी की एक ओर मिशाल पेश की है। उसने अपनी सूझबूझ से शुक्रवार को उत्तरी अरब सागर में हाईजैक हुए मालवाहक जहाज 'एमवी लीला नॉरफॉक' में समुद्री लुटेरों के चंगुल में फंसे सभी 21 लोगों को बचा लिया, जिनमें 15 भारतीय भी शामिल हैं। इस घटना के बाद हर कोई भारतीय नौसेना की तारीफ कर रहा है। इन सबके बीच एक नौसेना ने एक वीडियो साझा किया है, जिसमें बचाए गए लोगों की खुशी साफ देखी जा सकती है। लोग भारत माता की जय के नारे लगाते और भारतीय नौसेना के जवानों को धन्यवाद देते नजर आए।

- भारतीय नौसेना की चेतावनी के बाद हाईजैकर्स जान बचाकर भागे
- नौसेना ने पूरे शिप को कब्जे से छुड़ाने के लिए अपनी एलीट मार्कोज टीम को भी उतारा
- भारतीय नौसेना में 1987 में एलीट कमांडो फोर्स मार्कोज का गठन

भारतीय नौसेना द्वारा साझा किए वीडियो में एक भारतीय कहता दिख रहा है कि उसे बहुत अच्छा महसूस हो रहा है। वहीं, एक अन्य ने कहा कि 24 घंटे से डर में थे। अब हमें राहत मिली है। इसी बीच, एक शख्स ने कहा कि हम सब भारत की नौसेना पर गर्व महसूस करते हैं। फिर क्या था सब लोग एक सुर में 'भारत माता की जय' के नारे लगाने लगे।

हर भारतीय की जान बचाने को तत्पर है भारतः अनुराग ठाकुर

एमवी लीला नोरफोक हाईजैक घटना पर केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि भारत की पहचान है कि वो हर एक भारतीय की जान बचाने के लिए कुछ भी करता है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एक नहीं, अनेक उदाहरण दिए हैं कि कैसे हर भारतीय की जान को बचाया जाए।

डर से भाग निकले लुटेरे

जवानों ने जहाज को चारों ओर से घेर लुटेरों को चेतावनी दी। मार्कोस कमांडो अगवा पोत पर उतरे और उसकी तलाशी ली तो कोई लुटेरा वहां मौजूद नहीं था। वे जवानों को देखकर वहां से भाग गए। आईएनएस चेन्नई कार्गो शिप एमवी लीला नॉरफॉक के पास मौजूद है। जहाज में बिजली उत्पादन और नेविगेशन सिस्टम को बहाल करके उसे अगले बंदरगाह तक यात्रा शुरू करने में मदद की जा रही है।

वीडियो में दिखी खुशी

वीडियो में एक भारतीय कहता दिख रहा है कि उसे बहुत अच्छा महसूस हो रहा है। वहीं, एक अन्य ने कहा कि 24 घंटे से डर में थे। अब हमें राहत मिली है। इसी बीच, एक शख्स ने कहा कि हम सब भारत की नौसेना पर गर्व महसूस करते हैं। फिर क्या था सब लोग एक सुर में 'भारत माता की जय' के नारे लगाने लगे।

नौसेना ने जहाज को घेरा

नौसेना के मार्कोस कमांडो ने बताया था कि सूचना मिली थी कि जहाज पर हथियार से लैस पांच से छह लोग सवार हैं, जिनके बारे में कुछ जानकारी नहीं है। इस पर जहाज का पता लगाने के लिए तुरंत एक युद्धपोत, समुद्री गश्ती विमान पी-8 आई और लंबी दूरी के 'प्रीडेटर एमक्यू9बी ड्रोन' को तैनात किया गया।

लॉरेंस गैंग के सदस्यों की 4 संपत्तियां कीं अटैच

आतंक-अपराध और नशे पर एनआईए का... बड़ा एक्शन

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

राष्ट्रीय जांच एजेंसी देश में आतंकी-गैंगस्टर और ड्रग तस्करी के मकड़जाल को खत्म करने की दिशा में कदम उठा रही है। एआईए ने 6 दिसंबर को गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई की संगठित टेरर-क्राइम सिंडिकेट के सदस्यों की 4-4 संपत्तियों को अटैच किया।

एनआईए ने हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश में समन्वित छापेमारी में संपत्तियां कुर्क की गईं। हथियार जब्ती मामले में जम्मू-कश्मीर में एक घर को कुर्क किया। ये संपत्तियां आतंकवाद की आय हैं, जिनका इस्तेमाल आतंकी साजिश रचने में किया जाता है।

यह संपत्तियां अटैच

संपत्तियों में लखनऊ के गोमती नगर एक्टेंशन में सुलभ आवास योजना के आश्रय-1 का फ्लैट-77/4 शामिल है, जो विकास सिंह से संबंधित है। दो अन्य संपत्तियां पंजाब के फाजिल्का के गांव बिशनपुरा की हैं, जो आरोपी दलीप कुमार के स्वामित्व में थीं। हरियाणा के यमुनानगर निवासी जोगिंदर सिंह के नाम पर पंजीकृत एक फॉर्च्यूनर कार भी जब्त की गई। विकास सिंह लॉरेंस बिश्नोई का सहयोगी है, जिसने पंजाब पुलिस मुख्यालय पर रॉकेट-प्रोपेल्ड ग्रेनेड हमले में शामिल आरोपियों समेत आतंकियों को शरण दी।

यूएसः टेक ऑफ के बाद विमान की खिड़की उड़ी

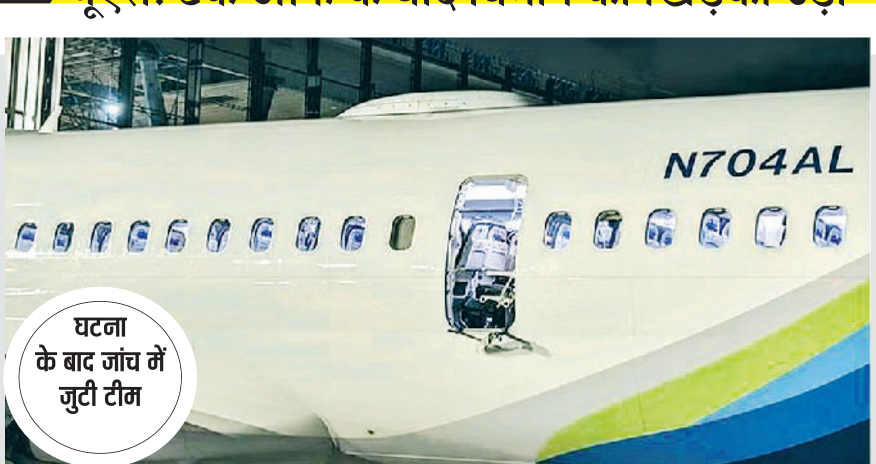

घटना के बाद जांच में जुटी टीम

1. अमेरिका के ओरेगॉन में अलास्का एयरलाइंस के विमान की इमरजेंसी लैंडिंग की
2. यात्री बोला-खिड़की उड़ने के बाद सामने मौत दिखने लगी
3. अलास्का एयरलाइंस में सवार 177 यात्रियों की जान बाल-बाल बची

फल-फूल रहा है होटल उद्योग

जम्मू में 77 साल का रिकॉर्ड टूटा, 2 करोड़ पर्यटक पहुंचे

एजेंसी ▸▸ जम्मू

जम्मू-कश्मीर में पिछले साल रिकॉर्ड 2 करोड़ पर्यटक आए। यह पिछले 77 साल में सबसे अधिक है। यह अनुच्छेद-370 हटाए जाने के बाद परिवर्तन का संकेत है। इससे रोजगार बढ़े हैं। होटल उद्योग फल-फूल रहा है। पिछले वर्ष यहां 100 से अधिक फिल्मों की शूटिंग हुई।

फ्रांस ने कश्मीर के उभरते आकर्षण पर एक रिपोर्ट पेश की है। दशकों के संघर्ष के बाद विदेशी यात्रियों के लिए खुलने वाला एक भूला हुआ स्वर्ग बताया गया है।

आकर्षण का नया युग

प्रवक्ता ने कहा कि ल फिगारो की रिपोर्ट का निष्कर्ष है कि यह जम्मू-कश्मीर के संघर्षग्रस्त अतीत से एक समृद्ध वर्तमान तक की यात्रा को खूबसूरती से दर्शाती है। भूले हुए स्वर्ग को विश्व मंच पर अपनी स्थिति फिर से हासिल करने के रूप में चित्रित किया गया है, जो जादू और आकर्षण के एक नए युग का प्रतीक है।

कुपवाड़ा के कुंडियां और पतरू में पहुंची बिजली

कुपवाड़ा। देश को आजादी मिले हुए 75 साल बाद जम्मू-कश्मीर के केरन सेक्टर में एलओसी के पास दो गांवों में पहली बार बिजली पहुंची है।

कुपवाड़ा जिला के केरन इलाके में कुंडियां और पतरू गांव में 75 साल में पहली बार बिजली पहुंची है। लोगों ने पहली बार बिजली का अनुभव महसूस किया है। समृद्ध सीमा योजना के तहत स्थापित किए गए 250-केवी के दो सब स्टेशनों का उद्घाटन कश्मीर मंडलायुक्त वीके भिदुरी ने किया है।

विपक्षी दल बीएनपी ने चुनाव का बहिष्कार किया, आरोप- चल रही है 'अवैध सरकार'

बांग्लादेश में आज मतदान और दूसरी तरफ हड़ताल, कई नेता गिरफ्तार

एजेंसी ▸▸ ढाका

बांग्लादेश में रविवार को होने वाले मतदान की तैयारी पूरी हो चुकी है। इस चुनाव पर भारत और पाकिस्तान की पैनी निगाह है। इस चुनाव में मुख्य विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) चुनाव नहीं लड़ रही है।

विपक्षी दल बीएनपी ने चुनाव का बहिष्कार किया है और "अवैध सरकार" के खिलाफ 48 घंटे की राष्ट्रव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है। वहीं दूसरी तरफ पुलिस ने विपक्ष के कई नेताओं के इससे पहले ही गिरफ्तार कर लिया है। बता दें, हसीना 2009 से सत्ता में हैं। उन्होंने चुनाव दिसंबर 2019 में जीता था, जिसमें जानलेवा हिंसा हुई थी और चुनाव में धांधली के आरोप लगे थे।

बांग्लादेश में आज होने वाले चुनाव की तैयारियां पूर्ण

- हसीना के चौथी बार जीतने पर लोगों को आर्थिक स्थिति खराब का डर
- चुनाव पर भारत और पाकिस्तान की पैनी निगाह
- चुनाव में उतरे 27 राजनीतिक दल

42,000 से अधिक मतदान केंद्रों पर वोटिंग होगी

देश के निर्वाचन आयोग के अनुसार, 42,000 से अधिक मतदान केंद्रों पर मतदान में कुल 11.96 करोड़ पंजीकृत मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। चुनाव में 27 दलों के 1,500 उम्मीदवार मैदान में हैं और उनके अलावा 436 निर्दलीय उम्मीदवार भी हैं। भारत के 3 पर्यवेक्षकों समेत 100 विदेशी पर्यवेक्षक निगरानी रखेंगे।

चुनाव निष्पक्ष और विश्वसनीय नहीं...

बीएनपी ने शनिवार से 48 घंटे की देशव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है। जो 27 राजनीतिक दल चुनाव लड़ रहे हैं उनमें विपक्षी जातीय पार्टी भी शामिल है। बाकी सत्तारूढ़ आवामी लीग की अगुवाई वाले गठबंधन के सदस्य हैं जिसे विशेषज्ञों ने "चुनावी गुट" का घटक सदस्य बताया है। बीएनपी ने चुनाव का बहिष्कार करते हुए 6 जनवरी को सुबह 6 बजे से 8 जनवरी को सुबह 6 बजे तक 48 घंटे की देशव्यापी आम हड़ताल का आह्वान किया है। कोई भी चुनाव निष्पक्ष और विश्वसनीय नहीं होगा।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109